कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शनिवार, 09 अगस्त, 2025 वर्ष : 13 अंक : 81 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं...

सीएम हेमंत सोरेन खेतों में उतरे, धान रोपनी का किया अवलोकन, कहा

कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ के साथ-साथ हमारी अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की है पहचान

मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा- सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जुड़ें और उसका लाभ उठाएं

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का खेती-किसानी से लगाव जगजाहिर है। इसकी बानगी आज एक बार फिर देखने को मिली, जब रामगढ़ के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास से निकलकर वह खेतों की मेड़ से होते धनरोपनी करते किसानों के बीच पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि ना सिर्फ अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि हमारी पहचान, अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी वाहक है। किसान खुशहाल होगा, तभी देश- राज्य समृद्ध होगा। हमारी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

धनरोपनी करती गांव की महिलाओं से रू-ब-रू हुए मुख्यमंत्री

बारिश का मौसम है और खेतों में धनरोपनी हो रही है। मुख्यमंत्री ने खेतों में जाकर धान की बुवाई कर रही स्थानीय ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए खेती-किसानी के ताजा हालात से रूबरू हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों की हरियाली किसानों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है । जब फसलें लहलहाएंगी, तो यह उनके चेहरे की मुस्कान बनेगी।

किसानों से किया संवाद, जानी समस्याएं, निराकरण का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री को खेत में अपने बीच देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे। उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी परेशानियां तथा समस्याओं को जाना। उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आपके लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। अप इन योजनाओं से जुड़ें और अपने को सशक्त बनाएं। मैं आपके लिए हमेशा खड़ा हूं। आपको जो परेशानी हो, बताएं, उसका निराकरण निश्चित तौर पर होगा।

पुत्रधर्म के साथ राजधर्म भीः पैतृक आवास से सरकारी कामकाज निबटा रहे सीएम हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता के निधन के बाद से दो तरह की चुनौतियों से गुजर रहे हैं. एक तरफ "बाबा" के परलोक गमन की असहनीय पीड़ा, तो दूसरी तरफ राज्य के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने की चिंता. "बाबा" शिबू सोरेन के निधन का शनिवार को पांचवां दिन है. दुःख-दर्द और आंसू थम नहीं रहे हैं. लेकिन, ऐसे विषम हालात में भी वे पुत्रधर्म के साथ राजधर्म भी निभा रहे हैं. वे रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित पैतृक आवास पर पिता के निधन के बाद के रस्म-रिवाज को पारंपरिक विधि-विधान से निभा रहे हैं, तो दूसरी तरफ शासन-प्रशासन चलाने का भी फर्ज बखूबी निभा रहे हैं. ताकि राज्य के विकास की गति में कोई अवरोध

नहीं हो. व्यक्तिगत भावनाओं और दुःख-दर्द को सीने में दबाकर वे सरकारी कामकाज बेहतर तरीके से निभाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं. जरूरी संचिकाओं का निष्पादन करने के साथ सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ नियमित संवाद बनाए हुए हैं. सरकार की गतिविधियों की निरंतर जानकारी लेने के साथ-साथ उन्हें निर्देशित किया है कि वे अपने कार्यों में तत्परता व निरंतरता बनाए रखें. इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आमजन की समस्याओं का तत्काल निराकरण हो. कहीं भी, किसी भी कार्य में कोताही नहीं होनी चाहिए. उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से यह भी कहा कि वे उन्हें हर पल अद्यतन सूचनाओं से अवगत कराते रहें. मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कहा करते थे- सार्वजनिक जीवन में आम जनता के लिए हमेशा खड़ा रहना. वे संघर्ष की मिसाल थे. उन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा. इस राज्य के लिए हमेशा लड़ते रहे. उन्होंने कभी भी अपने व्यक्तिगत हितों को तरजीह नहीं दी. संसद से सड़क तक इस राज्य के लिए संघर्ष करते रहे. आज झारखंड है, तो यह दिशोम गुरु की देन है.

रिपोर्ट- भारत ने अमेरिका से हथियार-विमानों की खरीद रोकी

ट्रम्प के 50% टैरिफ के बाद मोदी सरकार का बड़ा फैसला

रक्षामंत्री ने वॉशिंगटन दौरा रद्द किया

नई दिल्लीः टैरिफ विवाद के बीच भारत ने अमेरिका से नए हथियार और विमान खरीद पर फिलहाल रोक लगा दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दो अफसरों के हवाले से बताया कि डिफेंस डील के तहत P-8I पोसीडन प्लेन, स्ट्राइकर कॉम्बैट व्हीकल्स, एंट्री मिसाइल टैंक खरीदने की योजना थी। अफसरों के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस डील के लिए वाशिंगटन जाने वाले थे, लेकिन उनकी यात्रा को रद्द कर दिया गया है। यह डील 31,500 करोड़ की बताई जा रही है। केंद्र सरकार के इस फैसले को टैरिफ वॉर से जोड़कर देखा जा रहा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि इस मुद्दे पर ना तो भारतीय रक्षा मंत्रालय ने और ना ही पेंटागन ने कोई बयान दिया है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अब तक डिफेंस डील को रद्द करने का कोई भी डिसीजन नहीं लिया गया है।

ट्रम्प भारत पर अब तक 50% टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने 30 जुलाई को 25% टैरिफ लगाया था, जो 7 अगस्त से लागू हो गया है। वहीं, 6 अगस्त को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर भारत पर 25% टैरिफ और बढ़ा दिया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि रूसी तेल की खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। रूस इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहा है।

अफसर ने बताया- अभी लिखित आदेश नहीं हुए

अफसरों ने रॉयटर्स बताया कि इन सौदों को रोकने के लिए अभी लिखित आदेश नहीं हुए हैं। हो सकता है कि टैरिफ विवाद सुलझने के बाद इस पर फैसला लिया जाए। अफसरों के मुताबिक, भारत सरकार अमेरिका के साथ बातचीत करती रहेगी। टैरिफ और द्विपक्षीय संबंधों पर स्पष्टता के बाद ही आगे डील पर फैसला लिया जा सकता है। रक्षा सौदे भी तभी आगे बढ़ पाएंगे।

भारत कॉम्बैट व्हीकल्स खरीदने वाले थे भारत

जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स के स्ट्राइकर कॉम्बैट व्हीकल्स और रेथियॉन तथा लॉकहीड मार्टिन के जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइलों को खरीदने वाला था। ट्रम्प और मोदी ने फरवरी में इनकी खरीद और संयुक्त उत्पादन की योजना को आगे बढ़ाने की घोषणा की थी।

भारत के पास अभी 12 बोइंग P-8I विमान

भारत के पास अभी 12 बोइंग P-8I विमान हैं। ये लंबी दूरी तक समुद्र में निगरानी और खुफिया जानकारी देने, पनडुब्बियों व सतही जहाजों को ढूंढने जैसे काम करते हैं। इनकी रेंज लगभग 2,200 किलोमीटर है और रफ्तार करीब 789 किमी/घंटा। यह विमान भारत के लिए इसलिए जरूरी हैं क्योंकि वे हिंद महासागर में चीन जैसी चुनौतियों के समय भारत को रणनीतिक बढ़त देते हैं और आपदाओं में बचाव कार्यों में भी मदद करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

जोमैटो ने शाहरुख को बनाया ब्रांड एंबेसडर

मुंबई (ईएमएस)। ऑनलाइन खाद्य वितरण कंपनी जोमैटो ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह घोषणा जोमैटो के नए मार्केटिंग अभियान 'फ्यूल योर हसल' के तहत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों से जुड़ना है जो मेहनत, निरंतरता और सफलता में विश्वास रखते हैं। जोमैटो के विपणन प्रमुख ने कहा कि शाहरुख खान अपने समर्पण और प्रेरणादायक सफर के कारण लाखों लोगों के आदर्श हैं। वहीं, शाहरुख ने जोमैटो को मेहनत, नवाचार और स्वादिष्ट भोजन से जुड़ी एक दिलचस्प यात्रा बताया। इस साझेदारी के जरिए जोमैटो भारत के हर कोने तक अपनी पहुंच और ब्रांड की साख को और मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। यह अभियान खासतौर पर युवा और मेहनती उपभोक्ताओं को लक्षित करता है।

इमरजेंसी इस्तेमाल की एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाओं की कीमत तय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने इमरजेंसी इस्तेमाल की चार दवाओं और 37 एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाओं के कीमत तय कर दी है। ये कीमतें राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा तय की गई हैं और ये दवाएं संक्रमण, हृदय रोग और सूजन से लेकर मधुमेह और विटामिन की कमी के इलाज में इस्तेमाल की जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनपीपीए ने कहा कि ब्रांडेड या जेनेरिक या दोनों प्रकार की दवाओं को सीलिंग प्राइस यानी जीएसटी समेत ज्यादा कीमत पर बेचने वाले निर्माता कीमतों में संशोधन करेंगे, जो सीलिंग प्राइस से ज्यादा नहीं होगी हालांकि एनपीपीए ने कहा कि जिन निर्माताओं का एमआरपी सीलिंग प्राइस से कम है, वे मौजूदा एमआरपी को बनाए रखेंगे। इमरजेंसी इस्तेमाल की इन दवाओं में इंफ्राट्रोपियम शामिल है, जिसका उपयोग क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से पीड़ित लोगों में वीजिंग, सांस लेने में तकलीफ, खांसी और सीने में जकड़न को रोकने के लिए किया जाता है। इसका सीलिंग प्राइस 2.96 रुपए प्रति मिलीलीटर तय किया था। सोडियम नाइट्रोप्रसाइड की कीमत 28.99 रुपए प्रति मिलीलीटर तय की गई थी, जिसका इस्तेमाल सर्जरी के दौरान रक्तस्राव को कम करने और तीव्र हृदय विफलता के मामलों में किया जाता है।

एसआईआर पर शाह बोले- घुसपैठिए महागठबंधन के वोट बैंक

जो भारत में जन्मा नहीं है, उसे वोट देने का अधिकार भी नहीं है

सीतामढ़ीः गृहमंत्री अमित शाह और नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने पुरानी सरकार को घेरा। अमित शाह ने एसआईआर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी बात रखी। उन्होंने ये भी बताया कि मोदी जी बिहार का दौरा कर रहे हैं। मैं संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है।' अमित शाह ने एसआईआर पर लालू-राहुल को घेरते हुए कहा कि जो भारत में जन्मा नहीं, उसे वोट देने का अधिकार नहीं। घुसपैठिए इन लोगों के वोट बैंक हैं। इसलिए इनको (महागठबंधन) परेशानी है।

एसआईआर पर लालू-कांग्रेस को घेरा- बिहार में चुनाव होने वाला है। मेरे आने से पहले पूरे अखबार भरे पढ़े हैं कि एसआईआर होना चाहिए या नहीं। जनता बताए कि घुसपैठिए को वोटर लिस्ट से निकालना चाहिए या नहीं। लालू बताएं कि किसको बचाना चाहते हो। बांग्लादेश से आकर बिहार के युवाओं की नौकरी खा जाते हैं, लालू- कांग्रेस उनको बचाना चाहती है। जो भारत में जन्मा नहीं है उसे वोट देने का अधिकार भी नहीं है।

लालू-तेजस्वी को चुनौती- तेजस्वी यादव मुझसे पूछते हैं कि एनडीए सरकार ने मिथिलांचल के लिए क्या किया। मैं बनिया का बेटा हूं, पाई-पाई का हिसाब रखता हूं। तेजस्वी बताएं उनके माता-पिता के राज में गुंडई और अपहरण के अलावा क्या हुआ। मैं लालू को चैलेंज देता हूं। आएं और पुनौराधाम में ही मिथिलांचल के लिए किए कामों को गिना दें।

बिहार में एनडीए की सरकार बनने जा रही है- मोदी जी बिहार का दौरा कर रहे हैं। मैं संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है।

गृहमंत्री अमित शाह ने रखी मंदिर की पहली ईंट

मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मंदिर की पहली ईंट रखी। मंदिर को नेपाल के फूलों से सजाया गया है। भूमिपूजन के लिए 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। अयोध्या के हनुमान गढ़ी से ईंट भी पहुंची थी। 50 एकड़ में 882 करोड़ की लागत से मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। पूरे मंदिर का निर्माण खास किस्म के सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से होगा। ये पत्थर राजस्थान से मंगवाए जा रहे हैं। मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी, जो अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है। अमित शाह ने समस्तीपुर से दिल्ली के लिए अमृत भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में PM मोदी की अयोध्या में पूजा की तस्वीरें दिखाई गईं।

राज्यपाल ने अपोलो अस्पताल प्रबंधन से शिक्षा मंत्री के स्वास्थ्य की जानकारी ली

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल जाकर राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की. राज्यपाल ने वहाँ उपस्थित चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रबंधन से उनके उपचार की प्रगति और वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में जानकारी ली. उन्होंने रामदास सोरेन के परिजनों से भी भेंट की तथा कहा कि हम सभी ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं.

स्वास्थ्य मंत्री इरफाने अंसारी बोलेः शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ब्रेन डेड, सिर्फ बॉडी फंक्शनल

दुमका : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति काफी गंभीर है. उनका ब्रेन डेड हो चुका है, केवल शरीर काम कर रहा है. नयी दिल्ली के अपोलो अस्पताल में ब्रेन के वरिष्ठ चिकित्सक उनका इलाज कर रहे हैं. डॉ अंसारी ने कहा कि उनकी लगातार डॉक्टरों से बातचीत हो रही है. रिपोर्ट अमेरिका भेजकर विशेषज्ञों की राय ली गयी है. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'हम अपनी ओर से बेहतर से बेहतर इलाज की व्यवस्था में जुटे हैं. स्वास्थ्य मंत्री दुमका परिषद में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे.

गुरुजी को भारत रत्न देने की मांगः मंत्री ने एक बार फिर कहा कि झारखंड को अलग राज्य बनाने की लड़ाई लड़ने वाले दिवंगत गुरुजी शिबू सोरेन को भारत रत्न मिलना चाहिए. उन्होंने कहा, 'गुरुजी ने कठिन संघर्ष और परिश्रम से राज्य की जनता की सेवा की है. उनके कार्य और त्याग को देखते हुए भारत सरकार को उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करना चाहिए.

नीरज हत्याकांड में पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, 2017 से जेल में हैं बंद

धनबादः झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को नीरज हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने इस मामले में संजीव सिंह को जमानत दे दी है. संजीव सिंह पर अपने चचेरे भाई और पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या की साजिश रचने का आरोप है. वे वर्ष 2017 से धनबाद जेल में बंद थे. उनके अधिवक्ता मो. जावेद ने इस फैसले की जानकारी दी. 21 मार्च 2017 को धनबाद में पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. घटना उस समय हुई, जब नीरज सिंह शाम को अपने वाहन से रघुकुल लौट रहे थे. सरायढेला स्टील गेट के पास सुधा डेयरी दुकान के निकट हमलावरों ने उनके वाहन को घेर लिया. वहां मौजूद ब्रेकर के कारण वाहन की गति धीमी होने पर हमलावरों ने तीन तरफ से वाहन पर करीब 100 राउंड गोलियां बरसाईं.

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी मिलनी जारी रहेगीः असम-त्रिपुरा में चार नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, मोदी कैबिनेट के पांच फैसले

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले लिए गए हैं। इसके लिए कुल 52,667 करोड़ के फंड्स/प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी दी जाएगी, जिसके लिए 12,060 करोड़ मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास (सबके लिए विकास) के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है।

रेल मंत्री में बताया कि मीटिंग में तय हुआ है कि घरेलू एलपीजी पर घाटे की भरपाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का

मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए MERITE योजना को 4,200 करोड़ की मदद दी जाएगी। इसके अलावा असम और त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत 4 नए प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है, जिन पर कुल 4,250 करोड़ खर्च होंगे। वहीं, तमिलनाडु में मरकानम–पुडुचेरी के बीच 46 किमी लंबा चार लेन हाईवे बनाया जाएगा, जिस पर 2,157 करोड़ की लागत आएगी।

पिछली 2 कैबिनेट मीटिंग के फैसले

इससे पहले 31 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई थी। इसके बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था, 'मोदी कैबिनेट की बैठक में 6 अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें 2 किसानों और फूड सेक्टर से जुड़े हैं। वहीं चार फैसले नॉर्थ-ईस्टर्न सेक्टर में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए हैं। केंद्रीय कैबिनेट ने 16 जुलाई को हुई बैठक में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। 1 फरवरी 2025 को बजट के दौरान वत्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस योजना की घोषणा थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर अगले 6 साल तक चलेगी। इसके तहत देश के 100 कम कृषि उत्पादन वाले जिलों के किसानों को विशेष सुविधाएं दी जाएंगी। इसमें 1.7 करोड़ किसानों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है।

कैबिनेट ने 2 बड़े प्रोजेक्ट्स को भी मंजूरी दी

सरकार ने नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को और ताकत देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए का स्पेशल फंड दिया है। इस फंड का इस्तेमाल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स जैसे सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए किया जाएगा।

नेशनल क्लीन इन्वेस्टमेंट लिमिटेड को क्लीन टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव स्टोरेज के लिए 7,000 करोड़ रुपए की नई पूंजी मिलेगी। इससे नई तकनीक, इनोवेटिव एनर्जी स्टोरेज, बैटरी, स्मार्ट ग्रिड में इन्वेस्टमेंट किया जाएगा।

झारखंड में 2 दिन प्रचंड वर्षा की चेतावनी

झारखंड में प्रचंड वर्षा होने वाली है. मानसून कहर बरपाने वाला है. भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम केंद्र रांची ने शुक्रवार को स्पेशल बुलेटिन जारी करके यह जानकारी दी है. मौसम केंद्र रांची की ओर से जारी इस स्पेशल बुलेटिन-5 में कहा गया है कि झारखंड में 2 दिन 8 अगस्त और 12 अगस्त को प्रचंड बारिश होगी. 8 अगस्त को पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. इसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.

रांची, देवघर, धनबाद समेत इन जिलों में होगी भारी वर्षा

दूसरी तरफ देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, गमला और सिमडेगा जिले में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है. इन जिलों के लिए आईएमडी के मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है.

12 अगस्त को झारखंड के 6 जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट

मौसम केंद्र ने इसी बुलेटिन में कहा है कि 12 अगस्त 2025 को झारखंड के लातेहार, लोहरदगा, खूंटी, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है. इसलिए लोगों को सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है.

बंगाल की उत्तर-पूर्वी खाड़ी तक जाता है मानसून ट्रफ

मौसम केंद्र रांची के प्रमुख अभिषेक आनंद ने बताया है कि औसत समुद्र तल पर मानसून गर्त अब फिरोजपुर, चंडीगढ़, देहरादून, खीरी, पटना, बांकुड़ा, दीघा से गुजरते हुए पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की उत्तर-पूर्वी खाड़ी तक जाता है.

बंगाल की खाड़ी के आसपास बना चक्रवाती परिसंचरण

उन्होंने आगे बताया कि बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल के तटों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में औसत समुद्र तल से ऊपर 3.1 और 5.8 किलोमीटर के बीच एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है. इतना ही नहीं, उत्तर-पूर्वी, उत्तर प्रदेश से दक्षिण बांग्लादेश तक बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्सों से गुजरता हुआ एक गर्त यानी ट्रफ कायम है और समुद्र तल से ऊपर 3.1 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है.

संक्षिप्त खबरें...

निर्मल दा के बलिदान की उपज है आजसू- कामेश्वर महतो

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव आजसू पार्टी बड़कागांव प्रखण्ड कमिटी द्वारा पार्टी के आवासीय कार्यालय गुरु चट्टी में झारखण्ड के वीर शहीद स्व. निर्मल महतो के शहादत दिवस को याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसकी अध्यक्षता आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा व संचालन कामेश्वर महतो ने किया।इस दौरान केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो ने कहा कि निर्मल दा के बलिदान की उपज है आजसू पार्टी , वहीं प्रवक्ता तापेश्वर कुमार तापस ने कहा कि निर्मल दा के सपनों को पूरा करेगी आजसू पार्टी,मौके पर जिला सचिव दिनेश महतो,प्रखण्ड प्रवक्ता तापेश्वर कुमार तापस , प्रखण्ड सह सचिव घनश्याम दांगी,आजसू नेता सह पंसस अरुण पटेल, रंजीत महतो,नवलेश यादव,महेंद्र महतो, रवि राम,अजय जायसवाल, विनोद महतो, रत्नेश कुमार, राजेश कुमार महतो सहित अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

मासीपीडी के हरैयाटांड में बिजली आपूर्ति सेवा 15 दिनों बाद हुई बहाल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मासीपीडी के ग्राम हरैयाटांड में बिजली आपूर्ति सेवा 15 दिनों बाद बहाल हो गई है। हरैयाटांड में लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया था।बीच में नया 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया था जो तुरंत एक दिन में ही दुबारा जल गया था. जिससे वहां के लोग अंधकार में रहने को विवश थे।जिसकी सूचना वार्ड सदस्य रंजीत मंडल ने विधायक अमित कुमार यादव को दिया। विधायक ने संज्ञान में लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों से बात करके 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया. हरैयाटांड में शुक्रवार से बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हो पाई।ट्रांसफार्मर लगने पर ग्रामिणों ने विधायक का आभार प्रकट किया। मौके पर मुन्ना प्रसाद, पंकज कुमार, सुदेश प्रसाद, विवेक कुमार, दुखन माहतो, अरविंद कुमार, निर्मल कुमार, दूर्गालाल प्रसाद, शशिकांत कुमार समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर के प्रांगण में सार्वजनिक मेला के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर एवं प्रवेश द्वारा निर्माण समिति खेरातरी एवं नवयुवक संघ के द्वारा जागरण का आयोजन आज महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव में 11:00 बजे दिन से संध्या तक जागरण का आयोजन किया जा रहा है जिसका मुख्य अतिथि रोशन लाल चौधरी रहेंगे l नवयुवक संघ खैरातरी के अध्यक्ष मनोहर महतो, सचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, संरक्षक दिनेश महतो, बालेश्वर महतो, कामेश्वर महतो,सह संरक्षक हरदयाल महतो तथा कमेटी के सदस्य गण.

मॉडर्न संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर के मॉडर्न संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल में शुक्रवार को रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में स्कूली छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधकर मिठाइयां खिलायी। राखी बंधवाने के बाद छात्रों ने छात्राओं को उपहार भेंट किया और उनकी रक्षा का वचन दिया। इसके अलावा छात्रों ने समाज व राष्ट्र के रक्षा करने का संकल्प भी लिया। स्कूल के निदेशक राहुल जैकब ने बच्चों को रक्षाबंधन पर्व की महत्ता के बारे में विस्तृत रूप से बताया। प्राचार्य प्रतिभा कुमारी,उप प्राचार्य एडविन मार्टिन,राजीव ठाकुर,नंद कुमार ठाकुर,अनामिका उपाध्याय,अभिलाषा सिंहा,स्नेहा उपाध्याय,चंदन पाठक,साधना कुमारी,प्रियंका कुमारी,अनु कुमारी,पुष्पा कुमारी,मरजीना खातून,अंजली कुमारी,अमृता कुमारी,सुषमा मिश्रा सहित सभी शिक्षक - शिक्षिका सहित स्कूली छात्र -छात्रा मौजूद थे।

सोढा खाप निवासी दिनेश टुडू की आकस्मिक निधन, डेगलाल साव ने मृतक के परिजनों को बंधाया ढांढस

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोढा खाप निवासी दिनेश टुडू 45 वर्ष पिता जिवलाल मांझी की आकस्मिक निधन हो गई। घरवालों ने बताया कि दिनेश टुडू की अचानक तबीयत खराब होने के बाद घर पर ही निधन हो गई।जिसकी सूचना मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया।

सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी चेयरमैन से किया मुलाकात

बड़कागांव क्षेत्र के लंबित गैस परियोजनाओं को शुरू करने का किया आग्रह

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गुरुवार की देर शाम को दिल्ली में ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह से मुलाकात कर उनसे अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव प्रखंड में स्थित 56 लंबित गैस कुओं को फिर से शुरू करवाना था। सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह को बताया कि बड़कागांव प्रखंड के अंगो, तलस्वार, बलिया, नापो, हरली, चंदोल और सांढ जैसे गाँवों में ओएनजीसी द्वारा कुल 63 गैस कुएँ खोदे गए हैं। इनमें से वर्तमान में सिर्फ 7 कुओं से ही उत्पादन हो रहा है, जबकि बाकी 56 कुएँ तैयार होने के बावजूद बंद पड़े हैं।सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी चेयरमैन को याद दिलाया कि इन सभी कुओं को "ऊर्जा गंगा पाइपलाइन" (गेल) परियोजना से जोड़ा जाना प्रस्तावित था, लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने श्री सिंह से आग्रह किया कि इन कुओं को जल्द से जल्द चालू किया जाए ताकि इन परियोजनाओं को शुरू करने से न केवल क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता का सही उपयोग होगा,बल्कि स्थानीय लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। ओएनजीसी के चेयरमैन ने सांसद मनीष जायसवाल की बातों को ध्यान से सुना और इस मुद्दे पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से की मुलाकात, विस्थापितों के लिए उचित मुआवजे और पुनर्वास की मांग

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अपने लोकसभा क्षेत्र में एनटीपीसी की कोयला खनन परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित परिवारों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।शुक्रवार को उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर उनसे विस्थापितों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की और ठोस समाधान की मांग की।सांसद जायसवाल ने मंत्री खट्टर को हजारीबाग जिले में एनटीपीसी की चार प्रमुख परियोजनाओं यथा पकरी बरवाडीह, केरेडारी, चट्टी-बरियातू और पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट से जुड़े विस्थापितों की गंभीर समस्याओं से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।उन्होंने मंत्री से भूमि अधिग्रहण मुआवजे को बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि पहले तय की गई 20 लाख प्रति एकड़ की राशि को मार्च 2020 में बढ़ाकर 24 लाख किया गया था, लेकिन वर्तमान में बढ़ती महंगाई और बाज़ार मूल्य को देखते हुए इसे बढ़ाकर 40 लाख प्रति एकड़ किया जाना चाहिए।सांसद जायसवाल ने 'कट-ऑफ डेट' की समस्या पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान के कारण कई पात्र युवा (विशेषकर 18 वर्ष से ऊपर के) मुआवजे और पुनर्वास लाभ से वंचित रह जाते हैं, जबकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 20-25 वर्षों तक जारी रहेगी। उन्होंने आग्रह किया कि लाभुकों का निर्धारण वास्तविक अधिग्रहण की तिथि के आधार पर किया जाए। पुनर्वास राशि के संबंध में जायसवाल ने बताया कि वर्तमान में 18 वर्ष से अधिक उम्र के प्रत्येक पात्र सदस्य को 10 लाख दिए जाते हैं, जिसे बढ़ाकर 15 लाख किया जाना चाहिए।

पंचायती राज विभाग द्वारा प्रसार कार्यशाला का आयोजन, उत्कृष्ट कार्य के लिए पंचायत के मुखिया को किया गया सम्मानित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : पंचायती राज विभाग द्वारा जिला स्तरीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन मेदिनीनगर के दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में किया गया। जिसमें पंचायत उन्नति सूचकांक पोर्टल पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्राम पंचायत के मुखिया को पुरस्कृत किया गया। विश्रामपुर प्रखंड के लालगढ़ पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र चौधरी व भंडार पंचायत के मुखिया आरती देवी को उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला पंचायत राज पदाधिकारी द्वारा मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। लालगढ़ पंचायत को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जबकि भंडार पंचायत को तृतीय तथा पंजरी कला पंचायत को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा तीन अलग–अलग विषयों पर भी लालगढ़ को तीन पुरस्कार प्राप्त हुआ। जबकि भंडार व पंजरी कला को दो-दो पुरस्कार मिला। वहीं विश्रामपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह व प्रखंड समन्वयक को भी मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन प्रखंडों में विश्रामपुर प्रखंड के लालगढ़ पंचायत को प्रथम पुरस्कार मिला। जबकि पांकी प्रखंड को द्वितीय व प्रखंड सदर मेदिनीनगर को तृतीय स्थान मिला। विश्रामपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में पंचायत का समग्र विकास तथा पंचायती राज विभाग द्वारा मिले सम्मान पर क्षेत्र के लोगों ने बंधाई दी है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर विश्रामपुर सीएचसी में कार्यशाला का आयोजन,अभियान के बारे में दी गयी जानकारी

दो लाख 79 हज़ार लोगों को दवा देने का है लक्ष्य,25 अगस्त तक चलेगा अभियान

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर सीएचसी के सभागार में शुक्रवार को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी सेविका,स्वास्थ्य सहिया व पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुये। कार्यशाला में चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेन्द्र कुमार ने अभियान की पूरी जानकारी दी। बैठक में प्रखंड क्षेत्र की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहिया को फाइलेरिया रोग की जानकारी देने के साथ-साथ दवा वितरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गयी। डॉ राजेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया एक घातक रोग है,जो मच्छरों के काटने से होता है। जिसे आम भाषा में हाथी पांव भी कहा जाता है। इस बीमारी की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने 2027 तक इसके सम्पूर्ण उन्मूलन का संकल्प लिया है। सर्किल इंस्पेक्टर विनोद तिवारी ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के तहत यह विशेष अभियान 10 अगस्त से शुरू होगा। पहले दिन सभी निर्धारित बूथों पर लोगों को तीन प्रकार की दवाइयां खिलाई जायेंगी। इसके बाद 11 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक आंगनबाड़ी सेविका व सहिया घर-घर जाकर लाभुकों को दवा देंगी। उन्होंने बताया कि विश्रामपुर सीएचसी के अंतर्गत कुल तीन लाख ग्यारह हजार 609 आबादी आती है। जिसमें से दो लाख 79 हजार लोगों को दवा देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये करीब 625 कर्मियों को लगाया गया है। जिसमे सभी आंगनबाड़ी सेविका,स्वास्थ्य सहिया व सामाजिक कार्यकर्ता को शामिल किया गया है। इसके लिए 23 केंद्र बनाया गया है। जिसमें छह ट्रांजिट व 280 टीम के सदस्य दवा वितरण का कार्य करेंगे। श्री तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह दवा केवल सामान्य लोगों को ही दी जायेगी। गर्भवती महिलाएं,दो साल से कम उम्र के बच्चे व गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जानी है। साथ ही लोगों को दवा सेवन के समय खाली पेट न रहने की सलाह दी गई है। चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार ने बैठक में उपस्थित सेविकाओं से इस अभियान को गंभीरता से लेकर शत-प्रतिशत दवा वितरण सुनिश्चित कराने का अपील किया। मौके पर डॉ संजय कुमार सिंह,डॉ राहुल कुमार,डॉ रोहित कुमार,लालगढ़ मूखिया धर्मेन्द्र चौधरी,रतनाग मूखिया शशिभूषण पाल,एमपीएस पंकज कुमार,वीरमल एनजीओ के हितेश चौबे,राजद प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र यादव,संतोष कुमार,सतेंद्र कुमार सहित आंगनबाड़ी सेविका,सहिया व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

कोर्रा में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का चुनाव सम्पन्न, कुमुद गुप्ता बने अध्यक्ष

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग के कोर्रा स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा माह समिति, "जो वर्ष 1949 से निरंतर धार्मिक परंपराओं और भव्य दुर्गा पूजा आयोजन के लिए प्रसिद्ध है", ने संगठन के संचालन को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चुनाव सम्पन्न किया। समिति की गौरवशाली यात्रा सात दशकों से अधिक समय से क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक रहा है।चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए कुमुद गुप्ता का नाम प्रस्तावित किया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद कुमुद गुप्ता ने सदस्यों से विचार-विमर्श कर समिति का गठन किया। इसमें उपाध्यक्ष पद पर मोहित कुमार गुप्ता और मिलन मुंडा, सचिव पद पर रोहित पासवान, विवेक पासवान और शुभम गुप्ता, कोषाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार, विशाल गुप्ता और अमन गुप्ता को चुना गया। संयोजक के रूप में चीतु गुप्ता, पप्पू टाइगर, अमित गुप्ता, पप्पन मुंडा, सचिन पासवान, सुनील गुप्ता और टिंकू गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई। पूजा प्रभारी के रूप में लल्लन गुप्ता, निक्कू पासवान, रूँनू गुप्ता, आर्यन गुप्ता और नीतीश मंडल को चुना गया, जबकि मीडिया प्रभारी की भूमिका धर्म यादव, देवेन्द्र गुप्ता, राहुल गुप्ता, विनय गुप्ता और कुलदीप मंडल निभाएंगे। व्यवस्थापक के रूप में डॉ. सुधीर कुमार, शंभू गुप्ता, जोगी गुप्ता, राजा पासवान, धीरज मुंडा, पिंकू मुंडा, छोतू मुंडा, राज गुप्ता, मंजीत गुप्ता, सत्यम श्याम, राज कमल गुप्ता, मिथुन नायक, विशु नायक, करण नायक और रंजीत राम को शामिल किया गया है।

नगवां में विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा किया गया पौधा वितरण, पेड़ लगाव अभियान जारी

हज़ारीबाग। विधायक प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में चल रहे पौधा वितरण और रोपण अभियान के तहत शुक्रवार को सदर प्रखंड के नगवां में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुल 500 पौधों का वितरण किया गया।विधायक प्रदीप प्रसाद ने संदेश देते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य केवल पौधा लगाना नहीं, बल्कि इन्हें सुरक्षित बड़ा करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और संतुलित पर्यावरण मिल सके। वृक्ष ही हमारे जीवन का आधार हैं, और इनके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है।गौरतलब है कि इस वर्ष 1,51,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक 62,500 पौधों का वितरण और रोपण हो चुका है। यह लगातार चल रहा प्रयास हजारीबाग को और अधिक हरा-भरा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।विधायक ने ग्रामीणों से अपील किया कि वे वितरित पौधों को अपने घर, खेत और आसपास के क्षेत्रों में लगाकर उनकी नियमित देखभाल करें, ताकि आने वाले वर्षों में यह घने वृक्ष बनकर छाया, ऑक्सीजन और पर्यावरण संतुलन प्रदान कर सकें।इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, किसान और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने इस पर्यावरणीय जन-जागरूकता अभियान की सराहना की और इसे सफल बनाने का संकल्प लिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन भारत रत्न दिया जाए - संजीव बेदिया

हज़ारीबाग (बड़कागांव)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने प्रेस बयान जारी कर भारत सरकार से झारखंड राज्य अलग सपने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है।संजीव बेदिया ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में शिबू सोरेन की योगदान को कभी भी बुलाया नहीं जा सकता है।गुरुजी का जीवन संघर्षशील, प्रेरणादायी और जन-सरोकारों से ओतप्रोत रहा है।

आईलेक्स पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। आईलेक्स पब्लिक स्कूल में बच्चों के द्वारा रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया।राखी के त्योहार को लेकर स्कूली बच्चियों ने खुद एक से बढ़कर एक राखी तैयार किया। मौके पर आईलेक्स पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ शैलेश कुमार ने बच्चों को बताया कि रक्षाबंधन भाई बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। त्यौहार में छात्रों को इसकी परंपराओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है। रक्षाबंधन का धागा सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि एक वादा होता है। जो हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाने का, मुश्किल वक्त में भी मजबूती से खड़े रहने का और हर खुशी व दुःख में एक-दूसरे का सहारा बनने का होता है। इसके साथ ही आइलेक्स स्कूल पंचमाधव के अलावा गोरिया कर्मा,बड़कागांव ,गिरिडीह, बरकट्ठा,पाण्डेयबारा ,इचाक और हज़ारीबाग में भी रक्षा-बंधन का त्योहार मनाया गया।विद्यालय की सभी महिला शिक्षकों ने भी सभी शिक्षकों को राखी बांधी और साथ ही साथ विद्यालय के निदेशक डॉ शैलेश कुमार को भी सभी शिक्षिकाओं ने राखी बांध कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

ओरमांझी बिरसा जैविक उद्यान हुआ और गुलजार,अलीपुर जू से पहुंची मादा जिराफ और सिल्वर फिजेंट का जोड़ा

ओरमांझीः बिरसा मुंडा जैविक उद्यान, ओरमांझी और भी ज्यादा गुलजार हो गया है. इस उद्यान में कोलकाता के अलीपुर जू से 6 साल की मादा जिराफ और सिल्वर फिजेंट का एक जोड़ा लाया गया है. मादा जिराफ का नाम ' मिस्टी ' है. इसकी आयु करीब 6 साल है. चिड़ियाघर में जिराफ का औसत जीवनकाल 19 से 20 साल और प्राकृतिक आवास में 17 से 18 साल तक होता है. जैविक उद्यान निदेशक जब्बार सिंह ने यह जानकारी दी है.

जिराफ की खासियत

निदेशक ने बताया कि उत्तरी जिराफ की प्रजाति केन्या, दक्षिण सूडान, चाड, नाइजर और मध्य अफ्रीकी गणराज्य के कुछ संरक्षित स्थानों पर पाई जाती है. यह एक शाकाहारी जीव है जिसको पेड़ की पत्तियां और घास खिलाया जाता है.

मादा जिराफ की ऊंचाई करीब 12 फीट है. इसके लिए 14 फीट ऊंचा खास तरह का बाड़ा तैयार किया गया था. लिहाजा, ट्रेलर में लादने के बावजूद जमीन से इसकी ऊंचाई 16-17 फीट थी. इस वजह से कोलकाता से रांची लाने में करीब 24 घंटे लग गये. सिल्वर फिजेंट का जोड़ा भी बेहद आकर्षक है. यह तितर परिवार का पक्षी है जो पूर्वी एशिया के जंगलों और पहाड़ों में पाया जाता है.

अलीपुर जू भेजा गया शुतुरमुर्ग

जिराफ को जैविक उद्यान लाये जाने पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखंड, परितोष उपाध्याय मौजूद थे. उन्होंने जिराफ को सुरक्षित रूप से नाइट शेल्टर में अंदर किए जाने की प्रक्रिया भी देखी. इस आदान-प्रदान के बदले भगवान बिरसा जैविक उद्यान, रांची की ओर से फिलहाल शुतुरमुर्ग भेजा जा रहा है. अगले चरण में स्वीकृत शेष प्राणियों दरियाई घोड़ा, हिमालयन काला भालू और घड़ियाल का आदान-प्रदान किया जाएगा. उम्मीद की जा रही है कि यह जिराफ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होगा।

विजन पब्लिक स्कूल में बच्चों के द्वारा मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेडोकला गांव स्थित विजन पब्लिक स्कूल में बच्चों के द्वारा रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। स्कूली बच्चियों ने खुद एक से बढ़कर एक राखी तैयार किया। मौके पर व्यवस्थापक संजय पंडित के द्वारा बच्चों को बताया गया कि रक्षाबंधन भाई बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। त्यौहार में छात्रों को इसकी परंपराओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है।प्राचार्य रवि कुमार रंजन ने बताया कि यह त्यौहार सदियों से चलती आ रही है।भाई और बहन के बीच अटूट संबंध होता है जिसे धूमधाम से मनाई जाती है. इस अवसर पर शिक्षक राजीव रंजन, सत्येंद्र कुमार ठाकुर, अभय सिंह, धीरज कुमार, अनुराग कुमार, नीशा कुमारी, काजल कुमारी, अंजली कुमारी, खुशी कुमारी, खुशबू समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

चेचकप्पी मुखिया की ओर से खिलाड़ियों के बीच जर्सी का वितरण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चेचकप्पी पंचायत के मुखिया रीता देवी एवं प्रतिनिधि डेगलाल साव की ओर से शुक्रवार को फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच जर्सी वितरण किया गया । कुछ दिन पूर्व चेचकप्पी पंचायत के फुटबॉल खिलाड़ियों के द्वारा सोशल मीडिया के द्वारा मुखिया से जर्सी की मांग किया था। जिसको लेकर मुखिया के द्वारा जर्सी वितरण किया गया।इस मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने कहा कि आप सब इसी प्रकार से फुटबॉल और अन्य दूसरे खेलो को खेल कर पंचायत का नाम रोशन करें। कहा की खेल से संबंधित समस्या होगा उसका समाधान किया जाएगा।

झारखण्ड सरकार
आदिवासी कल्याण आयुक्त का कार्यालय, झारखण्ड मंत्रालय, कल्याण कॉम्पलेक्स मोराबादी, राँची

पत्रांक–01/झा०अनु०जन जाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम–03/2025–

सूचना (Corrigendum)

Advt. PR. No.-359136

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची के द्वारा संचालित "झारखण्ड अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम" के संचालन हेतु एजेंसी/संस्थान के चयन हेतु प्रकाशित Corrigendum/Clarificaion विज्ञापन में निविदा Online समर्पित करने की अंतिम तिथि दिनांक– 12.08.2025 को पुनः संशोधित करते हुए दिनांक–13.08.2025 तक विस्तारित किया जाता है।

आदिवासी कल्याण आयुक्त

PR 359265 Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department(25-26)#D

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेत्री ललिता देवी ने कोकर चौक पर ट्रैफिक जवानों के कलाईयों पर राखी बांधी

रांचीः रक्षा बंधन के अवसर पर भाजपा नेत्री ललिता देवी ने कोकर चौक पर तैनात ट्रैफिक जवानों के कलाईयों पर राखी बांधी, इस दौरान ललिता देवी ने कहा की, हमारे लिए गर्व की बात है कि शहर के सुरक्षा मे तैनात जवानों को राखी बांधने का मौका मिला. उन्होंने भावुक होकर कहा, ये जवान भाई हर मौसम मे शहर की सुरक्षा करते हैं, बहनों की रक्षा करते हैं. इनकी उम्र लंबी हो यह आयोजन हर किसी के लिए गौरव का क्षण बन गया। राखी बांधने के बाद बहनों ने जवानों से हर व्यक्ति की सुरक्षा का वचन लिया। जवानों ने भी इस स्नेह को दिल से स्वीकार किया। एक जवान ने कहा, हम अपने घर-परिवार से दूर हैं, लेकिन कोकर की इन बहनों ने हमें अपनापन देकर हमारा हौसला बढ़ाया है। इस पल ने न केवल जवानों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि देश की बेटियों में जवानों के प्रति सम्मान की भावना और बढ़ाया। इस आयोजन मे सुभाष अग्रवाल, जितेंद्र सिंह पटेल, युवराज पासवान, सोनू मिश्रा, चन्दन शर्मा, शीतल वर्मा, उषा देवी, पूनम निभा, पूनम गुप्ता, सरोज भल्ला, समेत अन्य महिला उपस्थित रही।

ऑक्सब्रिज स्कूल में आदिवासी दिवस कार्यक्रम

मांडरः ऑक्सब्रिज स्कूल में विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने विभिन्न राज्यों के आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और विरासत को दर्शाने वाले नृत्य, गीत और नाटक प्रस्तुत किए। आदिवासी कला, वेशभूषा और जीवनशैली को नाटक के द्वारा प्रस्तुत किया। विद्यालय प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा, "विश्व आदिवासी दिवस हमें हमारी मूल संस्कृति, प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली और आदिवासी समाज के योगदान को समझने और सम्मान देने का अवसर देता है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आदिवासी समुदायों के योगदान, उनकी कठिनाइयों और उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षकों ने भी बच्चों को आदिवासी इतिहास और संस्कृति को संरक्षित रखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक तौफीक आलम, प्राचार्या ईवोन ई. एक्का तथा अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिरला मैदान में मटका फोड़ का आयोजन 13 को

संवाददाता रांचीः कान्हा मटकी फोड़ "प्रतियोगिता समाती द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर पिछले 2 वर्षों से बड़ी धूम-धाम और भव्यता के साथ रातू रोड, इंद्रपुरी स्थित बिरला मैदान में मनाया जाता है। शुक्रवार को समिति के अध्यक्ष उत्तम यादव, महामंत्री प्रेम प्रतीक केशरी की उपस्थिति में प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन एवं प्रेस वार्ता की गई। वार्ता में बताया गया की प्रथम पुरस्कार 31,000 दुतिय पुरस्कार 21,000 और तीसरे पुरस्कार 11,000 सफल प्रतिभागियों को दिया जाएगा, प्रतियोगिता दिनांक 13/8/25 को संध्या 4:00 से प्रारंभ होगा जिसमे बाल कान्हा एवं राधा जी के प्रारूप में आए बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा साथ ही प्रसिद्ध कलाकारो द्वारा झांकी की प्रस्तुति भी किया जाएगा एवं चरस, अफीम, ब्राउन शुगर, इंजेक्शन, डेरेनराईट, कोरेक्स मुक्त, रांची बनाने का संकल्प पर लिया जाएगा। मौके पे समिति के अध्यक्ष श्री उत्तम यादव, महामंत्री प्रेम प्रतीक ,रोहित यादव,शुभम् विश्वकर्मा, संकेत अन्य समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

संवाददाता रांचीः रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपल सिंह मुण्डा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के साथ जैप 2 कि कमांडेंट एस पी सरोजिनी लकड़ा सहित राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस मौके पर बंधु तिर्की ने शिबू सोरेन को याद करते हुए कहा कि हमेशा से ही राज्य में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में गुरु जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ग्रामीण इलाकों में खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए दिशोम गुरु ने पहल की। इसी पहल का परिणाम है कि कई जिलों में स्टेडियम का निर्माण किया गया।

श्रद्धांजलि प्रार्थना सभा का आयोजन करेगी कांग्रेस

संवाददाता रांचीः झारखंड अलग राज्य आंदोलन के महान क्रांतिकारी, प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के देहावसान एवं राजकीय शोक के उपरांत रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आगामी दिनांक 10 अगस्त, दिन-रविवार को कांग्रेस भवन, रांची में दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सर्व धर्म श्रद्धांजलि प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। दिशोम गुरु शिबु सोरेन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश एवं जिला स्तर के वरिष्ठ नेतागण दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने रांची जिला के जिला,प्रखंड एवं मंडल कमिटी के सभी पदाधिकारियों को इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल होने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की समीक्षात्मक बैठक

जिला के वरीय पदाधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता रांचीः समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में जिला के वरीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने विभागीय कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन, विधि-व्यवस्था, आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और समाहरणालय परिसर के प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

विधि व्यवस्था और स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी पर जोरः बैठक में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि अब हर महीने ऑनलाइन जिला स्तरीय विधि-व्यवस्था संधारण बैठक आयोजित की जायेगी, जिससे समय पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने मोरहाबादी में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को समय पर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिये।

बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और अतिक्रमण हटाने के निर्देशः समाहरणालय में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करने के निर्देश दिये। समाहरणालय के आसपास अतिक्रमण हटाने की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित विभाग को पूरे क्षेत्र को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया।

प्राकृतिक आपदा प्रभावितों को डीबीटी के माध्यम से भुगतानः उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने निर्देश दिया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों एवं आश्रितों को मुआवजा राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाये। उन्होंने अपर समाहर्त्ता को स्पष्ट किया कि अंचल स्तर पर भुगतान की जगह यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होनी चाहिए।

ऑल हैंड्स मीटिंग निर्देशों की समीक्षाः बैठक में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा ऑल हैंड्स मीटिंग के बाद दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि समाहरणालय से रिटायर होने वाले कर्मियों को उसी दिन सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की समीक्षाः बैठक में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा राज्य सरकार की महत्वकांक्षी झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की भी समीक्षा की गई। सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि रक्षा बंधन पर योजना अंतर्गत जुलाई माह की सम्मान राशि सभी लाभुकों को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उपायुक्त ने "मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान से स्वावलंबन" योजना की भी समीक्षा करते हुए जेएसएलपीएस को ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को इससे जोड़ने के निर्देश दिये।

भूमि विवाद मामलों के निष्पादन में सावधानी बरतने के निर्देशः उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित मामलों के निष्पादन में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिये, ताकि निष्पादन निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो। साथ ही उन्होंने समाहरणालय परिसर की साफ-सफाई, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों व कर्मियों के पहचान पत्र, डीएमएफटी से होने वाले कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

पारस हॉस्पिटल में लगेगा नि :शुल्क मेगा हेल्थ कैंप

संवाददाता रांचीः पारस हॉस्पिटल एचइसी में आगामी 10 अगस्त रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगेगा। इस कैंप में सभी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को निःशुल्क ओपीडी परामर्श प्रदान किया जाएगा। निःशुल्क सेवाएं के तहत मरीजों को बीपी, आरबीएस, ईसीजी, बीएमडी, पीएफटी आदि की सुविधा प्रदान की जायेंगी। इसके अलावा अन्य डायग्नोस्टिक एवं लैब टेस्ट पर 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। कैंप का लाभ उठाने के लिए 8080808069 पर पंजीकरण कराना होगा। यह जानकारी पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि पारस हॉस्पिटल एचइसी में कटे होठ एवं कटे तालु का इलाज निःशुल्क किया जाता है। पारस हॉस्पिटल का उद्देश्य है कि आम जनता को समय-समय पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें प्राथमिक जांच की सुविधाएं दी जाएं, जिससे बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि मरीजों के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए पारस हॉस्पिटल हमेशा निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन करती रहती है। इसी कड़ी में 10 अगस्त रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। आम लोग इस हेल्थ कैंप का लाभ उठा सकते हैं।

मेकॉन विप्स फोरम ने मनाया सावन मिलन समारोह

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची में मेकॉन लिमिटेड की वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) फोरम की ओर से श्यामली कॉलोनी स्थित इस्पात क्लब में रंगारंग सावन मिलन समारोह का आयोजन हुआ। विप्स की अध्यक्ष डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने बताया कि गुरुवार की देर रात तक चले समारोह में मेकॉन की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सावन के उल्लास और पारंपरिक त्योहार को सामूहिक तौर पर मिलकर मनाया। इस तरह का आयोजन आपसी एकता और सौहार्द को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और रोचक खेलों का आयोजन हुआ। आने वाले वर्षों में सावन मिलन समारोह को और भी भव्य रूप से मनाया जाएगा। डॉ. सुमाना चक्रवर्ती और विप्स की संयाजक सीमांतिनी साहू ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

आजसू के संस्थापक शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर आजसू ने रांची व जमशेदपुर में दी श्रद्धांजलि

निर्मल महतो के बलिदान ने झारखंड आंदोलन को दिया उग्र तेवरः सुदेश

संवाददाता रांचीः आजसू के संस्थापक शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर शुक्रवार को आजसू प्रमुख व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो तथा अन्य नेताओं ने रांची और जमशेदपुर में निर्मल महतो को श्रद्धांजलि दी। महतो ने रांची के निर्मल महतो चौक, अनगड़ा, सिल्ली, सोनाहातु और तमाड़ के अलावा जमशेदपुर में चमड़िया गेस्ट हाउस, निर्मल समाधि स्थल पर निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, हरेलाल महतो, सागेन हांसदा, सपन सिंहदेव, संजय मेहता, डॉ मुकुंद मेहता समेत वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी माल्यार्पण किया और शहीद निर्मल महतो के बलिदान और संघर्ष को याद किया तथा उनके सपनों को साकार करने का संकल्प दोहराया।

इस मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि निर्मल दा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने झारखंड की अस्मिता, सम्मान और अधिकार की लड़ाई के लिए जिस साहस और निष्ठा के साथ संघर्ष किया, वह अद्वितीय है। महतो ने कहा कि निर्मल महतो के बलिदान ने आजसू को उग्र तेवर दिया, जिसके बल पर झारखंड आंदोलन को नई दिशा मिली और राज्य का निर्माण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि निर्मल दा आजसू के संस्थापक थे।

मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि शहीद निर्मल दा ने झारखंड की पहचान, सम्मान और अधिकार की लड़ाई के लिए अपना जीवन न्योछावर किया। उनका संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम में जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, दीपक महतो, शहजाद आलम, परवाज खान, इम्तियाज अहमद नज़मी, डॉक्टर पार्थ परितोष, वनमाली मंडल, बसंत महतो, हरीश कुमार, कुमुद वर्मा, सुरेन्द्र लिंडा, सीमा सिंह, प्रभा महतो, ओम वर्मा, बबलू महतो, ऋतुराज शाहदेव, अमन साहू, सक्षम झा, दया शंकर झा, राकेश सिंह, शहजाद, प्रशांत कुमार, अजीत कुमार, चेतन प्रकाश, उत्कर्ष महतो आदि उपस्थित थे।

प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायकः डॉ. दीपाली

मांडरः भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, कन्दरी मांडर रांची में शुक्रवार को राखी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दिपाली पराशर की अगुवाई में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रक्षा बंधन के पारंपरिक मूल्यों को जागरूक करना और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। छात्राओं ने रंग-बिरंगी, रचनात्मक और पारंपरिक राखियाँ बनाकर अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में निर्णायकों द्वारा विभिन्न मापदंडों पर प्रतिभागियों की रचनाओं का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सौंदर्य, मौलिकता, थीम और प्रस्तुतिकरण शामिल थे। शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होती हैं और भारतीय परंपराओं से उन्हें जोड़ती हैं।

शहीद निर्मल महतो को अबुआ अधिकार मंच ने दी श्रद्धांजलि

वंचित-शोषित वर्ग के जननायक थे वीर शहीद निर्मल महतो : अबुआ अधिकार मंच

रांचीः शुक्रवार को झारखंड आंदोलन के अमर सेनानी, वीर शहीद निर्मल महतो जी की पुण्यतिथि के अवसर पर अबुआ अधिकार मंच द्वारा रांची स्थित जेल चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर छात्रों और युवाओं की बड़ी भागीदारी रही, जिन्होंने मंच के नेतृत्वकर्ता गौतम सिंह एवं वेदांत कौस्तव के मार्गदर्शन में झारखंड आंदोलन के इस महानायक को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अबुआ अधिकार मंच के अध्यक्ष गौतम सिंह ने कहा कि निर्मल महतो एक ऐसे जननेता थे, जिन्होंने व्यक्तिगत जीवन और राजनीति दोनों को झारखंड की मुक्ति और अधिकार की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उनका त्याग आज भी झारखंडी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

रांची विश्वविद्यालय के संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा कि निर्मल महतो सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और बलिदान के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने झारखंड राज्य की कल्पना को साकार करने हेतु अपने प्राणों की आहुति दी। वे केवल राजनीतिक योद्धा नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, युवाओं की भागीदारी और हाशिए के समाज की आवाज़ भी थे। उनका सम्पूर्ण जीवन आदिवासी-मूलवासी अधिकारों की रक्षा और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए समर्पित रहा। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए सामाजिक न्याय, समानता और स्वाभिमान की लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि शहीद निर्मल महतो के अधूरे सपनों को साकार करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभा के दौरान छात्र-युवाओं ने उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए यह भी कहा कि आज झारखंड को फिर से उसी वैचारिक दिशा और नेतृत्व की ज़रूरत है, जिसकी नींव निर्मल महतो और उनके जैसे आंदोलनकारी नेताओं ने रखी थी। कार्यक्रम के दौरान 'शहीद निर्मल महतो अमर रहें' के नारों के बीच उपस्थित जनसमूह ने उनके विचारों को आत्मसात कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अभिषेक शुक्ला, बिपिन कुमार यादव, विशाल कुमार यादव, दिवाकर प्रजापति, अर्जुन, कारण सिंह, ऋषभ मिश्रा, साह अफसर, अपूर्वा शुक्ला, दिवेश भारती, अंजना लिंडा, प्रतीक्षा कुमारी, अनुज कुमार, अमन, अमित, राजा, गौतम कुमार, प्रतीक, फ्रांसिस तिर्की,सहित मंच के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

एच एम पब्लिक स्कूल में राखी बनाओ मेहन्दी लगाओ प्रतियोगिता

राखी पर्व भाई बहन का ऐसा पर्व है जिसे सालों भर बहन और भाई दोनों को इंतजार करने रहते हैं, दोनों का प्यार और स्नेह इस दिन अलग से झलकता है इसलिये इसे बहुत उमंग और उत्साह के साथ मनाना चाहिए। और ये प्रतियोगिता आप सभी का कार्य क्षमता, एकाग्रता, कलात्मकता को और बेहतर ढंग से किया जाना ही प्रतियोगिता है। ये बातें एच एम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अरविंद कुमार ने छात्रों को कहा। आज राखी बनाओ प्रतियोगिता वर्ग 5 से 10 वीं तक के छात्र छात्राओं के लिए और मेहन्दी लगाओ प्रतियोगिता 8 से 10 वीं के छात्राओं के लिए आयोजित किया गया था।

मेहन्दी लगाओ प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी निम्न हैं वर्ग 8 से प्रथम आस्था मुंडा, द्वितीय वर्षा कुमारी तृतीय सोनिका कुमारी, वर्ग 9 वीं से प्रथम कसक कुमारी, द्वितीय कृतिका कैथर, तृतीय राशि कुमारी और वर्ग 10 वीं से प्रथम दो लोग है माही कुमारी, परी कुमारी, द्वितीय मुस्कान कुमारी और तृतीय दो छात्रा निधि कुमारी और दीपिका कुमारी रहीं ।

राखी प्रतियोगिता का विशेष पुरस्कार से वर्ग 6 ब का अनीश कुमार साहू को विशेष पुरस्कार के लिये चयनित किया गया । वर्ग 5 वीं से ईशिता टेटे, वर्षा कुमारी, सिमरन भुटकुमार प्रथम, विकाश कुमार, राहुल कुमार, अन्वी प्रिया द्वितीय और रिया कुमारी, शिवम कुमार हजाम तृतीय रहे। वर्ग 6 से प्रथम वैभवी चौहान, अनिशा कुमारी द्वितीय अराध्या कुमारी, रिया सिंह, स्वास्तिका आर्या और तृतीय सोनम कुमारी और सौरभ प्रामाणिक रहे। वर्ग 7 के सत्य ज्योति समल, विकी कुमार प्रथम, कन्हैया जी , सुमित गोराई द्वितीय और विशाल कुमार चौधरी कृति कुमारी तृतीय रही। वर्ग 8 वीं के सरगुन कुमारी और समर कुमार प्रथम, दीपक कुमार , शिवम कुमार द्वितीय और दिव्यांशु कुमार, सुषमा कुमारी और रोनित लोहरा तृतीय रहे। वर्ग 9 के विकास साह , शुभम कुमार प्रथम, नमन कुमार, सुरज कुमार द्वितीय और शिवम गुप्ता, सौरभ कुमार तृतीय रहे। ये छात्र अलग अलग सेक्शन के है। वर्ग दसवीं के प्रियम कुमारी प्रथम और अनय चौरसिया द्वितीय हुए।

राखी प्रतियोगिता के निर्णायक भूमिका में रणजीत कुमार, बासुदेव सिंघा और सुजाता देवी थी जबकि मेहन्दी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की भूमिका में सरिता टोप्पो, अनामिका सिंह, कंचन शर्मा और शुभम सौरभ थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमार कमलेश, संयुक्ता देवी, पूनम, अपूर्व शशांक, सती सिन्हा, गोविंद थापा, सरोज कुमार, संगीता रानी, नीलम दहंगा, पुनीत तिर्की, वैशाखी, आदि शामिल थे।

सभी विजयी छात्रों को विशेष अवसर पर मोमेंटो, मेडल, सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया जायेगा।

शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया

संवाददाता रांचीः शहीद निर्मल महतो चौक(पुराना जेल चौक) रांची में टोटेमिक कुड़मी/कुरमी विकास मोर्चा के बैनर तले झारखंड आंदोलन के महानायक शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। टोटेमिक कुड़मी/कुरमी विकास मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार के अगुवाई में समाज के सैकड़ों लोग शहीद के आदमकद प्रतिमा में माल्यार्पण किया एवं सहादत सभा में शामिल हुए। ओहदार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद निर्मल दादा का 8 अगस्त 1987 को जमशेदपुर में राजनैतिक हत्या की गई। शहीद शक्ति नाथ महतो और सांसद सुनिल महतो आदि कद्दावर कुड़मी नेता भी राजनैतिक हत्या के शिकार हुए। वर्तमान में समाज के लोकप्रिय नेताओं पर भी ऐसे ही साजिश रची जा रही है। किंतु ऐसे साजिशों से अब समाज के युवा डट कर सामना करने के लिए तैयार हैं। ओहदार ने कहा कि निर्मल दा के बलिदान से ही झारखंड अलग राज्य मिला है किन्तु दुर्भाग्य यह है कि दो टर्म झामुमो गठबंधन सरकार रहते हुए भी झामुमो के पुर्व अध्यक्ष रहे झारखंड आंदोलन के महानायक शहीद निर्मल महतो को शहीद का दर्जा नहीं दिया गया। टोटेमिक कुड़मी/ कुरमी विकास मोर्चा झारखंड सरकार से चार सुत्रीय मांग करती है कि निर्मल दा को अविलंब शहीद का दर्जा दिया जाए। सहादत दिवस 08 अगस्त को राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। विधानसभा परिसर में शहीद निर्मल महतो का आदमकद प्रतिमा लगाया जाए और स्कूली पाठ्यक्रम में उनके जीवनी को शामिल किया जाए। श्रद्धांजलि सभा को मुख्य रूप से मोर्चा के केंद्रीय मीडिया प्रभारी सखी चंद महतो, महिला मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष सुषमा महतो, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार महतो, रूपलाल महतो,राजेंद्र महतो, सोना लाल महतो, अनुप कुमार महतो आदि ने संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें...

चौपारण में माँ सावित्री न्यूट्रीशन क्लब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का हुआ उद्घाटन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) चौपारण के पुराना नर्सरी सब्जी बाजार के सामने माँ सावित्री न्यूट्रीशन क्लब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का भव्य शुभारंभ समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में इंटरनेशनल सीनियर वेलनेस कोच अमीत रंजन एवं कुमारी खुशबू रानी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर सेंटर का विधिवत शुभारंभ किया।इस अवसर पर भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही और सभी ने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान वेलनेस और फिटनेस के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।इंटरनेशनल वेलनेस कोच अमीत रंजन ने बताया कि,इस सेंटर का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनकी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।उन्होंने बताया कि यह सेंटर वजन घटाने और वजन बढ़ाने की सुविधा ऑनलाइन माध्यम से भी उपलब्ध कराता है, जिससे व्यस्त दिनचर्या वाले लोगों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।इंटरनेशनल कोच कुमारी खुशबू रानी ने कहा,यहां संतुलित डाइट प्लान, स्वास्थ्य परामर्श, फिटनेस गाइडेंस समेत कई सेवाएं दी जाएंगी। भविष्य में हेल्थ अवेयरनेस कैंप और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।क्लब के संचालक राजेश सहाय ने इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि,ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की शुरुआत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी।स्थानीय लोगों ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे चौपारण क्षेत्र के लिए लाभकारी बताया और भविष्य में अधिक से अधिक लोगों को इससे जुड़ने की अपील की।मौके पर सीनियर कोच बादल कुमार, सतेन्द्र दास,लक्ष्मण साव,मुकेश सिंह,अमीत सिंह,बृजनन्दन सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

इटखोरी के इंदिरा क्लब की जमीन की सुरक्षा को लेकर चतरा उपायुक्त को सौंपा गया ज्ञापन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) इटखोरी बाजार स्थित ऐतिहासिक इंदिरा क्लब की जमीन को अवैध कब्जे से बचाने को लेकर इटखोरी पंचायत मुखिया जुगेश्वर दांगी के नेतृत्व में ग्रामीणों और समाजसेवियों ने उपायुक्त चतरा कीर्ति श्री जी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ भू-माफिया रैयत के वंशजों को लालच देकर जमीन को अपने नाम करवाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह जमीन समाज की सेवा के लिए दी गई थी। इंदिरा क्लब की स्थापना 1969 में हुई थी और इंदिरा क्लब वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। क्लब की जमीन को लेकर 1981 में न्यायालय ने भी क्लब के पक्ष में निर्णय दिया था। ग्रामीणों ने बताया कि भू-माफियाओं ने क्लब के मुख्य गेट पर ताला भी जड़ दिया है। जिससे आम लोग अंदर नहीं जा पा रहे हैं। यह स्थान पहले गरीबों की शादी, बैठकों और कार्यक्रमों के लिए प्रयोग में लाया जाता था। इस क्लब में कई वर्षों तक भद्रकाली महाविद्यालय का संचालन भी किया गया है। ज्ञापन देने वालों में समाजसेवी देवकुमार सिंह, कैलाश सिंह, टुन्नी सिंह, पंकज सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

चतरा उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से सुनीं आमजनों की समस्याएं, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : शुक्रवार को जिला मुख्यालय के समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के दौरान जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में प्राप्त मामलों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, शिक्षा विभाग से संबंधित मुद्दे, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, आवास योजनाओं से संबंधित समस्याएं समेत अन्य जनहित के मामले शामिल रहे। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को समयबद्ध समाधान मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक समाहरणालय परिसर में उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहते हैं, जिससे प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

रक्षाबंधन पर बहनों को झारखंड सरकार का उपहारः 3 लाख 53 हजार 199 बहनों को मिली जुलाई महीने की सम्मान राशि

धनबादः राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जुलाई 2025 में धनबाद जिले की कुल 3,53,199 बहनों को सम्मान राशि (2500 रुपए प्रति लाभुक) का सीधे उनके बैंक खातों में आधार-बेस्ड भुगतान कर दिया गया है। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने बताया कि इसमें कुल 88 करोड़ 29 लाख 97 हजार 500 रूपये की राशि अंतरण की गई है। साथ ही योजना अंतर्गत जिला के लाभुकों को जून महीने में सम्मान राशि का भी भुगतान किया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी और सम्मानित जीवन देने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत लाभुक महिलाओं को हर माह 2500 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाती है।

प्रखंड एवं शहरी क्षेत्र के लाभुकों की संख्या जुलाई 2025 माह के लिए निम्न इस प्रकार हैं

प्रखण्ड कार्यालय, बाघमारा -46032,अंचल कार्यालय, बाघमारा - 7395, प्रखण्ड कार्यालय, बलियापुर - 21917, अंचल कार्यालय बलियापुर - 1159,प्रखण्ड कार्यालय, धनबाद - 7237,अंचल कार्यालय, धनबाद - 35011 प्रखण्ड कार्यालय, एग्यारकुण्ड - 16904 अंचल कार्यालय, एग्यारकुण्ड - 5251 प्रखण्ड कार्यालय, गोविन्दपुर - 50976 अंचल कार्यालय, गोविन्दपुर - 848 अंचल कार्यालय, झरिया - 44733 प्रखण्ड कार्यालय, कलियासोल - 20123 प्रखण्ड कार्यालय, निरसा - 24272 प्रखण्ड कार्यालय, पूर्वी टुण्डी - 9860 अंचल कार्यालय, पुटकी - 17792 प्रखण्ड कार्यालय, तोपचाँची - 26976 प्रखण्ड कार्यालय, टुण्डी - 16713 कुल लाभुकों की संख्या 3,53,199 कुल राशि 88,29,97,500.

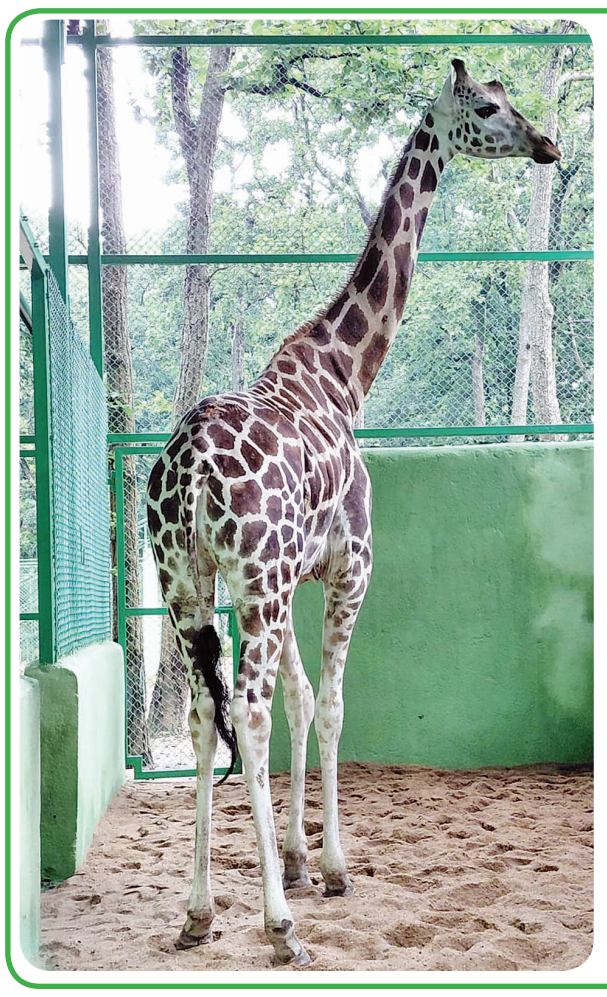

ओरमांझी बिरसा जैविक उद्यान में मिस्टी नामक नया मेहमान मादा जिराफ आया

जिराफ को सैलानियों के लिए जल्द केज में छोड़ा जायेगा, अभी सुरक्षा के लिए क्वॉरेंटाइन में है

ओरमांझी(मोहसीन): ओरमांझी स्थित बिरसा जैविक उद्यान में बृहस्पतिवार की रात अलीपुर कोलकाता से वन्यजीव आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत ओरमांझी में एक मादा उत्तरी जिराफ और सिल्वर फीजेंट का जोड़ा लाया गया। मादा जिराफ का नाम 'मिस्टी' है,जिसकी उम्र 6 साल है।जिराफ का औसत जीवनकाल चिड़ियाघरों में 19 से 20 वर्ष और प्राकृतिक आवास में 17 से 18 वर्ष तक होता है। मालूम हो की उत्तरी जिराफ मुख्यतःअफ्रीका के पूर्वी और मध्य भागों जैसे केन्या,दक्षिण सूडान,चाड,नाइजर और मध्य अफ्रीकी गणराज्य के कुछ संरक्षित क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह शाकाहारी प्राणी है और चिड़ियाघरों में इन्हें विभिन्न वृक्षों की पत्तियां और घास खिलाई जाती हैं। जैविक उद्यान के निदेशक जब्बर सिंह ने बताया कि सफलतापूर्वक जिराफ को लाया गया है। उन्होंने कहा कि अगले चरण में एक और नर जिराफ को भी यहाँ लाया जाएगा। 'मिस्टी' की ऊंचाई 12 फीट से अधिक है,जिसके लिए 14 फीट ऊंचा विशेष बाड़ा तैयार किया गया। निम्न-तल ट्रेलर में लादने के बाद भी इसकी ऊंचाई जमीन से 16-17 फीट रही,जिसके चलते कोलकाता सेओरमांझी तक करीब 24 घंटे का सफर तय करना पड़ा। जिराफ के आगमन और सुरक्षित उतारने के समय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखंड, परितोष उपाध्याय भी मौजूद रहे और 'मिस्टी' को नाइट शेल्टर में ले जाने की प्रक्रिया में शामिल हुए। इस सफलता में जैविक उद्यान के सहायक वन संरक्षक, पशु चिकित्सक दल,वन क्षेत्र पदाधिकारी,जीवविज्ञानी, वनरक्षी, चिड़ियाघर के कर्मचारी और अलीपुर प्राणी उद्यान के कर्मचारियों का अहम योगदान रहा। आदान-प्रदान समझौते के तहत अलीपुर प्राणी उद्यान से मादा जिराफ और सिल्वर फीजेंट प्राप्त करने के बदले भगवान बिरसा जैविक उद्यान की ओर से फिलहाल शुतुरमुर्ग भेजा जा रहा है।अगले चरण में स्वीकृत अन्य जीव दरियाई घोड़ा,हिमालयन काला भालू और घड़ियाल का भी आदान-प्रदान होगा।

चौपारण में तिरंगा यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) :भारतीय जनता पार्टी चौपारण पूर्वी मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह मंडल प्रभारी रमेश ठाकुर उपस्थित रहे। बैठक में तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। रमेश ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत शहीद सैनिक सम्मान समारोह, महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता अभियान और तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। निर्णय लिया गया कि 10 और 12 अगस्त को महात्मा गांधी स्मारक परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में पूर्वी मंडल महामंत्री बालेश्वर साव, अरविन्द सिंह, पूर्वी मंडल उपाध्यक्ष सह मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, उपाध्यक्ष सुनील सिंह, अरविन्द साव, मंत्री कपिलदेव यादव, मुखिया प्रविन सिंह, नागेंद्र पाण्डेय, मनोज दास, विजय साव, देवेंद्र सिंह, राकेश सिंह, आशा देवी सहित अन्य कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद थीं।

आरटीसी कॉलेज दड़दाग में प्रतियोगिता और छात्र विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

कड़ी परिश्रम और लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें मंजिल जरूर मिलेगा- रामटहल चौधरी

ओरमांझी(मोहसीन): राम टहल चौधरी कॉलेज दड़दाग के आईक्यूएससी के तत्वावधान में प्रतियोगिता और छात्र विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर अपना पढ़ाई करें जो आपके लिए प्रगति का रास्ता तय करता है।चाणक्य कोचिंग इंस्टीट्यूट,रांची के अभिनव मिश्रा ने छात्र- छात्राओं को प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं की तैयारी पर टिप्स देते हुए कहा कि आईएएस पीसीएस जैसे बड़े प्रतियोगिता परीक्षा में अनुशासित होकर लगन के साथ लगातार अध्ययन करने से सफलता मिलती है इसके लिए शुरू से ही तैयारी करने की जरूरत है। उन्होने आगे कहा कि लक्ष्य का निर्धारण कर अपने पढ़ाई को समय सीमा के भीतर पूरा करने का छात्र संकल्प लें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ.भीम महतो ने संचालन क्षेत्र के जानेमाने वक्ता और मंच संचालक प्रो.शैलेन्द्र मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएससी के कॉर्डिनेटर प्रो.मीनू कुमारी ने किया।मौके पर पंसस

शशि मिश्रा,प्रो.रीता कुमारी,प्रो.एकबाल अंसारी,प्रो. रामकुमार महतो, प्रो.प्रेमनाथ मुंडा,प्रो.रेणू चौधरी,डॉ. अनुराधा,डॉ.सुमन कुमार,प्रो.कृष्ण कुमार,प्रो.अलका तिर्की,प्रो.आरएल पांडेय,प्रो.टिकेश्वर चौधरी सहित विभिन्न विषयों के शिक्षक- शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

वित्तीय समावेशन योजनाओं से ग्राम स्तर के लोगों को जोड़ने के लिए सेमिनार आयोजित

वित्तीय समावेश से समाज के हर वर्ग को आर्थिक मुख्यधारा से जुड़ना है- एम राजेश्वर राय

ओरमांझी। पंचायत सचिवालय ओरमांझी में शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वित्तीय समावेशन योजनाओं हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर संतर्पित संतृप्ती अभियान के अंतर्गत सेमिनार का आयोजन किया गया. जहां केवाईसी के लिए सभी बैंकों का स्टॉल लगाया गया था,सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक के उप गर्वनर एम राजेश्वर राय शामिल हुए, आयोजित सेमिनार का उद्देश्य जन धन योजना और इन खातों से जुड़ी सुविधाओं के लाभ पाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना है.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी और बताया की भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशों के अनुसार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय समावेशन और संतृप्ति प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक तीन महीने का व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत यह सेमिनार किया गया

हैं।जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग,बीमा और पेंशन जैसी आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना और संबंधित योजनाओं में पात्र नागरिकों को योजना के तहत नामांकित करना है,अभियान के प्रमुख घटकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत मौजूदा निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, उन व्यक्तियों के लिए नए बैंक खाते खोलना,जिनके पास अभी तक खाता नहीं है,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में नामांकन को बढ़ावा देना शामिल हैं.पीएमजेजेबीवाई के अंतर्गत किसी भी कारण से मृत्यु की स्थिति में 436/- रूपये के वार्षिक प्रीमीयम पर 2 लाख रुपये का बीमा कवर उपलब्ध है जबकि पीएमएसबीवाई के अंतर्गत मृत्यु या पूर्ण स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 20/- रूपये के वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर और आंशिक स्थायी दिव्यांगता के मामले में 1 लाख रुपये का बीमा कवर उपलब्ध है।इस कार्यक्रम में औरमांझी मुखिया दीपक बडाईक उप मुखिया संतोष साहू सहित आसपास गाँवो के सैकड़ो लोग शामिल हुए।

सावन पूर्णिमा के अवसर पर भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा भक्ति जागरण एवं भंडारे का आज होगा भव्य आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) पिछले 11 जुलाई से ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर परिसर में अनवरत मां भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा कांवरियों की सेवा के लिए चलाए जा रहे शिविर के अंतिम दिवस सावन पूर्णिमा दिन शनिवार को शिविर समापन के उपलक्ष में भाव भक्ति जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।
विदित हो कि बाबा बैद्यनाथ धाम कांवर यात्रा आरंभ होने के साथ ही मां भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा बाबा धाम की यात्रा पर जाने वाले कांवरियों एवं बाबा धाम की यात्रा कर वापस भद्रकाली मंदिर आने वाले कांवरियों की सेवा में संस्था के अध्यक्ष सूरज कुमार सिंह अपने सेवकों के टीम के साथ लगातार कांवरियों की सेवा में जुटे हुए थे। लोक सेवा भावना से उत्प्रेरित युवकों का समाज के सभी वर्गों ने स्वागत किया और उनके द्वारा किए जा रहे इस पुनीत कार्य में अपनी क्षमता के अनुरूप सहभागिता निभाई। अध्यक्ष सूरज कुमार सिंह ने बताया कि जिन सेवा प्रेमियों का सहयोग इस संस्था के सेवा शिविर को संचालित करने में मिला उनके प्रति में और साथ में हमारी टीम के सभी सदस्य हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। इस सेवा शिविर को संचालित करने में आम जनमानस का जो सहयोग मिला साथ ही साथ जो

प्रेम मिला उसके लिए मां भद्रकाली सेवा संस्था की पूरी टीम हृदय से कृतज्ञ है। अध्यक्ष में बताया कि हमारे टीम के सभी सदस्य लगातार श्रद्धालु कांवरियों की सेवा में तन मन धन से जुटे रहे। मालूम हो कि मां भद्रकाली सेवा संस्था के द्वारा कांवरियों को निशुल्क भोजन, विश्राम एवं चिकित्सा की सुविधा मुहैया कराई जा रही थी। इस दरमियान कांवरियों के भक्ति और आस्था का ध्यान रखते हुए समय-समय पर भक्ति जागरण भी आयोजित किया जाता रहा। 9 अगस्त सावन पूर्णिमा के अवसर पर इस संस्था के द्वारा संचालित सेवा शिविर का समापन कार्यक्रम होना सुनिश्चित किया गया है जिसमें भक्ति जागरण के साथ-साथ भंडारे के महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।
अध्यक्ष सूरज कुमार सिंह ने तमाम श्रद्धालुओं से अपील की है कि इस भक्ति जागरण का साक्षी बनते हुए भंडारे का महाप्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन गरीबों शोषितों लाचारों के मसीहा थे- नौशाद अंसारी

ओरमांझी(मोहसीन): झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रॉयल्स मोटर्स शोरूम इरबा के डायरेक्टर सह युवा समाजसेवी नौशाद अंसारी ने बताया की शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए.उनके साथ जीवन में कई परेशानियां आयी परंतु उन्होंने कभी हार नहीं मानी और हमेशा झारखंड के शोषित,वंचित लोगों के लिए आंदोलन करते रहे. झारखंड के महान जननायक दिशोम गुरु के बिना झारखंड की कल्पना अधूरी हैं.उनके निधन से झारखंड ने अपना एक मजबूत स्तंभ सह अभिभावक खो दिया है.उन्होंने ही झारखंड अलग राज्य दिलाया,शिबू सोरेन ने पूरे झारखंड राज्य को संवारने सजाने में अपना अहम योगदान दिया,उनके द्वारा झारखण्ड के लिये किये गये त्याग व बलिदान को नहीं बुलाया जा सकता हैं,आज भले ही इस दुनिया में शिबू सोरेन नहीं रहे लेकिन उनकी यादें लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे. शिबू सोरेन करोड़ों दिलों में राज करने वाले महान नेता थे,केंद्र सरकार उनके अच्छे कार्यों को देखते हुए भारत रत्न सम्मान से उन्हें सम्मानित करें।

समाहरणालय, बाँका

(मद्यनिषेध शाखा)

अल्पकालीन आम सूचना

फोन–06424–222304(0), 222303(R)
E-Mail Address-dm-banka.bih@nic.in

एतद् द्वारा निम्नांकित वाहन के स्वामियों को सूचित किया जाता है कि मद्य निषेध अभियान के अन्तर्गत पुलिस के विभिन्न थाना जिला बाँका द्वारा जब्त निम्नांकित वाहनों का बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के सुसंगत प्रावधानों के तहत **अनुमंडल दण्डाधिकारी, बाँका/भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, बाँका** के द्वारा अधिकृत न्यायालयों में राज्यसात का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। यदि वाहन स्वामी प्रपत्र IV आवेदन जमा कर अपना वाहन मुक्त कराना चाहते हो अथवा उन्हें आपत्ति/दावा समर्पित करना हो तो वे अपना पक्ष नीचे कॉलम में अंकित न्यायालय में अंकित तिथि को स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से **अपना पक्ष प्रस्तुत** कर सकते है। निर्धारित अवधि तक वाहनों के संबंध में प्रपत्र IV/दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होता है तो एकपक्षीय आदेश पारित कर दिया जायेगा।

क्र0 सं0	थाना का नाम	कांड सं0/दिनांक	वाहन का प्रकार	वाहन स्वामी का नाम व पता	वहन निबंधन संख्या/इंजन संख्या/चेचिस संख्या	न्यायालय का नाम	उपस्थित होने का दिनांक
1	पंजवारा	53/25, 29.04.25	होण्डा सी0बी0 साईन मोटरसाईकिल	राकेश पंडित, पे0–परमानन्दन पंडित, सा0–बरमसिया, पो0+थाना+जिला–गिरीडीह झारखण्ड 815301	Reg-JH-11AA-3820 Ch-ME4JC65CGKD042118	अनुमंडल पदा0–सह–मद्यनिषेध दण्डा0, बाँका	25.08.25
2	पंजवारा	84/24, 22.07.24	SCOOTY	कामेश्वर साह, पिता–सरयु साह, ग्राम+पो0–घटयारी, थाना–सुन्दरपहाड़, जिला–गोड्डा, झारखंड 814133	Reg-JH17W7900 En-SOE9085649 Ch-MBX0006FFYF024491	तदैव	तदैव
3	सुईया	125/24, 16.12.24	महिन्द्रा SCORPIO	करण किस्कु, पिता–स्व0 जेठा किस्कु, ग्राम–हरिंकोल तजझारी, थाना+जिला–साहिबगंज, झारखंड 816129	Reg-JH04C8580 En-HA94E17630 Ch-MA1TA2HAN92F35390	तदैव	तदैव
4	चान्दन	81/24, 21.01.25	CHEVROLET CAR	ओम शांति कुमार, पिता–राजेन्द्र पंडित, H.NO 258 अभिमन्युनगर, चास बोकारो, A/P bankmore शास्त्रीनगर, थाना+जिला–धनबाद, झारखंड 826001	Reg-JH10CL7768 En-F14D3422824K Ch-MA6TF694M6HE04449	तदैव	तदैव
5	पंजवारा	27/25, 13.03.25	TVS मोटरसाईकल	अज्ञात	Reg-JH17A3390 En+ch- घिसा हुआ	तदैव	तदैव
6	पंजवारा	130/24, 06.11.24	BAJAJ RE COMPACT AUTO	रोहित कुमार राउत, पिता–स्व0 भुवनेश्वर राउत, ग्राम– H.NO 80, थाना+जिला–गोड्डा, झारखंड 814149	Reg-JH15K3646 En-BAZWEE20641 MD2A26AZ9EWE16113	तदैव	तदैव
7	धोरैया	320/24/ 08-09-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17X8179 MD2B64BX0MRE14046 DHXRME78057	भूमिसुधार उपसमाहर्त्ता, बाँका	तदैव
8	धोरैया	355/24/ 22-10-24	कार	अज्ञात	JH10BS6286 MAT626281JKF59877 45REVTRN02FRYK59417	तदैव	तदैव
9	बन्धुवा कुरावा	66/24/ 23-07-24	बोलेरो	अज्ञात	JH04B2374 M1XA2GAK52J18258 GA54J39337	भूमिसुधार उपसमाहर्त्ता, बाँका	25.08.25
10	बन्धुवा कुरावा	81/24/ 19-09-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH04W4085 MBLHAW121MHD58544 HA11EYMHD43187	तदैव	तदैव
11	रजौन	81/22/ 23-02-22	बोलेरो	अज्ञात	JH04T0489 MA1XK2WJXK5M24245 WJK6M76801	तदैव	तदैव
12	बौंसी	183/24/ 10-06-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17G7818 MBLJA06AME9M07076 JA06EJE9M06975	तदैव	तदैव
13	जयपुर	07/25/ 19-01-25	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH15T5748 MD2A11LY1JRC10271 DHYRJC83630	तदैव	तदैव
14	धोरैया	298/24/ 26-08-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17V0764 MBLHAW107L9K17885 HA11EXL9K17491	तदैव	तदैव
15	धोरैया	247/24/ 21-07-24	कार	अज्ञात	JH02J9981 MA3EYD81S01000113 F8DN4198066	तदैव	तदैव
16	धोरैया	117/24/ 06-04- 24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17V1403 MD2B64BX8LRD29521 DHXRLD76620	तदैव	तदैव
17	धोरैया	350/24/ 01-12-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH05BV6768 MBLJAR039H9G15057 JA05EGH9G21443	तदैव	तदैव
18	धोरैया	442/24/ 26-12-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH96U-4048 JA06ERKG613282	तदैव	तदैव
19	धोरैया	170/24/ 24-05-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17A-7548 DUMBMH06204	तदैव	तदैव
20	बौंसी	51/23/ 25-02-23	स्कॉर्पियो	अज्ञात	JH10K4444 MA1TB2BSL62D70583 BS64C20011	तदैव	तदैव
21	धनकुण्ड	77/24/ 24-07-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH17W7058 MBLJAW140MHB23488 JA06EWMHB29681	तदैव	तदैव
22	जयपुर	62/24/ 13-07-24	मोटरसाईकिल	अज्ञात	JH04AB3487 ME4JC85JDRD216736 JC85ED3313155	तदैव	तदैव

PR- 010966 (Excise) 2025-26

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

समाहर्त्ता, बाँका

संक्षिप्त खबरें...

मधुबनी में नाबालिग के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

मधुबनी. मधुबनी के बिस्फी थाना पुलिस ने 9 साल से फरार चल रहे पॉक्सो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। भरन टोल गांव निवासी हरियर पर 2016 में नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। तब से वह लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार था। थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि मामले में कई बार गिरफ्तारी की कोशिश की गई, लेकिन हर बार आरोपी भाग निकलता था। इस बार गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने उसे उसके ही गांव से दबोच लिया। कागजी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

किशनगंज के नदी में मिली होटल कर्मचारी की लाश

किशनगंज (बिहार). किशनगंज में शुक्रवार दोपहर नदी से एक होटल कर्मचारी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव गनधर्वडांगा थाना क्षेत्र के इकरा मुशहरी वार्ड नंबर 7 में दुर्गा मंदिर के पीछे मिला। खबर लगते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए किशनगंज सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान फिरोज आलम (20) पिता रमजान अली, निवासी सुखानदिघी गांव के रूप में हुई। वह एक स्थानीय होटल में काम करता था और पिछले दो दिनों से लापता था।

गयाजी में सड़क किनारे मिला शख्स का शव

गया. गयाजी के फतेहपुर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक शख्स का शव मिला है। गाल पर ब्लैक धब्बा और सिर पर गहरी चोट के निशान हैं। लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी हत्या की पुष्टि नहीं की गई है। शव मिलने की सूचना पर फतेहपुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक की पहचान गनीपिपरा गांव निवासी फुलौड़ी यादव(55) के तौर पर हुई है। घटना चरोखरी पंचायत के ढुब्बा गांव के पास की है।

दरभंगा में दादा-पोता समेत 3 की मौत

दरभंगा. दरभंगा में गुरुवार देर रात को अलग-अलग जगहों पर तीन सड़क हादसा हुआ। इन घटनाओं में दादा-पोते समेत दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी हादसों की वजह तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन चालक बताए जा रहे हैं। जाले थाना क्षेत्र क्षेत्र एसएच-97 पर अतरबेल के पास पकटोला आईटीआई के पास गुरुवार देर शाम एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। बाइक पर सवार 72 साल के राम शरण शर्मा (पिता- स्व. सोमन शर्मा), निवासी - बिहारी गांव, राढ़ी दक्षिणी पंचायत, अपने पोते के साथ जाले बाजार से खरीदारी कर घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम शरण शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पोता गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे जाले थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने घायल को जाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

चोरी करने पहुंचा था, लोगों ने पेड़ से बांधकर पीटा

जमुई. जमुई के टाउन थाना क्षेत्र के सतगामा में एक चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पेड़ से बांध दिया और जमकर पिटाई की। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी की पहचान सतगामा निवासी जागेश्वर प्रसाद का बेटा नीरज कुमार (35) के रूप में हुई है। पीड़ित श्रवण कुमार ने बताया कि उसका ट्रैक्टर घर के पास खड़ा था। 3 अगस्त को ट्रैक्टर से 2 बैटरी चोरी हो गई थी। इससे पहले भी 3 बार उसके ट्रैक्टर से सामान चोरी हुआ था। चोरी करते हुए आरोपी का फोटो पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया था। शुक्रवार को जब वह फिर चोरी करने पहुंचा, तो सीसीटीवी फुटेज से उसकी पहचान कर ली गई। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पेड़ से बांध दिया और पिटाई कर दी। आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि उसने चौथी बार चोरी करने की कोशिश की थी। घटना की जानकारी मिलने पर आरोपी के पिता मौके पर पहुंचे और उसकी पहचान की पुष्टि की। इस बीच टाउन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और बंधक बनाए गए चोर को छुड़ाकर थाने ले गई। ट्रैक्टर मालिक श्रवण कुमार ने पुलिस को आवेदन दिया है। टाउन थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समस्तीपुर में महिला टीचर की संदिग्ध मौत

समस्तीपुर. समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में महिला टीचर की मौत हो गई। कमरे में फंदे से झूलता हुआ शव मिला है। अभी तक शादी नहीं हुई थी। परिवार से दूर किराए के कमरे में अकेली रहती थी। घटना उजियारपुर थाना क्षेत्र की है। मृतका की पहचान विद्यापति नगर के मऊ बाजितपुर निवासी अरविंद कुमार शर्मा की पुत्री डोली कुमारी(25) के तौर पर हुई है। पिछले डेढ़ साल से प्राथमिक विद्यालय नाजीरपुर वार्ड 3 में तैनात थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

शेखपुरा में चलती गाड़ी से गिरकर कांवरिया की मौत

शेखपुरा. शेखपुरा-शाहपुर मुख्य सड़क रोड पर पिछले रविवार रात एक सड़क हादसा हुई थी। इस हादसे में मृत अज्ञात कावड़िया की पहचान 5 दिन बाद हो गई है। मृतक उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के वीरपुर मिश्र गांव निवासी नागेंद्र शर्मा (50) थे। ट्रैफिक थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर सदाशिव साह ने बताया कि 3 अगस्त की रात देवघर से राजगीर लौटते समय कुसुंभा थाना क्षेत्र के बगहिया मोड़ के पास कावड़ियों से भरे मैजिक वाहन से गिरने पर नागेंद्र शर्मा की मौत हो गई थी।

भागलपुर में बिजली विभाग के स्टाफ की मौत

भागलपुर. भागलपुर में करंट लगने से बिजली विभाग के स्टाफ की मौत हो गई। पोल पर चढ़कर काम करने के दौरान हादसा हुआ है। मृतक मो. सेराज पश्चिम के मालदा जिले का रहने वाला था। घटना जीरो माइल थाना क्षेत्र के ज्योति बिहार कॉलोनी स्थित सब डिवीजन के पास की है। मृतक के दोस्त मोहम्मद बबलू ने बताया कि सेराज पोल पर काम कर रहा था। अचानक उसे झटका लगा। सीधे जमीन पर गिर पड़ा। आनन-फानन में मौके पर मौजूद उसे उठाकर जवाहर लाल नेहरू कॉलेज सह अस्पताल लेकर गए। जहां नब्ज देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'बिहार में बीजेपी नेता लालू से ज्यादा भ्रष्ट', प्रशांत किशोर का जायसवाल और मंगल पांडेय पर गंभीर आरोप

पटना । जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बिहार के स्वास्थ्य विभाग में गंभीर अनियमितताओं का दावा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेता राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से अधिक भ्रष्ट हैं।

सीतामढ़ी, सहरसा, किशनगंज, मधुबनी और बगहा में मूसलाधार बारिशः सुल्तानगंज में उफान पर गंगा, दुकानें डूबीं, नाव चल रही

पटना. बिहार में मानसून मजबूत स्थिति में है। गोपालगंज-शेखपुरा और बेतिया में तेज बारिश शुरू हो गई है। पटना समेत कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी है। वहीं, पटना समेत बाकी के 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। अगले 24 घंटों के दौरान तेज हवा, आकाशीय बिजली और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटे में प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। इधर, पटना, मुंगेर में अब भी गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। मुंगेर के चंडिका स्थान मंदिर में 6 फीट तक गंगा का पानी भरा है। जिसके बाद मंदिर का बंद कर दिया गया है। वहीं, बेगूसराय में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। जिले में 118 स्कूल अगले आदेश तक बंद किए गए हैं। इधर, खगड़िया में 32 और वैशाली में भी 80 स्कूल बंद किए गए हैं। बक्सर के स्टेट हाईवे पर गंगा का पानी सड़क पर बह रहा है। हालात ऐसे हैं कि सड़क पर नाव चलानी पड़ रही। इस दौरान बक्सर-मोहनिया स्टेट हाईवे के पास सवारियों से भरी नाव डूबने से बच गई। नाव चालक प्रशासन की अनुमति के बिना नाव पर बाइक लोड सड़क पार करा रहा था। थोड़ी दूर जाते ही नाव पूरी तरह गंगा में डूब गई। लोग किसी तरह बाइक के साथ बाहर निकले। मौसम विभाग के अनुसार, अब तक बिहार में 27% कम बारिश हुई है। पूरे राज्य में इस समय तक लगभग 560.4 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 409.9 मिमी ही दर्ज की गई है।

किशनगंज : कनकई नदी में समाया कब्रिस्तान, आधा दर्जन घर विलीन

किशनगंज. किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड के पत्थरघट्टी पंचायत के बालुबारी गांव के पास शुक्रवार को कनकई नदी का कटाव से करीब आधा दर्जन परिवारों का घर नदी में विलीन हो गया है। वहीं पिछले दो दिनों से जारी नदी कटाव में कब्रिस्तान, सहित दर्जनों एकड़ बसोबास कि भूमि नदी में समा चुका है। नदी कटाव लगातार जारी है। बाबजूद अबतक किसी भी प्रकार का कटावरोधी कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। शुक्रवार को जारी तेज कटाव के डर से बालुबारी गांव के दर्जनों घरों पर लगातार कटाव का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में गांव के करीब डेढ़ दर्जन से अधिक परिवार अपने हाथों से हीं अपने घरों को तोड़ कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे हैं। वर्षों से तिनका-तिनका जोड़कर अपने घर को संजोने के बाद जब उसे अपने हीं हाथों उजाड़कर कहीं विस्थापितों कि जिंदगी जीने के लिए

जाना परे तो इसका दर्द कितना अधिक होता है यह एकबार फिर से शुक्रवार को पत्थरघट्टी पंचायत के बालुबारी गांव में देखने को मिला। जब गांव के ही तमसुद्दीन, सफीक, मोहम्मद गुनी,जाकीर हुसैन, सत्तार ,मोहम्मद आलम सहित दर्जनों लोग कनकई नदी के कहर से बचने के लिए एक एक कर अपने घर को तोड़कर विस्थापित हो रहे थे। जबकि पास खड़े अमीर हुसैन और समीरूद्दीन को तो घर को हटाने का भी समय नहीं मिला और देखते हीं देखते उनका सबकुछ नदी में समा गया। लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार को जब अचानक से कनकई नदी ने बालुबारी गांव के पूर्वी छोड़ पर कटाव तेज कर दिया तो लोगों को समझ में आने लगा था कि कनकई नदी के निशाने पर इसबार -बालुबारी गांव आ गया है और आननफानन में लोगों ने सभी संबंधित पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से अविलंब मदद की गुहार लगाई । लेकिन किसी ने भी समय रहते बालुबारी गांव कि सुध नहीं ली और देखते हीं देखते केवल दो दिनो के अंदर आधे दर्जन घर, दर्जनों एकड़ कृषि भूमि,सैकड़ों कि संख्या में पेड़ पौधे सहित करीब दश कट्ठे में फैला गांव का एक मात्र कब्रिस्तान कनकई नदी में समा चुका है और अब बारी शेष बचे लोगों के भिट्टाबाड़ी का है। लोग अपने अपने समानों को लेकर सुरक्षित स्थानों पर जाने को विवश हैं। नदी के रूख को देखते हुए दो दिन पहले हीं हिन्दुस्तान अखबार ने बालुबारी गांव के पास तेज कटाव होने को लेकर आशंका जताया था। लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी किसी वरीय पदाधिकारी या जल निस्सरण विभाग ने बालुबारी पत्थरघट्टी का खोज खबर तक नहीं लिया। नतीजा सामने है और समय रहते जब कटावरोधी कार्य नहीं किया जाय तो विस्थापन लोगों कि मजबूरी बन जाती है। इसबार भी यही हुआ है। शुक्रवार को लोगों द्वारा त्राहिमाम खबर भेजने के बाद अंचलाधिकारी दिघलबैंक द्वारा संबंधित पंचायत के राजस्व कर्मी को मौके पर भेजा गया है और वे विस्थापितों व प्रभावितों कि सूची बना रहे हैं।

इधर, औरंगाबाद में जलजमाव के विरोध में 2 घंटे रोड जाम

औरंगाबाद में बारिश के बाद लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई मोहल्लों में बारिश का पानी भरा हुआ है। जिससे बीमारियों के फैलने का भी खतरा बना बना हुआ है। नगर परिषद क्षेत्र के शाहपुर, यमुनानगर, कामा बिगहा, अंबेडकर नगर, मिनी बीघा, हसौली, जसोईया समेत कई इलाकों में जलजमाव है। सड़क पर नाली का गंदा पानी बह रहा है। विरोध में शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने कामा बिगहा के पास नेशनल हाइवे-19 को करीब 2 घंटे तक जाम रखा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही मौके पर नगर थाना पुलिस पहुंची। आश्वासन देने के बाद भी आक्रोशित लोग सड़क से हटने को तैयार नहीं थे। स्थानीय सत्येंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, नीरज कुमार, सुबोध कुमार ने कहा कि पिछले 10 दिनों से दर्जनों घरों में बारिश का पानी घुसा हुआ है। निकास का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। वार्ड नंबर-14 और 27 स्थित अंबेडकर नगर की हालत और भी खराब है। इस मोहल्ले के 50 से अधिक घर पानी में डूबे हैं। आने-जाने के रास्ते पर 2 फीट पानी जमा है। मोहल्ले वासियों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का दरवाजा खटखटाया लेकिन उन्हें समस्या से निजात नहीं मिल सका।

गया एसपी ऑफिस के दरोगा ने किया सुसाइड

गया. गया में शुक्रवार की सुबह दरोगा अनुज कश्यप ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। अनुज एसपी आवास से सिर्फ 300 मीटर दूर किराए के मकान में रहते थे। अनुज 2019 बैच के दरोगा थे। उन्हें 2022-23 में गया जिले में पोस्टिंग मिली थी। वर्तमान में वो एसपी ऑफिस के मीडिया सेल में तैनात थे। अनुज मूल रूप से सहरसा जिले के बनगांव थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। बुधवार की रात वो देर रात कमरे पर लौटे थे। सुबह मीडिया सेल के कर्मियों ने उन्हें फोन किया तो कॉल रिसीव नहीं हुआ। 9 बजे पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मकान मालिक से सीढ़ी मंगवाकर वेंटिलेटर से झांका तो अनुज फंदे से लटका दिखा। फिर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और सीनियर अधिकारी को मामले की सूचना दी। मृतक दरोगा के ममेरे भाई सुमन रंजन पटना से गया पहुंचे। उनकी उपस्थिति में मृतक की डेड बॉडी को फंदे से नीचे उतारा गया। बॉडी पंखे से झूल रही थी। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को रामपुर थाने की पुलिस ने कब्जे में लिया और कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए डेड बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल एम्बुलेंस

से भेजा गया। सुमन रंजन ने बताया कि उनका उनका भाई अनुज कश्यप बचपन से ही सीधा था। उसका पत्नी से भी अच्छा संबंध था। घर में भी सब कुछ ठीक था। बावजूद उसने ऐसा क्यों किया, ये समझ से परे है। हाल ही में बात हुई थी। अक्सर दो से तीन दिनों में बातचीत होती थी। सब कुछ ठीक था। पुलिस जांच कर रही है। मृतक के घर वाले रास्ते में हैं। वे सहरसा से आ रहे हैं।

पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची

रामपुर थाना प्रभारी दिनेश बहादुर ने बताया कि FSL टीम को मौके पर बुलाया गया है। अभी तक बॉडी को फंदे से नीचे नहीं उतारा गया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई है। उनके आने के बाद ही शव को नीचे उतारा जाएगा। हालांकि, पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुट गई है।

अनुज की शादी दो साल पहले हुई थी। पत्नी इस समय दिल्ली में है और पांच महीने की प्रेग्नेंट है। बताया जा रहा है कि वो दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रही है। सुसाइड की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की से जांच कर रही है। मृतक दरोगा पिता भावनाथ मिश्रा है। वो गांव में रहकर मछली का कारोबार करते हैं। मृतक दो भाइयों में छोटे थे। बड़ा भाई मिथुन मिश्र घर पर ही रहते हैं। अनुज की मां की मौत 2002 में ही हो चुकी है। साल 2022 में पहली पोस्टिंग गया के इमामगंज थाने में हुई थी।

इधर, भाइयों से तंग आकर छपरा के जवान ने की आत्महत्या

छपरा के जवान जितेंद्र सिंह ने ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वे गोरखपुर एयरपोर्ट पर रनवे की सुरक्षा में डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स के रूप में तैनात थे। जवान ने सर्विस राइफल (एके-103) से खुद के पेट में गोली मारी। वारदात का पता उस वक्त चला, जब रिलीवर ड्यूटी करने पहुंचा। देखा तो जवान की लाश खून से लथपथ रनवे पर पड़ी मिली।

इसके बाद पुलिस बुलाई गई। पुलिस को शव के बगल में सुसाइड नोट मिला, जिसमें लिखा था- मैं अपने भाइयों से तंग आ चुका हूं, फर्जी केस ने जीना मुश्किल कर दिया है। अब बर्दाश्त नहीं होता। इस दर्द के साथ अब जीना कठिन हो रहा है। इसलिए जीवन को विराम दे रहा हूं। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना का समय पता चल सके। घटना बुधवार देर रात की है। ग्रामीणों का कहना है कि वह पिछले रविवार को छुट्टी बिताकर ड्यूटी पर लौटे थे। संभवत वे मानसिक या पारिवारिक तनाव में थे। उनका कहना है कि जितेंद्र मिलनसार और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी असामयिक मौत से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरा गांव सदमे में है।

कटिहार में पिता-बेटे को पेट्रोल छिड़कर जिंदा जलायाः आग बुझाने को जमीन पर लेटता रहा मासूम, मौत

कटिहार. कटिहार में रास्ते के विवाद में बेटा और पिता पर पेट्रोल डाल कर जिंदा जला दिया गया है। इस घटना में बेटे की मौत हो गई है। मृतक की पहचान सुनील कुमार(12) के रूप में हुई है। पिता राम कल्याण मंडल 70% झुलस चुके हैं। उन्हें भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार रात की कदवा थाना इलाके के कुर्सेल पंचायत के कचौरा गांव की है। मृतक के चाचा सतीश कुमार मंडल ने बताया कि, आवाज सुनकर जब हमलोग उठे तो देखा का पूरे आंगन में आग फैली है। बिछावन से उठकर बाहर निकले तो सुनील दरवाजे पर जलता दिखा। वो रो रहा था, दर्द में चिल्ला रहा था। साथ ही, आग बुझाने के लिए अपने शरीर को जमीन पर रगड़कर रहा था। उन्होंने बताया कि पहले मैं अपने भाई के ई-रिकशा पर भतीजे को बैठाया। इतने में घर वाले बोले वो भी जाएंगे। इसके बाद मैं सुनील को बाइक पर बैठाकर अस्पताल के लिए निकला। रास्ते में सुनील ने बताया कि, पापा ने आग लगाने वाले को देखा है। सतीश ने बताया कि, मेरा भाई ई-रिक्शा चलाता है। कुछ दिन पहले गांव के लोगों से रास्ते को लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि रात में कई बार फोन कर प्रशासन को बुलाया गया, लेकिन पुलिस ने हर बार यहीं बोला कि FIR दर्ज करवाइए उसके बाद आएंगे। मृतक के मौसेरे भाई ने बताया कि, रात के डेढ़ बजे लगभग 2 लीटर पेट्रोल छिड़ककर पिता-बेटे को जला दिया गया। उन्होंने गांव के घनश्याम पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ दिन पहले रास्ते को लेकर विवाद हुआ था। उसने जान से मारने की धमकी भी दी थी।

अररिया में बेकाबू कार ने बुजुर्ग को रौंदा, मौत

अररिया. अररिया में जीतू चौक भगवानपुर के समीप बीती शाम एक दुखद सड़क हादसा हुआ। सड़क किनारे खड़ा उमेश प्रसाद साह (55) को एक बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अररिया सदर प्रखंड के रामपुर बुद्धेश्वरी गांव वार्ड संख्या 10 का निवासी था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उमेश साह सड़क के किनारे मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी तेज रफ्तार में आ रहे एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोग और परिजन तुरंत उन्हें सदर अस्पताल अररिया ले गए। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस खबर से परिजनों के बीच कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के भांजे ने बताया कि यह घटना गुरुवार को शाम 7 बजे के करीब हुई।

शादी से पहले मंगेतर संग किया सेक्स, वीडियो किया वायरल; युवक पर होने वाली सास ने किया एफआईआर

बेतिया. बिहार के पश्चिम चंपारण में एक लड़के ने ऐसा काम कर दिया कि शादी से पहले ही होने वाली सास ने उसे जेल भेजने की तैयारी कर दी है। महिला के बयान पर युवक पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। आरोपी युवक फरार है जबकि पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। मामला मटियारिया के एक गाँव का है। जानकारी के मुताबिक शादी तय होने के बाद भावी दुल्हा ने होने वाली पत्नी से शारीरिक संबंध बनाने का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। पीड़ित लड़की की मां ने मटियरिया थाना में भावी दामाद विश्वजीत कुमार पर एफआईआर दर्ज कराई है। लड़की की मां ने एफआईआर में बताया है कि उसने अपनी 17 वर्षीय पुत्री की शादी एक वर्ष पहले विश्वजीत कुमार से तय की। शादी वर्ष 2025 में छठ पर्व के बाद होना निश्चित हुआ। शादी तय होने के बाद विश्वजीत कुमार अक्सर उनके यहा आता जाता था। उनकी बेटी से बात करता था। मना करने पर शादी न करने की धमकी देता था। आरोपी उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर कर ले गया और एक दिन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। आरोपी ने चोरी छिपे मोबाइल से वीडियो बना लिया। इसके बाद 31 जुलाई की सुबह उनकी बेटी का नग्न वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित कर दिया। लड़की के परिजनों ने इसकी शिकायत अभियुक्त के परिवार वालों से किया तो उसके घर वाले बोले कि वे लोग खुद उसकी हरकत से परेशान है।

दोबारा वीडियो वायरल किया

इसी बीच पांच अगस्त को आरोपित ने दोबारा वीडियो को वायरल कर दिया। नरकटियागंज एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि लड़की की मां की शिकायत पर छह अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई है। मटियरिया थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा है कि आरोपी के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल वह फरार है। पुलिस तलाश कर रही है।

मुजफ्फरपुर के थाना परिसर में प्रेमी जोड़े की शादी

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र में प्रेमी जोड़े की गुरुवार को शादी थाने में हुई है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। जो वायरल हो रहा है। दो सालों तक चले प्रेम संबंध के बाद युवती की शादी की उम्मीद टूट गई थी। तो उसने सीधे प्रेमी के घर पहुंचकर साथ रहने की जिद कर दी। मामला थाने तक पहुंचा और फिर वहीं पर शादी करवाई गई है। गायघाट के ब्रह्मोतरा गांव निवासी दीपक कुमार और पियर थाना क्षेत्र की एक युवती के बीच बीते दो साल से प्रेम संबंध था। युवती का आरोप है कि दीपक ने उसे शादी का झांसा दिया, शारीरिक संबंध बनाए और उसके आधार कार्ड व वोटर आईडी में पति के रूप में अपना नाम भी दर्ज करा लिया।

मगर जब बात शादी की आई, तो दीपक मुकरने लगा। मंगलवार को युवती दीपक के घर पहुंच गई और साफ शब्दों में कह दिया कि अब वह उसी के साथ रहेगी। परिजनों ने जब विरोध किया तो बात थाने तक जा पहुंची। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को थाने ले आई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच गायघाट थाना परिसर में घंटों बहस और गहमागहमी का माहौल बना रहा। युवती ने साफ कहा कि अब वह सिर्फ दीपक के साथ ही रहेगी। स्थिति को बिगड़ने से रोकने और मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने दोनों परिवारों से बात की। युवती के परिजनों ने शादी के लिए सहमति दी। लड़के पक्ष ने भी दबाव में आकर हामी भर दी। गुरुवार शाम गायघाट थाना परिसर स्थित मंदिर में पुलिस की मौजूदगी में दीपक कुमार और युवती की शादी कराई गई। विवाह की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया। थानाध्यक्ष उमाकांत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि "परिजनों की रजामंदी और युवती की स्पष्ट इच्छा के बाद थाना परिसर स्थित मंदिर में दोनों की शादी कराई गई। इसके बाद मामला शांत हो गया।"

कड़े कानून, लेकिन न्याय अभी बाकीः राज्यस्तरीय परामर्श में बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई पर जोर

पटनाः बचाव और अभियोजन के बीच की चौंकाने वाली खाई बच्चों के खिलाफ अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने में एक बड़ी बाधा बनी हुई है और अक्सर बच्चे इस खाई में फंस कर बाल श्रम, ट्रैफिकिंग, बाल विवाह तथा यौन शोषण जैसी स्थितियों में घिर जाते हैं। पटना में 'भारत में मानव दुर्व्यापारः समन्वय और रोकथाम तंत्र को मजबूत करना' विषय पर राज्यस्तरीय परामर्श बैठक में बच्चों की ट्रैफिकिंग एवं अन्य बाल अपराधों से निपटने के लिए बेहतर समन्वय, जवाबदेही और रोकथाम रणनीतियों की तात्कालिक आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। यह परामर्श 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की ओर से बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित किया गया।

बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के

लिए 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का देश का सबसे बड़ा नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) 418 जिलों में काम कर कर रहा है। जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठनों की मदद से देशभर में 1 अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2025 के बीच 56,242 बच्चों को ट्रैफिकिंग गिरोहों के चंगुल से मुक्त कराया और ट्रैफिकर्स के खिलाफ 38,353 से अधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू की। बिहार में जेआरसी के 35 सहयोगी संगठन राज्य के सभी 38 जिलों में सक्रिय हैं। इन संगठनों ने 2023 से अब तक 4991 बच्चों को बाल श्रम व ट्रैफिकिंग गिरोहों के चंगुल से मुक्त कराया और 21,485 बाल विवाह रोके और रुकवाए। साथ ही, 6510 मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य हुलेश मांझी ने बच्चों के विरुद्ध अपराधों से निपटने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर बल देते हुए कहा, "हमें एक समाज के रूप में बच्चों के खिलाफ हो रहे किसी भी प्रकार के अत्याचार की सूचना देनी चाहिए। बहुत से कमजोर और असुरक्षित बच्चे हमारे सामने शोषण का शिकार होते हैं, लेकिन हम इसे अनदेखा कर देते हैं। यह रवैया अब बदलना चाहिए, क्योंकि बच्चों को बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।"

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव शिल्पी सोनिराज ने परामर्श बैठक में कहा, "हमें ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ देखने की आवश्यकता है। समय की मांग केवल न्याय ही नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण पुनर्वास भी है ताकि जिन बच्चों के साथ अन्याय हुआ है, उन्हें न्याय के साथ-साथ वह देखभाल और गरिमा मिल सके, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।"

बिहार पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कमजोर वर्ग) डॉ. अमित कुमार जैन ने कहा, "ह्यूमन ट्रैफिकिंग से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। हम अभी भी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने से बहुत पीछे हैं। अधिकांश अभियान नागरिक समाज संगठनों से मिली सूचनाओं पर ही आधारित होते हैं। यह सहयोग अमूल्य है, परंतु अब समय आ गया है कि इस पारिस्थितिकी तंत्र के सभी घटक सक्रिय हों और समयबद्ध तथा उपयोगी सूचनाओं के लेन-देन में अपनी भूमिका निभाएं।"

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने भारत में ट्रैफिकिंग की रोकथाम के लिए कानूनी ढांचे की सराहना करते हुए कहा, "भारत सरकार ने देश में ट्रैफिकिंग विरोधी कानूनों को सुदृढ़ किया है और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)) के तहत कई महत्वपूर्ण प्रावधान और प्रक्रियाएं जोड़ी हैं। अब आवश्यकता इन कानूनों का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन की है जिसके लिए सभी स्तरों पर सभी पक्षों की समन्वित कार्रवाई जरूरी है। ट्रैफिकिंग एक संगठित अपराध है, और हमें इसे इसी दृष्टिकोण से देखना होगा। यदि हम बाल दुर्व्यापारियों यानी बच्चों की ट्रैफिकिंग करने वाले गिरोहों से आगे रहना चाहते हैं तो समयबद्ध सुनवाई, लापता बच्चों के मामलों में त्वरित कार्रवाई, सभी हितधारकों का क्षमता निर्माण और मजबूत अभियोजन तंत्र अनिवार्य हैं।"

इस परामर्श में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख अधिकारियों में बिहार सरकार के संयुक्त श्रम आयुक्त विजय कुमार, बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व अध्यक्ष निशा झा, बीएसएलएसए की रजिस्ट्रार अनुपमा, वरिष्ठ अधिवक्ता के. डी. मिश्रा, समाजसेवी व पद्मश्री से सम्मानित सुधा वर्गीज, अंकिता कश्यप (राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार), पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता वत्सल वर्मा, बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग के पूर्व सलाहकार सुनील झा, डीएसपी, आर्थिक अपराध शाखा एवं साइबर क्राइम धीरेंद्र और जेआरसी के सहयोगी संगठन मौजूद थे।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने भारत में मानव दुर्व्यापार से जुड़े मौजूदा कानूनी और नीतिगत ढांचे की समीक्षा की और आह्वान किया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों, न्यायपालिका, सरकारी विभागों और सिविल सोसाइटी के बीच ठोस समन्वय स्थापित हो ताकि कानून पर अमल, पीड़ितों की मदद और विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग में आने वाली चुनौतियों से पार पाया जा सके। उन्होंने बच्चों की ट्रैफिकिंग के उन्मूलन की दिशा में समयबद्ध कार्ययोजना बनाए जाने की भी सिफारिश की।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रक्षाबंधन : शक्ति स्वरूपिणी के प्रत्यय का उत्सव

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है पवित्र राखी पूर्णिमा या रक्षाबंधन। यह पर्व सुरक्षा प्रदान करने वाले एक निर्मल बंधन का प्रतीक है - रिश्तों की डोर को मजबूत करने का त्योहार। आज यह पर्व भाई-बहन तक सीमित रह गया है, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। इसका दायरा बहुत व्यापक था। पुरुष या महिला, कोई भी व्यक्ति परिवार के सभी सदस्यों को राखी बाँध सकता था। चाहे वह पत्नी हो, कन्या हो या माता - सभी अपने पिता, भाई या पति को इस पवित्र रक्षासूत्र में बाँध सकती थीं, जो संबंधों की डोर को जोड़ता है। व्यक्ति स्वयं भी नकारात्मकता से दूर रहने के लिए रक्षासूत्र धारण करता था। आज बहनें अपने भाइयों की कुशलता और सुरक्षा की कामना करते हुए राखी बाँधती हैं।

लोगों के बीच यह धारणा रही है कि केवल पुरुष ही शक्तिशाली होते हैं। स्त्रियों को अक्सर अबला, दुर्बल या असहाय के रूप में चित्रित किया गया है। यहाँ तक कि समाज के मन में भी यह भ्रम लंबे समय से बना हुआ है। लेकिन इस धारणा को तोड़ना ज़रूरी है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि स्त्रियाँ स्वयं शक्ति स्वरूपा होती हैं और वे अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। केवल शारीरिक बल वाला पुरुष ही सुरक्षा प्रदान कर सकता है, यह सोच गलत है। महिलाएँ अपने आत्मबल से पूरे परिवार की सुरक्षा कर सकती हैं। इसके लिए ज़रूरी है दृढ़ आत्म-विश्वास और अटूट आत्मबल। नारी अपने संकल्प, भावना और आंतरिक गहराई से हर प्रतिकूल परिस्थिति का सामना कर सकती है। वह अपने भीतर छिपे तेज और ओज से शक्तिशालिनी बन जाती है, क्योंकि जो सूक्ष्म है, वही असीम वीरता की धनी होती है।

इच्छा शक्ति, क्रिया शक्ति और ज्ञान शक्ति - ये तीनों ही देवी की स्वरूप हैं। धन की देवी लक्ष्मी, विद्या की अधिष्ठात्री सरस्वती और शक्ति की प्रतीक हैं देवी दुर्गा। स्त्री को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। तमिल में एक कहावत है, "यदि शक्ति नहीं हो, तो शिव भी शव के समान हो जाते हैं।" शक्ति के कारण ही शिव का अस्तित्व है। भारत में प्राचीन काल से ही नारी को शक्ति का आसन देकर सम्मानित किया जाता रहा है। इसीलिए भारतीय संस्कृति में नारी को कभी अबला या दुर्बल नहीं माना गया। इस दृढ़ संकल्प और पवित्र भावना के साथ नारी अपने भाई-बहन, बड़ों-छोटों और समाज की भी सुरक्षा करती है। राखी बाँधकर वह आशीर्वाद और सुरक्षा का विश्वास देती है। यह बंधन सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन जाता है। इसलिए स्त्रियों को कभी खुद को असहाय या कमजोर नहीं समझना चाहिए। उनके भीतर एक दिव्य शक्ति निहित है, जिससे वे न केवल अपनी बल्कि दूसरों की रक्षा करने की भी पूरी क्षमता रखती हैं।

जैसे कोई रस्सी किसी को एक स्थान पर बाँध सकती है और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षा भी देती है, उसी तरह इस संसार के मोह में डूबा हुआ एक छोटा-सा मन भी आपको बाँध सकता है। लेकिन जब यह बंधन ज्ञान के साथ हो, गुरु के साथ हो, सत्य और आत्मविश्वास के साथ हो, तब यही बंधन मुक्ति का द्वार बन जाता है।

हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ समाज और परिवार में मतभेद, तनाव और असहमति आम हो गई है। ऐसी स्थिति में असुरक्षा और भय जन्म लेते हैं। जहाँ परिवार के सदस्य ही एक-दूसरे से छल-कपट और डर में जीते हैं, वहाँ शांति कैसे संभव है ? जब समाज अविश्वास और भय में डूबा हो, तब समरसता और सुखी जीवन दुर्लभ हो जाता है। इसलिए आज के समय में हमें अपने रिश्तों को फिर से जागृत करने की आवश्यकता है। उनमें नवीनता लानी होगी। हमें अपने संबंधों में भरोसे और प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करना होगा। जब दूसरों के प्रति हमारे मन में यह भावना उत्पन्न होगी, "मैं तुम्हारे साथ हूँ", तभी परिवार और समाज सशक्त बनेंगे। समाज के प्रति रक्षाबंधन का यही असली संदेश है, अविश्वास और मनमुटाव को दूर कर, विश्वास और भरोसे की राखी बाँधने का संदेश।

टैरिफ की धमकी देकर उगाही कर रहे हैं ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विश्व व्यापार के मंच पर धमकाने की मुद्रा में हैं। उन्होंने चुनाव के पहिले कहा था । दोबारा राष्ट्रपति बने, तो चीन सहित अन्य देशों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की यह कोई नई रणनीति नहीं है। पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट के नारे के साथ वैश्विक व्यापार में टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। ट्रंप की यह रणनीति विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितनी घातक है, उतनी ही अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों और अमेरिका के नागरिकों के साथ विश्वासघात करने जैसी है। टैरिफ मूलतः किसी देश की घरेलू इकॉनमी को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने का साधन होता है। डोनाल्ड ट्रंप इसे एक राजनीतिक हथियार के रूप मे इस्तेमाल करते हुए राजनीतिक और स्वयं के आर्थिक हितों को साधने का साधन बना रहे हैं। चीन, भारत, यूरोपीय संघ इत्यादि किसी देश मे अगर ट्रंप को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए मनचाहा मौका नहीं मिलता है। ऐसी स्थिति में वह टैरिफ की धमकी देकर एक तरह से ब्लैकमेल करते हैं।इसे आर्थिक कूटनीति नहीं, बल्कि 'धमकी की राजनीति' से अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को साधने के लिए वह टेरिफ को साधन बनाते हैं। यह तथ्य ध्यान देने योग्य है, अमेरिका का संविधान राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता है। ट्रंप जिस तरह से दुनिया के देशों के साथ व्यापारिक टकराव खड़ा करते हैं। उससे अमेरिका के हितों को नुकसान हो रहा है। वही ट्रंप के निजी कारोबार को फायदा रहा है। उनका ऐसा करना अमेरिका की विधायी प्रक्रिया और वैश्विक व्यापार अनुबंधों की भावना के विरुद्ध है। व्यापार कोई युद्ध का मैदान नहीं है। व्यापारिक और सामरिक संबंध एक दूसरे के पूरक होते हैं। जो दो देशों की सहमति और सहयोग के लिए जरूरी होता है। किसी भी व्यापार में विश्वास की जरूरत सबसे ऊपर होती है। ट्रंप के वर्तमान व्यवहार से वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढी है। सारी दुनिया के देश पहले ही आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं। कंपनियां निवेश को लेकर आशंकित हैं। आपूर्ति श्रृंखला मे टैरिफ के कारण अमेरिका में भी अव्यवस्था फैल रही है। लोगों को जरूरी सामान नहीं मिल पा रहा है। महंगाई बढ़ रही है। लोगों का बजट गड़बड़ा गया है। जिसके कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था भी मंदी की ओर बढ़ रही है। अंततः टेरिफ का बोझ अमेरिका के आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यही स्थिति दुनिया के अन्य देशों के आम नागरिकों को भी भुगतना पड़ रही है। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और गंभीर होती है। जो अमेरिकी बाजार पर अधिक निर्भर होते हैं। ट्रंप ने सत्ता में दोबारा लौटने के बाद वही पुरानी टैरिफ-धमकी की नीति अपनाई हैं। टैरिफ वार के कारण जहां एक और वैश्विक व्यापार को बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। वहीं अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी वैश्विक स्तर पर ट्रंप के कारण नुकसान में जा रही है। वैश्विक नेतृत्व धमकी से नहीं, सहयोग और विश्वसनीय विदेश नीति से बनता होता है। अमेरिका को अपने प्रभाव का उपयोग जिम्मेदारी से करना चाहिए। अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति बनने के बाद इस पर का उपयोग व्यक्तिगत लाभ में बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। टैरिफ नीति संवेदनशील और संतुलित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है। नाकि चुनावी लाभ अथवा व्यक्तिगत कारोबारी लाभ के लिए उसे हथियार बनाने में किया जा सकता है। एक समय सोवियत रूस और अमेरिका दो महाशक्तियां थी। 1989 में सोवियत रूस का विघटन होने का कारण उस समय के सोवियत रुस के राष्ट्राध्यक्ष थे। जिसने अपने गणराज्य को अपने ही तरीके से हाँकना शुरू कर दिया था। देखते ही देखते सोवियत रूस बिखर गया। वर्तमान में चीन एक महाशक्ति के रूप में बड़ी तेजी के साथ उभर रहा है । अमेरिका ने रूस और चीन दोनों के साथ प्रतिबंध और टैरिफ का जो खेल खेला जा रहा है । जो गलती एक समय पर सोवियत रूस ने की थी, वही गलती अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कर रहे हैं। जिसके कारण पिछले 90 सालों से अमेरिका और डॉलर की जो बादशाहत दुनिया के देशों में बनी थी। वह धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है ब्रिक्स देशों के रूप में वैश्विक स्तर पर एक नया संगठन तैयार हो गया है, जो डॉलर के स्थान पर अन्य मुद्राओं पर व्यापार करने के रास्ते पर चल पड़ा है । यूरोपीय देश पहले ही यूरो मुद्रा को लेकर अपना कारोबार कर रहे हैं ऐसी स्थिति में ट्रंप ने टैरिफ बार को उगाही का जो नया तरीका बना लिया है। उसके कारण अमेरिका की बादशाहत को चुनौती उसको अपने ही समर्थक एवं अन्य देशों से मिलना शुरू हो गई है।

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

> आज की वैश्विक दुनिया 'लोकल टू ग्लोबल' की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं।

ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका "सुखी परिवार अभियान" केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।' वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि "जो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।" उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुंचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लर्निंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे।

आज की वैश्विक दुनिया 'लोकल टू ग्लोबल' की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े। भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलगुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की एक ऐतिहासिक घोषणा थी। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आज़ादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी।

धराली आपदा : विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

> धराली में हाल ही में आई आपदा ने स्थानीय समुदाय और पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुँचाया है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे इस क्षेत्र में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारी मशीनरी के उपयोग, जंगलों की कटाई और अनियोजित सड़क निर्माण ने भूस्खलन और मिट्टी के कटाव को बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप यह आपदा सामने आई। धराली और आसपास के क्षेत्रों में सड़क निर्माण, बाँध परियोजनाएँ और होम स्टे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल निर्माण जैसे कार्य बिना पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के किए गए जिसका परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं ।

हर्षवर्धन पान्डे

धराली उत्तरकाशी ज़िले का एक बेहद खूबसूरत क़स्बा है जो गंगोत्री की ओर बढ़ते हुए चारधामों में से एक हर्षिल घाटी का अहम हिस्सा भी है।यहाँ से गंगोत्री तकरीबन 20 किलोमीटर दूर है। हिमालयी क्षेत्रों में बसे छोटे-छोटे धराली जैसे गाँव कभी अपनी नैसर्गिक प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए जाने जाते थे लेकिन हाल के वर्षों में सरकारों की अनियंत्रित विकास की अंधी दौड़ ने इन सरीखे कई क्षेत्रों को आपदा के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। देवभूमि उत्तराखंड के कई गाँवों में आज प्रकृति के साथ गंभीर छेड़छाड़ के परिणामस्वरूप यहाँ पर आपदाएँ बार-बार दस्तक दे रही हैं। प्राकृतिक आपदा का सीधा सम्बन्ध प्रकृति की छेड़छाड़ से जुड़ा है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ जिस पैमाने पर होता रहेगा उसका ताण्डव हिमालय पर उसी स्तर पर दिखेगा। धराली में खीर गंगा में यह पहली बार नहीं हुआ कि उसका जलस्तर बढ़ने के कारण आसपास के क्षेत्र को नुकसान हुआ है। इससे पूर्व की आपदाओं में वहां पर जानमाल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन उसके बाद भी वहां पर ना ही स्थानीय लोग चेते और ना ही शासन प्रशासन की ओर से वहां पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम किए गए।1948 में धराली से कुछ किलोमीटर नीचे कनोडिया गाड़ ने भी अपना विकराल रूप दिखाया था। उस समय डबराणी में गंगा का प्रभाव तक रुक गया था जिससे फिर भारी तबाही हुई। इसी तरह 1978 में धराली से नीचे उत्तरकाशी की तरफ़ आते हुए 35 किलोमीटर दूर डबराणी में एक बाँध टूट गया था जिससे भागीरथी में बाढ़ आ गई थी और कई गाँव बह गए। 1835 में भी खीर गंगा में सबसे भीषण बाढ़ आई थी। तब नदी ने सारे धराली क़स्बे को पाट दिया था। बाढ़ से यहाँ भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था। बीते कई बरस में भी खीर गंगा में पानी का तेज़ बहाव आने, बादल फटने, भूस्खलन की घटनाएँ हुई की अनेक घटनाएँ हुई हैं लेकिन इसमें कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। 2017-18 में खीर गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वहां पर होटल दुकानों और कई घरों में मलबा घुस गया था। उस समय कुछ नुकसान नहीं हुआ हालाँकि 2023 में खीर गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण वहां पर कई दिनों तक गंगोत्री हाईवे भी बंद रहा था साथ ही दुकानों और होटल को भी नुकसान हुआ था। एक दौर था जब हिमालय के ऊँचाई वाले इन इलाक़ों में काफी बर्फ़ गिरती थी। तब यहाँ के ग्लेशियर में पानी का जमाव होता था लेकिन अब बर्फ़ कम गिरती है और बारिश भी कम होती है और ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है जलवायु परिवर्तन और इसका असर पूरे पहाड़ी इलाके के हर जिले में महसूस किया जा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के साइड इफेक्ट अब हिमालय से लगे इलाकों में भी महसूस किये जा सकते हैं। ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं। अनियोजित विकास के कारण आज पर्वतीय इलाकों में संकट के बादल मंडरा रहे है। इन संवेदनशील इलाकों में प्राकृतिक घटनाओं की आशंका पहले भी जताई जा चुकी है पर इसे लेकर चौकन्ना न रहने की गलती जब तक होती रहेगी हादसे होते रहेंगे। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए बेहतर प्रबंधन को बढ़ाने के साथ-साथ प्रकृति के इशारों को समझना भी बहुत जरूरी है। वह चेतावनियां सच साबित हो रही हैं जो कई दशकों से पर्यावरण वैज्ञानिक देते आ रहे थे कि धरती का लगातार बढ़ रहा तापमान शांत पड़े ग्लेशियरों को परेशान कर रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना या टूटना मानवता व पूरे वातावरण के लिए खतरनाक है। दुर्भाग्य है कि प्राकृतिक संसाधनों की बड़ी लूट के कारण आज उत्तराखंड कंक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है। अगर अभी भी इस हादसे से हमने सबक नहीं लिया तो किसी दिन तबाही बड़े पैमाने पर होगी।

धराली में हाल ही में आई आपदा ने स्थानीय समुदाय और पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुँचाया है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे इस क्षेत्र में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारी मशीनरी के उपयोग, जंगलों की कटाई और अनियोजित सड़क निर्माण ने भूस्खलन और मिट्टी के कटाव को बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप यह आपदा सामने आई। धराली और आसपास के क्षेत्रों में सड़क निर्माण, बाँध परियोजनाएँ और होम स्टे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल निर्माण जैसे कार्य बिना पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के किए गए जिसका परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं । पहाड़ों की संवेदनशील भूगर्भीय संरचना को नजरअंदाज करते हुए यहाँ पर भारी मशीनरी का उपयोग किया गया जिससे भूस्खलन का खतरा हाल के कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। विकास की बड़ी परियोजनाओं के नाम पर पूरे उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर जंगलों को काटा जा रहा है जिससे मिट्टी की स्थिरता कम हुई है और आपदा की घटनाएँ भी तेजी से बढ़ी हैं। धराली जैसे क्षेत्र आज जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक असुरक्षित हो गए हैं। धराली की इस बार की आपदा में और आसपास के क्षेत्रों में कई लोगों ने अपनी जान गँवाई है और कई परिवार बेघर हो गए हैं । स्थानीय लोगों की आजीविका जो मुख्य रूप से कृषि और पर्यटन पर निर्भर थी इस बार की आपदा ने बुरी तरह प्रभावित कर डाली है। धराली का बाजार जो पर्यटन की अर्थव्यवस्था का प्रमुख हिस्सा था, बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पहाड़ी इलाकों में नदियों और नालों के किनारे फ्लड प्लेन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी तरह के अतिक्रमण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ऐसे क्षेत्र भूस्खलन जैसी घटनाओं के लिए अत्यंत असुरक्षित होते हैं। धराली आपदा हमें यह सिखाती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना आवश्यक है। यह वही उत्तराखण्ड है जिसने 80 के दशक में ज्ञानसू का भूकम्प, भीषण अतिवृष्टि, बाढ़ का कहर देखा तो वहीं 90 के दशक में उत्तरकाशी और चमोली के भूकम्प के झटके भी महसूस किये है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के पथ में मालपा नामक जगह पर भूस्खलन से भारी तबाही का मंजर भी इसने देखा है। 2003 मे उत्तरकाशी में वरूणावत के भारी भूस्खलन के अलावा 2012 में उत्तरकाशी में ही असीगंगा व भागीरथी के तट पर बादल फटने के कहर के अलावा सुमगढ़ बागेश्वर में बादल के कहर में कई परिवारों को जमींदोज होते देखा है, जहां जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और जानमाल को व्यापक नुकसान हुआ। वहीं 2013 में केदारनाथ का भीषण हादसा, 2021 की रैणी (चमोली) हिमस्खलन त्रासदी और 2023 के जोशीमठ भू-धंसाव जैसी घटनाएं इस गहराते संकट की स्पष्ट चेतावनियां हैं जिनसे यह स्पष्ट होता है कि पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बाधित हो चुका है लेकिन हमारी याददाश्त कम रहती है। हम पुरानी घटनाओं को जल्द भूलना जानते हैं और उससे सबक भी नहीं लेना चाहते।

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

रक्षाबंधन का त्योहार: भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक

भारत एक ऐसा देश है जहाँ लोग साल भर त्योहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्योहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्योहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के साथ के खास रिश्ते के लिए सभी साल दर साल इसे यादगार तरीके से मनाते रहते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दर्शाता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन।

हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है।

येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामी रक्षे माचल माचलः

जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना।

भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास, विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबन्धन का पर्व भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्योहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरू बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थीं। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है।

विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

महाभारत में इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई

उल्लेख मिलते हैं।

स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया। कहते हैं कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरु के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं।

महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बाँधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूडियों में बांधी जाती है। राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा।

रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति इतनी लचीली है कि इसमें हर संस्कृति समाहित होती चली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, सौराष्ट्र से असम तक देखें तो यहां के लोग प्रतिदिन कोई न कोई त्योहार मनाते मिलेंगे। इन त्योहारों के मूल में आपसी रिश्तों के बीच मधुरता घोलने एवं सरसता लाने की भावना रहती है। भाई-बहन के बीच प्यार, मनुहार व तकरार होना एक सामान्य बात है। लेकिन रक्षा बंधन के दिन बहन द्वारा भाई के हाथ में बांधे जाने वाले रक्षा सूत्र में भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्यबोध को पिरोया गया है।

नोबेल पुरष्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध करने के लिए इस त्योहार को मनाने को प्रोत्साहित किया था। वह इस त्योहार के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच एक मजबूत संबंध बनाना चाहते थे। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के हाथों पर राखी बांधने के लिए प्रोत्साहित किया, जो भाईचारे और अपने समुदाय के लिए प्यार का प्रतीक है।

रक्षाबंधन : भारतीय सांस्कृतिक विरासत का वैश्विक उत्सव और भाई-बहन के अटूट बंधन का प्रतीक

लेखक -
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
ईएमएस

भारत में वर्ष 1959 में रिलीज हुई हिंदी फीचर फिल्म छोटी बहन का गीत, भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना और 1971 में रिलीज हुई फिल्म बेईमानका गीत ये राखी बंधन है ऐसा, जैसे गीतों को सुने बिना रक्षाबंधन का त्योहार अधूरा सा लगता है। यही कारण है कि हमें पिछले एक सप्ताह से राखी व अन्य बाजारों में रौनक के साथ उपरोक्त दोनों गीतों सहित अनेक रक्षाबंधन के गीत सुनाई दे रहे हैं, जो दशकों पूर्व के हैं परंतु आज भी ध्यान आकर्षित करते हैं, क्योंकि यह रक्षाबंधन त्योहार ही ऐसा है कि भाई बहन की डोर से रिश्तो में अटल मजबूती आ जाती है। भारत विविधताओं का देश है,जहां प्रत्येक क्षेत्र, धर्म और परंपरा में त्योहारों का विशेष स्थान है। इन त्योहारों का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, एकता, सामूहिक चेतना और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोकप्रिय त्योहार है रक्षाबंधन,जिसे आम भाषा में राखी भी कहा जाता है।रक्षाबंधन, भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पवित्र पर्व, इस साल 9 अगस्त 2025 को असाधारण रूप से खास है। साथियों बात अगर हम इस वर्ष राखी उत्सव की करें तो श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार इस बार 95 साल बाद एक दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग के साथ आ रहा है, जो इसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष बनाता है। सौभाग्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, और श्रवण नक्षत्र का संयोग इस दिन को समृद्धि, सुख, और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक बनाता है। इसके अलावा, इस बार भद्रा का साया भी नहीं रहेगा, जिससे राखी बांधने का समय और भी शुभ हो गया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मेरा व्यक्तिगत मानना है कि आज की नई युवा पीढ़ी या नई यंग जनरेशन को हमारे हर भारतीय त्योहारों का महत्व समझाने की अति आवश्यकता है, क्योंकि मैं देख रहा हूं कि युवाओं के हृदय में आज त्योहारों के प्रति वह भाव नहीं दिख रहें हैं जो दशकों पूर्व के युवाओं में देखे थे जो आज बूढ़े हो चुके हैं। यानें वर्तमान डिजिटल युग में हमारे युवा, त्योहारों की मर्यादा व गरिमा को कुछ हद तक भूलते जा रहे हैं, क्योंकि आज जमाना आ गया है सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है, जबकि मेरा मानना है कि सभी त्योहारों को हमारी भारतीय संस्कृति मुहूर्त बेला से करना चाहिए। वैसे भी इस बार रक्षाबंधन राखी 09 अगस्त 2025 को ही आ रहा है। चूंकि राखी एक ऐसा त्यौहार है जो, दुनियां में जब तक चंदा बादल धरती आकाश रहेगा, भाई बहन का प्यार मौजूद रहेगा व बहन का हमेशा सम्मान व रक्षा का प्रण लेना होगा,चूँकि राखी के खुशी वाले दिन भाई के भर-भर आए नैना,कदर बहन की उनसे पूछो जिनकी नहीं है कोई बहना, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी व स्वयं के विचारों के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमर प्रेम है भाई बहन का..यह राखी बंधन है ऐसा....युवाओं को त्योहारों का महत्व समझने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम रक्षाबंधन राखी महोत्सव 09 अगस्त 2025 की करें तो रक्षाबंधन, भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण त्योहार है,जिसे भाई बहन के रिश्ते को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं, जबकि भाई अपनी बहनों को उपहार देकर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देते हैं।यह एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। इसे राखी के नाम से भी जाना जाता है। रक्षाबंधन का अर्थ है रक्षा का बंधन। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं, जिससे भाई अपनी बहनों की सुरक्षा का वचन देते हैं। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के भाव को समर्पित है। रक्षाबंधन का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत गहरा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रक्षाबंधन की शुरुआत भगवान इंद्र की पत्नी शची (इंद्राणी) द्वारा इंद्र की कलाई पर रक्षा धागा बांधने से हुई थी, जिस से इंद्र ने असुरों के खिलाफ युद्ध में विजय प्राप्त की। इसी तरह, महाभारत में भी द्रौपदी द्वारा भगवान कृष्ण को रक्षा सूत्र बांधने की कथा है,जिसके बदले कृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी।रक्षा बंधन भले ही भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक हो, लेकिन भारत की सांस्कृतिक विविधता ने इस दिन को अनेक रूपों में सजाया है. गायों की पूजा से लेकर समुद्र अर्पण, यज्ञोपवीत से लेकर झूला उत्सव तक सावन पूर्णिमा हर राज्य में अपने मायने रखती है. यह पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और याद दिलाता है कि भिन्नताओं में ही हमारी एकता छिपी है, सावन की पूर्णिमा सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि भारत की विविध संस्कृति और परंपरा की झलक है. हर राज्य ने इस दिन को अपनी- अपनी मान्यता, आस्था और रीति-रिवाज से सींचा है. यही विविधता भारत की सबसे बड़ी खूबी भी है, जो हर पर्व को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव बना देती है।

साथियों बातें कर हम रक्षाबंधन पर्व के महत्व और परंपराओं की करें तो,रक्षाबंधन केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैः- (1)भाई-बहन के संबंधों का उत्सवः यह त्योहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सशक्त करता है, जो सामाजिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पर्व भाई-बहन के बीच विश्वास, समर्थन और प्रेम को उजागर करता है। (2)सामाजिक समरसता का संदेशः रक्षाबंधन जाति, धर्म, वर्ग से ऊपर उठकर मानवीय एकता का संदेश देता है। कई स्थानों पर महिलाएं सैनिकों, नेताओं और समाज के रक्षकों को भी राखी बांधती हैं, जिससे रक्षा का दायरा व्यापक होता है। (3) नारी शक्ति का सम्मानः यह पर्व अप्रत्यक्ष रूप से नारी सम्मान, गरिमा और उसकी सुरक्षा की ओर ध्यान आकर्षित करता है।

पीएमएमएसवाई के 11 इंटीग्रेटेड एक्वा-पार्क्स के विकास के प्रस्तावों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग ने वित्त 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 682.60 करोड़ रुपए की लागत से कुल 11 इंटीग्रेटेड एक्वा-पार्क्स के विकास के लिए कई राज्य सरकारों के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। यह जानकारी केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। इंटीग्रेटेड एक्वा-पार्क्स विविध मत्स्य पालन के केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं, जो एक्वाकल्चर वैल्यू चेन को मजबूत करते हैं। ये पार्क बीज, चारा और प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन के साथ बाजार पहुंच के लिए कृषि सहायता तक एक एंड-टू-एंड इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा प्रदान करते हैं। ये पार्क क्लस्टर-आधारित दक्षता को सक्षम बनाते हैं, कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करते हैं और वैल्यू एडिशन एवं संगठित मार्केटिंग के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि करते हैं। मत्स्य पालन विभाग ने कई राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य अंतिम कार्यान्वयन एजेंसियों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर पिछले पांच सालों के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 9,189.79 करोड़ रुपए के केंद्रीय शेयर के साथ 21,274.16 करोड़ रुपए के मत्स्य विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

राहुल गांधी की अहंकारी भाषा, संवैधानिक संस्थाओं को धमकाना गलतः बीजेपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही चुनाव आयोग पर वोट चोरी को लेकर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। इसे लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। अब बीजेपी ने राहुल गांधी पर हमला बोला। बीजेपी नेता भूपेंद्र यादव ने राहुल गांधी के एटम बम वाले कमेंट पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भाषा अहंकार से भरी थी। उन्होंने चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी देने की कोशिश की है। भूपेंद्र ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को धमकाना गलत है। उन्होंने दावा किया कांग्रेस या उनके सहयोगी दलों ने उन्हीं सीटों पर जीत दर्ज की, जहां वोटर्स की संख्या में इजाफा देखने को मिला। भूपेंद्र ने कई सीटों का जिक्र करते हुए कहा कि जहां वोट बढ़े, वहां ही कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इस देश में सेना के गौरव पर कोई अटैक करते हैं तो वह राहुल गांधी हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सबके सामने है। वहीं सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता उल्टा-सीधा बोलते हैं। इस देश की सेना, चुनाव आयोग, न्यायपालिका, जो स्वायत्त संस्थाएं हैं।

सूट-सलवार में हैं, रेस्टोरेंट में एंट्री नहीं..... भड़के कानून मंत्री मिश्रा, दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूट-सलवार में हैं, रेस्टोरेंट में एंट्री नहीं मिलेगी! दिल्ली से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। रेस्टोरेंट पहुंचे कपल का आरोप है कि सूट-सलवार और पैंट टीशर्ट में होने की वजह से उन्हें पीतमपुरा के रेस्टोरेंट में खाने के लिए घुसने से रोक दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद दिल्ली सरकार ने घटना का संज्ञान लेकर जांच का आदेश दिया है। दिल्ली के कानून और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, दिल्ली में यह अस्वीकार्य है। पीतमपुरा के एक रेस्टोरेंट में भारतीय परिधानों पर रोक का वीडियो सामने आया है। इसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को घटना की जांच और तुरंत कार्यवाही का निर्देश दिया गया है। वायरल हो रहे वीडियो में कपल रेस्टोरेंट के बाहर खड़े होकर इसकी जानकारी दे रहा है कि 3 अगस्त को उनके साथ यह घटना हुई थी। कपल का कहना है कि उनके कपड़ों की वजह से उन्हें रेस्टोरेंट में जाने से रोका गया और अपमानित किया गया। उन्होंने दावा किया कि रेस्टोरेंट में सिर्फ छोटे कपड़े पहने लोगों को प्रवेश दिया जा रहा था और इससे कहा गया कि एथनिक ड्रेस में जाने की अनुमति नहीं है।

उत्तरप्रदेश के मिर्ज़ापुर में भारी बारिश से राजगढ़-चुनार मार्ग बंद

मिर्ज़ापुर (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण राजगढ़-चुनार संपर्क मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। सेमरी पुल के ऊपर से पानी बहने की वजह से लोग फंस गए हैं और उनका दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश के चलते पहाड़ों का पानी सरसों सेमरी नाले में आ रहा है, जिससे नाला उफान पर है। यह पानी सड़क पर करीब ढाई फीट ऊपर से बह रहा है। इस स्थिति ने चुनार से वाराणसी जाने वाले और वहां से आने वाले यात्रियों को बीच रास्ते में फंसा दिया है। कई शिक्षक और व्यापारी भी इस कारण अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। स्थानीय निवासी जान जोखिम में डालकर पुल पार करने को मजबूर हैं। राजगढ़ बिशुनपुर, भावा, मटिहानी और मड़िहान जाने वाले रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है ताकि उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और यातायात फिर से बहाल हो सके। इस संकट ने न केवल यातायात को, बल्कि स्थानीय व्यापार और शिक्षा को भी प्रभावित किया है।

यौन अपराधों की बार-बार शिकायत करने वालों का डेटाबेस बनाने जल्द फैसला लें

- दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यौन अपराधों की बार-बार शिकायत करने वालों का डेटाबेस बनाने की मांग करने वाली याचिका पर जल्द फैसला लें। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता की मांग थी कि कोर्ट संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे कि वे ऐसे लोगों का डेटाबेस बनाएं जो यौन शोषण के मामलों में एक से ज्यादा बार शिकायत दर्ज कराते हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह फैसला लेना प्रशासन और पुलिस का कार्यक्षेत्र है और उन्हें बेहतर पता है कि पुलिसिंग कैसे करनी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बगैर याचिका में उठाए गए मुद्दों की मेरिट पर कुछ कहे, याचिका को यह निर्देश देते हुए निपटाया जाता है कि संबंधित अधिकारी याचिकाकर्ता की मांग पर जल्द और उचित निर्णय लें। यह याचिका शोनी कपूर की ओर से दाखिल की गई थी, जिनके वकील ने उनका पक्ष रखा। याचिका में केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि प्रत्येक पुलिस जिला मुख्यालय में ऐसे शिकायतकर्ताओं का रिकॉर्ड रखा जाए जिन्होंने बलात्कार या यौन अपराधों के आरोपों से जुड़ी एक से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई हैं। साथ ही, शिकायत दर्ज कराने वाले हरेक व्यक्ति का पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए।

राहुल बोले- मोदी वोट चुराकर प्रधानमंत्री बनेः25 सीट 35 हजार या कम अंतर से जीते; ईसी इलेक्ट्रॉनिक डेटा दे, तो साबित करेंगे

बेंगलुरुः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार 25 सीट के मार्जिन से प्रधानमंत्री बने हैं। 25 सीट ऐसी हैं, जिन्हें भाजपा ने 35 हजार या कम वोट से जीतीं। अगर हमें इलेक्ट्रानिक डेटा मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि मोदी चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल ने कहा- चुनाव आयोग को पिछले 10 साल की देश की सारी इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी देनी चाहिए। ये सब नहीं देंगे तो क्राइम है। भाजपा को चुनाव चोरी करने दे रहे हैं। पूरे देश को चुनाव आयोग से वोटर्स का डेटा मांगना चाहिए।

राहुल गांधी ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' में ये बात कही। उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी रैली में शामिल हुए। राहुल ने गुरुवार को भी आरोप लगाया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 फर्जी वोट बनाए गए, जिससे भाजपा को फायदा हुआ। भाजपा-ईसी की मिलीभगत से यह धांधली हुई, जिसने PM मोदी को तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया।

राहुल की स्पीच की 5 बड़ी बातें...

- कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में 6.50 लाख वोट हैं। उसमें से 1 लाख 250 वोट चोरी किए गए, मतलब 6 में से 1 वोट इन्होंने चोरी किए। 5 तरीके से चोरी की गई। डुप्लीकेट वोटर मतलब एक वोटर ने कई बार वोट किया। एक वोटर ने 5-6 पोलिंग बूथ में वोट डाला।
- इन लोगों का कोई एड्रेस भी नहीं है। करीब 40 हजार ऐसे वोट हैं। एक एड्रेस पर कई वोटर हैं। एक बेडरूम के घर में 40-50 वोटर दिखा दिए। जब हम उन्हें ढूंढने गए तो वहां कोई नहीं था। उस घर का मालिक बीजेपी नेता निकला।
- कर्नाटक की सरकार पैसा देकर चोरी की गई थी। मेरे पास सबूत है कि लोकसभा में भी चोरी की गई। भाजपा की विचारधारा संविधान के खिलाफ है। कर्नाटक का डेटा निकालने में हमें 6 महीने लगे, 1 वोट को लाखों वोटर से चेक किया।
- हर एक नाम को चेक किया, चुनाव आयोग का पूरा डेटा हमारे लिए सबूत है। हमें एक सीट की सच्चाई निकालने के लिए 6 महीने लगे, अगर ईसी ने डेटा नहीं दिया तो हम ये काम 20-25 सीटों पर भी कर सकते हैं। आप छिप नहीं सकते एक न एक दिन आपको विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।
- जहां फार्म 6 का मिसयूज किया गया, वहां 34 हजार वोट थे। फार्म 6 नए वोटर्स के लिए होता है, लेकिन 34 हजार ऐसे वोटर्स हैं जिनकी एज 60, 70 और 80 साल है। डुप्लीकेट वोटर्स ने पहले कर्नाटक में वोट दिया। इसके बाद महाराष्ट्र और यूपी में भी वोट दिया।

राहुल के भाजपा-ईसी पर लगाए पहले के आरोप

7 अगस्तः राहुल बोले- वोटर लिस्ट में गड़बड़ी- राहुल ने दिल्ली के इंदिरा भवन में 1 घंटे 11 मिनट का प्रेजेंटेशन दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा में चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ देने का दावा भी किया। अब इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले ईसीI जबाव देता था, आज जब कोई ईसीI से सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है, विपक्षी पार्टियों की मांगों पर गौर किये बिना केवल अनर्गल बयानबाजी करता है।

2 अगस्तः राहुल बोले- मोदी धांधली से पीएम बने- राहुल गांधी ने 2 अगस्त को कहा था कि भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और हुई भी। भारत के पीएम के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10-15 सीटों पर भी धांधली न होती तो वे भारत के प्रधानमंत्री भी नहीं होते। राहुल ने ये बातें दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एनुअल लीगल कॉन्क्लेव- 2025 में कही थीं।

चुनाव आयोग की ओर से जारी किए गए लेटर में लिखा- कांग्रेस ने पहले भी नवंबर 2024 के चुनावों के बाद ऐसे ही आरोप लगाए थे, जिनका विस्तृत जवाब 24 दिसंबर 2024 को दिया गया था। पत्र में बताया गया है कि चुनाव पूरी पारदर्शिता से, कानून के अनुसार और हजारों अधिकारियों की निगरानी में कराए गए। आयोग ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस को कोई कानूनी आपत्ति थी तो वह कोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल कर सकती थी।

धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने संभाला मोर्चा, कहा- राहत शिविरों में भोजन-पानी व जरुरी सामान की कमी न हो

देहरादून (ईएमएस)। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी

से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी।

धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया।

इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है। सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

चीन के विशाल डैम पर हमारी नजर, राज्यसभा में केंद्र ने दिया जबाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन तिब्बत के इलाके में जो विशाल डैम बना रहा है, उसपर मोदी सरकार ने सवाल के जवाब में पहली बार संज्ञान लिया है। चीन यह बांध ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बना रहा है, इस तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा है कि प्रोजेक्ट को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर विशाल बांध बनाने की तैयारियों में लगा है। चीन का यह प्रोजेक्ट इतना विशाल है कि इसकी वजह से भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक में सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत ने चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहे मेगा डैम प्रोजेक्ट के निर्माण शुरू करने की रिपोर्टों पर संज्ञान लिया गया है। उनके अनुसार चीन 1986 से ही इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मोदी सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी सभी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। इसके तहत चीन की ओर से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने की योजना के साथ-साथ हमारे हितों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करना शामिल है। सरकार की ओर से बताया गया हैं कि सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर चीन के साथ संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय मेकेनिज्म के तहत चर्चा होती है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चीन को कहा है कि नदियों के पानी पर हमारा भी हक है। हम निचले क्षेत्र में हैं और यहां के लोगों का भी पानी पर अधिकार है। सरकार ने चीन से कहा है कि वो निचले हिस्से के देशों से भी सलाह करे और यह सुनिश्चित करे कि ऊपर के क्षेत्र की गतिविधियों से निचले हिस्से के क्षेत्रों के हितों को कोई नुकसान न हो। चीन के साथ सीमा पार की नदियों पर सहयोग के मामले में पानी से जुड़ी जानकारी फिर से देना भी शामिल है।

ईसी बोला-राहुल के दावे सही तो शपथ पत्र साइन करेंःवरना देश से माफी मांगें

नई दिल्लीः चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से कहा है कि वे वोट चोरी के अपने दावे को सही मानते हैं तो हलफनामे पर साइन करके दें। अगर उन्हें अपने दावों पर भरोसा नहीं है तो देश से माफी मांगें। न्यूज एजेंसी एएनआई ने चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इधर, राहुल ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' के दौरान कहा कि चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। राहुल ने कहा- आज जब देश की जनता हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने वेबसाइट ही बंद कर दी। ईसी जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।

इससे पहले राहुल ने गुरुवार को दिल्ली में एक प्रेजेंटेशन के जरिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाया था। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ।

प्रियंका बोलीं- चुनाव आयोग जांच के बजाय हलफनामा मांग रहा

चुनाव आयोग की तरफ से हलफनामा वाली बात सामने आने पर प्रियंका गांधी ने कहा- राहुल गांधी जी ने वोट चोरी पर बड़ा खुलासा किया है, जिसकी जांच होनी चाहिए। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट नहीं दे रहा है, इस मामले में जांच करने के बजाय, वो हलफनामा मांग रहा है। हम लगातार डेटा दिखा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार ही नहीं है। बीजेपी की सरकार विपक्ष पर ईडी, सीबीआई लगाकर तमाम जांच कर रही है तो यहां नाक के नीचे हुए पूरे कांड की जांच क्यों नहीं हो रही?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ। राहुल के आरोपों पर कर्नाटक चुनाव आयोग ने शपथ पत्र मांगा है। कहा कि वे लिखित में शिकायत करें ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

पीएम मोदी 22 को आएंगे गयाजी, उनका स्वागत करने तैयार हो रहा मगध

गयाजी,(ईएमएस)। बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को गयाजी आ रहे हैं। हम सब मगधवासी उनके स्वागत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का बिहार का जब दौर होता है तब बिहार में विकास की नदियां बहती है। हाल में बिक्रमगंज, सिवान आए थे सभी स्थानों पर ऐतिहासिक रैली हुई थी। अब 22 अगस्त को सारे रिकॉर्ड टूटेंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों और पाकिस्तान को जवाब दिया। पीएम मोदी लगातार बिहार आ रहे हैं। बिहार और केंद्र में डबल इंजन की सरकार है। बिहार हर तरह से विकास कर रहा है। अन्य राज्यों के अपेक्षा बिहार में विशेष पैकेज पीएम मोदी दे रहे हैं। गयाजी शहर के रेड क्रॉस भवन में जिलाधिकारी और एसएसपी समेत कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं पर चर्चा की गई। पितृपक्ष मेला 6 सितंबर से 21 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। मेले में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए व्यापक और हाईटेक तैयारियां की जा रही हैं। नगर निगम की ओर से यात्री आवासन, पुलिस आवासन, वाहन पार्किंग स्थलों पर चापाकल, प्याऊ, नल, वाटर टैंकर एवं वाटर एटीएम की व्यवस्था की जा रही है।

बस पर गिरा पेड़, दबने से चार लोगों की मौके पर ही मौत, कई गंभीर

-प्रशासन ने लोगों से भारी बारिश में सावधानी बरतने की अपील की

बाराबंकी,(ईएमएस)। यूपी के बाराबंकी जिले में यूपी रोडवेज की एक बस पर पेड़ गिर गया। इस हादसे में बस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला राजा बाजार क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा उस समय हुआ जब भारी बारिश के बीच एक रोडवेज बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। बारिश के कारण पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। पेड़ के गिरने से बस की छत चकनाचूर हो गई और कई यात्री उसमें दब गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। बस में फंसे घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में चालक समेत चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। घटनास्थल से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें बस के अंदर कुछ लोग फंसे हुए नजर आ रहे हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत कार्य जारी है। साथ ही प्रशासन ने लोगों से भारी बारिश के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। बता दें बाराबंकी में गुरुवार देर रात से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

वहीं बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- बाराबंकी के ब्लॉक हरख में राजा बाजार के पास तेज बारिश से बस पर पेड़ गिरने से कई यात्रियों की दुखद मृत्यु और गंभीर रूप से घायल होने की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

चुनाव में नोटा का तब भी मिले विकल्प जब मैदान में हो एक ही उम्मीदवार? सुप्रीम कोर्ट ने इस अहम मुद्दे पर विचार करने की दी सहमति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चुनाव में नोटा का विकल्प मतदाताओं को तब भी मिलना चाहिए, जब चुनाव मैदान में सिर्फ एक उम्मीदवार हो? सुप्रीम कोर्ट ने इस अहम मुद्दे पर विचार करने की सहमति दे दी है। कोर्ट यह भी देखेगा कि क्या नोटा को मिले वोट उम्मीदवार से ज्यादा होने पर चुनाव रद्द कर देना चाहिए। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने नोटा को एक असफल विचार बताया है। उनका कहना है कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लागू होने के बावजूद, मतदाताओं ने इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस एन के सिंह की बेंच ने कहा कि यह एक दिलचस्प सवाल है। यह सच है कि भारत में चुनाव बहुत ही कड़े होते हैं। लेकिन कल्पना कीजिए कि मतदाता उस अकेले उम्मीदवार को नहीं चाहते हैं, जो निर्विरोध चुना जाने वाला है। वे उसे विधानसभा या लोकसभा में अपना प्रतिनिधि नहीं बनाना चाहते। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर मतदाताओं में अकेले उम्मीदवार के खिलाफ गुस्सा है, तो वे बड़ी संख्या में नोटा को चुनेंगे। अगर नोटा को मिलने वाले वोट अकेले उम्मीदवार से ज़्यादा हैं, तो क्या किया जाना चाहिए? यह भले ही सैद्धांतिक हो, लेकिन यह एक बहुत ही दिलचस्प सवाल है, जिस पर न्यायिक विचार-विमर्श की जरुरत हो सकती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि यह भारतीय संदर्भ में पूरी तरह से अवास्तविक विचार है। चुनाव आयोग की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि नोटा के आने के बाद से आज तक इसका किसी भी चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि हर जीतने वाले उम्मीदवार को नोटा से ज़्यादा वोट मिले हैं, भले ही कुछ हारने वाले उम्मीदवारों को नोटा से कम वोट मिले हों। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव

आयोग कानून और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बेंच से पूछा कि अगर नोटा को अकेले उम्मीदवार से ज्यादा वोट मिलने के कारण चुनाव रद्द कर दिया जाता है, तो दोबारा चुनाव होने पर क्या होगा, अगर फिर से वही स्थिति बन जाए? विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी द्वारा दायर एक जनहित याचिका के जवाब में चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा कि लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना बहुत ही दुर्लभ है। 1991 से अब तक ऐसा सिर्फ एक बार हुआ है। उन्होंने कहा 1971 से आज तक, यानी पिछले 54 वर्षों में, कुल छह निर्विरोध चुनाव हुए है। 1951 से अब तक हुए 20 आम चुनावों में, केवल नौ निर्विरोध चुनाव हुए हैं।

इधर, सुप्रीम कोर्ट का यूटर्न..... जस्टिस प्रशांत कुमार के खिलाफ अपने ही आदेश को लिया वापस

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस प्रशांत कुमार के खिलाफ जारी अपने ही आदेश को वापस लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले मामले में जस्टिस कुमार के फैसलों पर सवाल उठाए थे और उन्हें आपराधिक मामलों की सुनवाई से रोका था। साथ ही, उन्हें एक वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का निर्देश भी दिया था। यह कदम भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा किए गए अनुरोध के बाद उठाया गया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने जस्टिस कुमार के आदेश पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी, जिसे सबसे खराब तक कहा गया था। हालांकि, बाद में उन्हें सीजेआई से एक पत्र मिला, जिसमें उन्होंने पहले के आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश रद्द कर मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया है। यह मामला तब शुरू हुआ जब सुप्रीम कोर्ट मेसर्स शिखर केमिकल्स द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने एक आर्थिक विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जस्टिस प्रशांत कुमार ने पहले इस मामले में कहा था कि बकाया वसूली के लिए आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता है, क्योंकि दीवानी मामलों में लंबा समय लगता है।

वॉलमार्ट और अमेजान ने फिलहाल भारतीय कंपनियों से ऑर्डर रोक दिए

वाशिंगटन,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद व्यापार नीति में बदलाव की उम्मीद थी, और अब टैरिफ वार का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ (आयात शुल्क) लगाया है, इससे भारतीय निर्यातकों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस बढ़े हुए टैरिफ का सीधा असर उन अमेरिकी कंपनियों पर पड़ रहा है, जो भारत से सामान खरीदती हैं। बढ़ी हुई लागत के कारण वॉलमार्ट और अमेजान जैसी कंपनियों ने फिलहाल भारतीय कंपनियों से ऑर्डर रोक दिए हैं या रद्द कर दिए हैं। उन्हें डर है कि ज्यादा कीमत वाले भारतीय सामान की अमेरिका में मांग कम होगी। इसके लिए आधी रात को आदेश आए। टेक्सटाइल सेक्टर की भारतीय कंपनी पर्ल ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर पल्लब बनर्जी ने बताया कि अमेरिकी खरीदार चाहते हैं कि या तो भारतीय निर्यातक बढ़े हुए टैरिफ का बोझ खुद उठाएं, या फिर वे भारत के बजाय बांग्लादेश, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों से खरीदी की जाएगी, जहां टैरिफ दरें कम हैं। भारत पर 50 प्रतिशत का कुल टैरिफ दो हिस्सों में लागू हो रहा है। पहला 25 प्रतिशत टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो गया है, जबकि दूसरा 25 प्रतिशत टैरिफ 28 अगस्त से लागू होगा। जहां भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा है, वहीं बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों पर यह सिर्फ 20 प्रतिशत है और चीन पर 30 प्रतिशत का टैरिफ ठोंक दिया है। इस अंतर से भारतीय सामान की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रह पाते। भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इस कदम को अन्यायपूर्ण, अनुचित और तर्कहीन बताकर कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इस स्थिति से भारतीय निर्यातकों के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। उन्हें या अपने व्यापार का तरीका बदलना होगा या फिर नए बाजारों की तलाश करनी होगी। वहीं ट्रंप के टैरिफ वार पर पीएम मोदी दो टूक कह चुके हैं कि भारतीय किसान और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पीएम मोदी का यह बयान इस बात की ओर इशारा करता हैं कि भारत ट्रंप के सामने झुकने वाला नहीं है। बाजार जानकारों के मुताबिक भारत को इस परिस्थिति से बहुत ही सोच-समझकर निकलना होगा।

ट्रंप के टैरिफ बम पर चीन का भारत को समर्थन

बीजिंग,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद, चीन ने भारत के समर्थन में अपनी आवाज़ उठाई है। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने अमेरिका को बुली बताया। इसके बाद, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जैकून ने अमेरिका पर तकनीक और व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाकर इसका दुरुपयोग कर रहा है और चीन इस तरह की टैरिफ नीतियों का विरोध करता है।

इतना ही नहीं इस पूरे मामले में चीनी सरकारी मीडिया भी भारत के पक्ष में खड़ा दिख रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन मौके का लाभ उठाकर भारत को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहा है। शू फेइहोंग ने एक पोस्ट में कहा था, एक बुली को एक इंच दो तब वह एक मील ले लेगा, जिसे भारत और ब्राजील के समर्थन में देखा जा रहा है। ब्राजील भी 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है।

ट्रंप के टैरिफ से स्विट्जरलैंड हुआ आगबबूला, एफ-35 नहीं खरीदने का बना लिया मन

वॉशिंगटन(ईएमएस)। स्विट्जरलैंड की राष्ट्रपति कारिन केलर-सटर ने हाल ही में अमेरिका की यात्रा की और वहां विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। इस मीटिंग में उन्होंने जोर देकर कहा कि देश अभी भी एफ-35 खरीदने के वादे पर टिका हुआ है। लेकिन जमीन पर माहौल कुछ और ही संकेत दे रहा है। अब डील को लेकर संसद में फिर से बहस होगी, और अगर राजनीतिक दबाव बढ़ा तो यह डील रद्द भी हो सकती है।

वहीं जो देश पत्थर फेंके, उसे तोहफा क्यों? यह तीखी टिप्पणी की है स्विस संसद में ग्रीन पार्टी के नेता बाल्थाजार ग्लैटली ने। उन्होंने पहले ही प्रस्ताव दिया था है कि इस डील को या तो रद्द किया जाए। या फिर इस डील को लेकर दोबारा जनमत संग्रह कराया जाए। ग्लैटली ने कहा, हम ऐसे देश को 7.3 अरब फ्रैंक का ऑर्डर क्यों दें जो हमें बिजनेस में पनिशमेंट दे रहा है? यह डील स्विस सरकार के लिए पहले से ही विवाद का विषय बनी हुई थी। क्योंकि हाल ही में अधिकारियों ने माना कि अमेरिका से विमान की लागत को लेकर "कुछ गलतफहमियां" रही हैं। स्विट्जरलैंड और अमेरिका के बीच 7.3 अरब फ्रैंक (रु.790,61,99,30,000) की फाइटर जेट डील अब गहरे संकट में फंस गई है। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड पर अचानक 39 प्रतिशत आयात शुल्क ठोक दिया। इसके बाद स्विस राजनीति में बवाल मच गया है। अब देश के नेताओं का एक बड़ा धड़ा इस डील को रोकने की मांग कर रहा है। इस डील का मकसद था अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 36 एफ-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स खरीदना। लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका से इतनी बड़ी खरीद ऐसे वक्त में की जाए जब वही देश स्विट्जरलैंड को 'ट्रेड टारगेट' बना रहा है? स्विस संसद में लिबरल पार्टी के सांसद हांस-पीटर पोर्टमैन ने भी डील पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पहले से ज्यादा कीमत पर अब ये विमान खरीदना स्विस जनता के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा, ट्रंप के टैरिफ के बाद इस डील को जस का तस रखना लोगों को चुभेगा। हमें आंशिक या पूर्ण रूप से इस डील से बाहर निकलने की संभावना पर विचार करना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने स्विट्जरलैंड पर 39 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है।

अब भारत से व्यापारिक डील पर कोई बात नहीं होगी : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ बढ़ाए जाने के मामले में यूएस के विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि ये अमेरिका के हित में नहीं है। इसके बाद भी जिद पर अड़े राष्ट्रपति के तेवर कम नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब भारत के साथ किसी भी तरह की व्यापारिक डील पर बात नहीं होगी। उनका यह बयान तब आया है जब यूएस के एक्सपर्ट्स चेतावनी दे रहे हैं कि भारत पर लगातार टैरिफ बढ़ाना अमेरिका के हित में नहीं है। ट्रंप ने एक नया आदेश जारी कर भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ थोप दिया, जिससे कुल टैक्स अब 50 प्रतिशत हो गया है। ट्रंप से वॉशिंगटन में ओवल ऑफिस में जब एक पत्रकार ने पूछा कि 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद क्या बातचीत शुरू होगी, उन्होंने कहा कि नहीं, पहले मसला (टैरिफ) सुलझे, फिर बात होगी।

बता दें कि भारत लंबे समय से अपने कृषि और डेयरी सेक्टर को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से बचाता रहा है, क्योंकि इनसे करोड़ों किसानों की आजीविका जुड़ी है। ट्रंप भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वह इन सेक्टर्स को खोल दे, लेकिन भारत अपने किसानों के हक में अड़ा हुआ है। यह टकराव अब दोनों देशों के बीच व्यापारिक जंग को और गहरा कर रहा है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि भारत का रूस से तेल खरीदना, चाहे सीधे हो या बिचौलियों के जरिए, अमेरिका के लिए खतरा है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति के बयान पर भड़का चीन, बोला- आग से न खेलें

बीजिंग,(ईएमएस)। भारत के दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने ताइवान युद्ध को लेकर बड़ा ऐलान किया है। मार्कोस ने कहा कि अगर चीन और ताइवान में जंग छिड़ती है तो फिलीपींस इससे दूर नहीं रह सकता है। मार्कोस से भारतीय मीडिया ने सवाल किया कि अगर ताइवान युद्ध छिड़ता है तो क्या वह अमेरिकी सेना को अपने संसाधन और सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने देंगे। मार्कोस ने इसका जवाब नहीं दिया लेकिन अपने देश की बेहद अहम भौगोलिक स्थिति का जिक्र किया।

राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर के इस बयान पर चीन आगबबूला हो गया है। मनीला में चीन के दूतावास ने इस बयान पर आपत्ति जताई है। साथ ही चीन के विदेश मंत्रालय ने एक चीन नीति की याद भी फिलीपींस को दिलाई है। मार्कोस ने कहा कि इसके बारे में बहुत व्यवहारिक होने की जरूरत है। अगर ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका में संघर्ष छिड़ता है तो इसका सवाल ही नहीं है कि फिलीपींस इससे बाहर रहे। इसकी वजह हमारी भौगोलिक स्थिति है।

मार्कोस ने कहा कि ताइवान का काओहसिउंग इलाका फिलीपींस के लाओआग से फ्लाइट से मात्र 40 मिनट की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि अगर आपके इसके बारे में सोचते हैं कि एक पूर्ण युद्ध छिड़ता है तो हम इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कि हम अपने क्षेत्र और हमारी संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी तादाद में फिलीपींस के लोग ताइवान में काम करते हैं। अगर चीन हमला करता है तो यह फिलीपींस के लिए एक बहुत बड़ा मानवीय संकट होगा। बता दें ताइवान में करीब 160,000 लाख फिलीपींस के लोग काम करते हैं। मार्कोस ने कहा कि वह अपने लोगों को वहां से वापस लाने के लिए हर संसाधन का इस्तेमाल करेगा।

राष्ट्रपति मार्कोस के इस बयान पर चीन का विदेश मंत्रालय भड़क गया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश इस बयान का कड़ा विरोध करता है। वहीं फिलीपींस में चीनी दूतावास ने फिलीपींस की सरकार से इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

अब चीन को आंख दिखाएगा जापान, एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट किए तैनात

टोक्यो (ईएमएस)। जापान ने अमेरिका से खरीदे 23.11 अरब डॉलर करीब 1.93 लाख करोड़ के एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट्स की पहली खेप तैनात कर दी है। ये फाइटर जेट मियाजकी प्रांत के न्यूताबरारु एयरबेस पर पहुंचे हैं। इंडो-पैसिफिक में चीन की आक्रामकता के चलते यह कदम उठाया है। जापान इन जेट्स को जेएस ईज्यूमो और जेएस कागा नाम के हेलिकॉप्टर कैरियर्स से ऑपरेट करेगा, जिन्हें अब एयरक्राफ्ट कैरियर्स में बदला जा रहा है। दोनों युद्धपोतों पर परीक्षण सफल रहे हैं और 2027 से इज्यूमो पर और 2028 से कागा पर एफ-35बी की तैनाती शुरू हो जाएगी। एफ-35बी एक स्टील्थ फाइटर जेट है, जिसमें शार्ट टेकऑफ और वर्टिकल लैंडिंग क्षमता है। इसका मतलब ये जेट बिना लंबी रनवे के उड़ सकता है और कहीं भी उतर सकता है, चाहे वो विमानवाहक पोत हो या छोटा एयरस्ट्रिप। जापान ने कुल 147 एफ-35 फाइटर जेट्स खरीदने का प्लान तैयार किया है। 105 एफ-35ए (सीटीओएल) और 42 एफ-35बी (एसटीओवीएल)। इसके साथ ही वह अमेरिका के बाद एफ-35 का दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेटर बन जाएगा। इन जेट्स के लिए 23.11 बिलियन डॉलर की डील हुई थी। इन जेट्स से जापान चीन के खिलाफ अपने दक्षिणी द्वीपों की सुरक्षा को मजबूत कर रहा है। मेगासिमा द्वीप पर एक नया रनवे तैयार किया जा रहा है, ताकि एफ-35बी के उड़ान अभ्यास वहां हो सकें। हालांकि 2030 तक न्यूतबरु एयरबेस से ही ट्रेनिंग होगी।

जापान ने नगोया में एफएसीओ फैसिलिटी भी बनाई है, जहां एफ-35ए की असेंबली और मरम्मत होती है। हालांकि एफ-35बी अमेरिका के टैक्सेस स्थित लॉकहीड मॉर्टिन प्लांट में बनाए जा रहे हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि 2025 में आठ और एफ-35बी डिलीवर होंगे। कुल 12 जेट्स की डिलीवरी का शेड्यूल तय किया जा रहा है।

पीएम मोदी की चीन यात्रा की खबर आते ही अमेरिका के बदले सुर, कहा- खुले हैं बातचीत के दरबाजे

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। ये खबर आते ही अमेरिका के सुर बदल गए। व्हाइट हाउस से बयान आया कि भारत उसका रणनीतिक साझेदार है और उनके लिए बातचीत के दरवाजे खुले हुए हैं। इससे पहले बयान आया था कि भारत से अब अमेरिका किसी तरह की कोई बातचीत नहीं करेगा।

पीएम मोदी के चीन दौरे को लेकर अमेरिका के व्हाइट का बयान आया है। दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूएस डिपार्टमेंट को डिप्टी स्पोक्सपर्सन टॉमी पिगॉट से पत्रकारों ने पीएम मोदी के दौरे को लेकर सवाल किया, तो यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने बताया कि भारत हमारा एक रणनीतिक साझेदार बताते हुए पूर्ण और स्पष्ट बातचीत जारी रखने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम हर बार 100 प्रतिशत सहमत नहीं होते और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी चिंताओं को लेकर स्पष्ट रहे हैं।' वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने पिगॉट से पूछा कि क्या चीन और अन्य ब्रिक्स देश अमेरिका के ट्रेड वार को लेकर विरोध का नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं? इस पर उनका जवाब आया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि भारत के साथ बातचीत 'जारी रहेगी।

पिगॉट ने भारत के साथ अमेरिका के टेंशन को लेकर कहा 'भारत के संदर्भ में मैं यही कह सकता हूं कि राष्ट्रपति व्यापार असंतुलन और रूसी तेल की खरीद को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में बहुत स्पष्ट रहे हैं। आपने उन्हें इस पर सीधे कार्रवाई करते देखा है। भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम पूरी और स्पष्ट बातचीत करते हैं। यह जारी रहेगी।' यह पूछे जाने पर कि क्या वाशिंगटन में भारत के साथ 'बिगड़ते संबंधों' और नई दिल्ली के चीन के 'करीब आने' की संभावना को लेकर चिंताएं हैं। पिगॉट ने कहा कि सीधे संवाद के ज़रिए ही आपसी मतभेदों को दूर किया जा सकता है। पिगॉट ने कहा, 'यह ईमानदारी और फुल-फ्रैंक बातचीत की बात है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी चिंताओं को लेकर साफ किया है, चाहे वह रूसी तेल की खरीद के बारे में हो या व्यापार असंतुलन के बारे में। उन चिंताओं को दूर करना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति बहुत स्पष्ट रहे हैं। इसलिए एक स्पष्ट और पूर्ण बातचीत से ही मतभेतदों को सुलझाया जा सकता है। अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने का यही अर्थ है, उन चिंताओं को दूर करने के लिए भागीदारों के साथ पूर्ण राजनयिक संवाद करने का यही अर्थ है जिनका हमें समाधान देखना है।

गलवान संघर्ष के बाद पहली बार चीन की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2020 के गलवान संघर्ष के बाद पहली बार चीन दौरे पर जा रहे हैं। वह शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने चीन जा रहे हैं। उनका दौरा 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच रह सकता है। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए भी खास है कि जब पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान है। ऐसे में सबकी नजरें- ब्रिक्स के देशों पर टिकी हुई हैं। पीएम के दौरे को लेकर अमेरिका संसद व्हाइट हाउस का भी बयान आया है।

पेरु में पुरातत्वविद पयूमापे टेंपल में मिली एक खोपड़ी की जांच करते हुए। इससे उस समय की प्रचलित प्रथाओं का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति के लिए नदी का जलस्तर बढ़ाने पर विवाद

वाशिंगटन,(ईएमएस)। हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के जन्मदिन के मौके पर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, 2 अगस्त को अपने जन्मदिन के मौके पर वेंस ओहियो की लिटिल मियामी नदी में नौकायन करना चाहते थे, लेकिन तब नदी का जलस्तर कम था। इसके बाद वेंस के अनुरोध पर जो कुछ हुआ उससे विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने अमेरिकी सेना के इंजीनियरों के कोर (यूएसएसीआई) से अनुरोध किया कि वे सीजर क्रीक झील से लिटिल मियामी नदी में अधिक पानी छोड़ें, ताकि वेंस और उनका परिवार नौकायन का आनंद ले सकें। यूएसएसीई ने भी अनुरोध की पुष्टि की है। सार्वजनिक रूप से मौजूद आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त के शुरुआती दिनों में नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी हुई और झील का जलस्तर घट गया।

बीजिंग में आगामी चाइना फैशन वीक के लिए ऑडिशन देती हुई मॉडल्स।

गाजा के घायल निवासियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगा यह मुस्लिम देश....ट्रंप का कनेक्शन

वाशिंगटन,(ईएमएस)। गाजा में लगातार हो रहे इजरायली हमलों के बीच, दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया ने घायलों की मदद के लिए हाथ बढ़ा दिया है। इंडोनेशिया की सरकार ने गाजा के करीब 2,000 घायल निवासियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने की योजना तैयार की है। उन्हें सुमात्रा द्वीप के पास स्थित गलंग द्वीप पर लाकर इलाज होगा। यह द्वीप पहले वियतनामी शरणार्थियों के लिए एक शिविर हुआ करता था। यह कदम तब उठाया गया है, जब यह चर्चा हो रही है कि क्या इंडोनेशिया यह फैसला डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में ले रहा है, या फिर यह मुस्लिम मानवता का एक उदाहरण है। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के प्रवक्ता, हसन नासबी के अनुसार, 2,000 घायल गाजा निवासियों को गलंग द्वीप पर लाया जाएगा। यह सुविधा घायलों के इलाज के साथ-साथ उनके परिवारों को अस्थायी रूप से रहने की जगह भी देगी। एक बार जब रोगी ठीक हो जाएंगे, तब उन्हें वापस गाजा भेज दिया जाएगा। हालांकि, प्रवक्ता ने इस प्रक्रिया के समय या वापसी की गारंटी के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। यह घोषणा तब हुई है जब कुछ महीने पहले ही एक रिपोर्ट आई थी कि अमेरिका, इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की मदद से, इंडोनेशिया सहित कई देशों को गाजा से लाखों फिलिस्तीनियों को शरण देने के लिए मना रहा है। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने उस समय इस रिपोर्ट का खंडन किया था। इसके अलावा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के घायल फिलिस्तीनियों को शरण देने के प्रस्ताव की वहां के शीर्ष मौलवियों ने भी आलोचना की थी। उनका मानना था कि यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फिलिस्तीनियों को गाजा से स्थायी रूप से हटाने के सुझाव जैसा लगता है। हालांकि, इंडोनेशिया का कहना है कि यह एक मानवीय पहल है और घायलों को इलाज के बाद उनके घर वापस भेज दिया जाएगा। इंडोनेशिया की यह घोषणा जुलाई में एक रिपोर्ट के बाद आई है जिसमें बताया गया था कि इजरायल की मोसाद जासूसी एजेंसी के निदेशक ने इंडोनेशिया, लीबिया और इथियोपिया सहित कई देशों को गाजा से लाखों फ़िलिस्तीनियों को शरण देने के लिए मनाने में अमेरिका की मदद लेने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया था। तब इंडोनेशियाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट का स्पष्ट रूप से खंडन करते हुए कहा था कि सरकार ने इस तरह की योजना पर कभी किसी से चर्चा नहीं की।

पाक आर्मी चीफ फिर जा रहे अमेरिका, कुरिल्ला की रिटायरमेंट सेरेमनी में होंगे शामिल

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान आर्मी के चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर एक बार फिर अमेरिका जाने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दो महीने में यह उनका दूसरा दौरा होगा। जून में मुनीर ने अमेरिका की पांच दिनों की यात्रा की थी। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'हलाल लंच' पर बुलाया था। इस बैठक के बाद ट्रंप ने अमेरिका-पाकिस्तान के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का ऐलान किया था, जिसमें एक तेल समझौता भी शामिल है। अब एक बार फिर मुनीर अमेरिका जा रहे हैं। इस बार वह अमेरिकी सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला के रिटायरमेंट सेरेमनी में शामिल होंगे, लेकिन इस यात्रा से पहले मुनीर ने पीएम शहबाज की टेंशन बढ़ा दी है।

पाकिस्तान में अटकलें लग रही हैं कि असीम मुनीर राष्ट्रपति बनने की योजना बना रहे हैं। यह अटकलें इतनी तेजी से बढ़ रही हैं कि पाकिस्तानी सेना को सफाई देनी पड़ी कि सेना प्रमुख ऐसा कुछ नहीं करने वाले, लेकिन बिना आग के धुआं नहीं उठता। खुद को प्रमोट करके फील्ड मार्शल बने मुनीर तख्तापलट भी कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें अब अमेरिका का पूरा सपोर्ट है। यह शहबाज शरीफ की टेंशन बढ़ाने वाला है। हालांकि उनकी इस बार की अमेरिका यात्रा का टारगेट कुछ अलग है। इस बार पाकिस्तानी सेना प्रमुख का अमेरिका दौरा इसलिए है क्योंकि वह अमेरिकी सेंट्रल कमांड से अपने रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। पाकिस्तान की सरकार ने पिछले महीने जनरल कुरिल्ला को निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा था। इसके अलावा जनरल कुरिल्ला ने कांग्रेस में पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी प्रयासों में 'बेहतरीन साझेदार' बताया था। अब वह रिटायर होने वाले हैं, ऐसे में मुनीर नए सेंटकॉम चीफ से अपने रिश्ते मजबूत करने पहुंच रहे हैं। नए सेंटकॉम चीफ डिप्टी एडमिरल ब्रैड कूपर होंगे।

आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच समझौता कराएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन,(ईएमएस)। शांति नोबल पुरस्कार के लिए ताबड़तोड़ मेहनत कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। जो उनकी बात नहीं मान रहा है वो उस पर भारी भरकम टैरिफ लगा देते हैं। ट्रंप ने सत्ता में आने से पहले दावा किया था कि वह रूस और यूक्रेन की जंग को खत्म कर देंगे। अभी वह इसमें कामयाब नहीं हो सके हैं, लेकिन दुनिया के दूसरे कोने में मौजूद दो देशों की दुश्मनी को वह कथित तौर पर खत्म कराते दिख रहे हैं। यह दो देश हैं आर्मेनिया और अजरबैजान, जिनके बीच दशकों खूनी संघर्ष देखा गया है। 37 साल पहले सबसे पहली लड़ाई हुई थी। अब विवाद को खत्म करने की दिशा में ट्रंप काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने ऐलान किया है कि व्हाइट हाउस में आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जोश भरे अंदाज में लिखा, 'कई नेताओं ने इस जंग को रोकने की कोशिश की, मगर कामयाबी सिर्फ 'ट्रंप' को मिली।' यह डील न सिर्फ दोनों देशों के बीच शांति लाएगी, बल्कि साउथ काकेशस में बंद पड़े व्यापारिक रास्तों को भी खोलेगी। इस समझौते में सबसे महत्वपूर्ण चीज 43 किलोमीटर लंबा 'ट्रंप रूट फॉर इंटरनेशनल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी',जो अजरबैजान को उसकी नखचिवान क्षेत्र से जोड़ेगा। इस रास्ते में रेल, तेल-गैस पाइपलाइन और फाइबर ऑप्टिक लाइनें होंगी, जो व्यापार और लोगों की आवाजाही को आसान बनाएंगी। खास बात यह है कि अमेरिका को इस रास्ते को विकसित करने का विशेष अधिकार मिलेगा, और इसे प्राइवेट कंपनियां बनाएंगी।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवाद का असली कारण 1980 के दशक से शुरू होता है। दोनों देशों में नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र को लेकर लड़ाई है। यह इलाका अजरबैजान का हिस्सा है, लेकिन यहां रहने वाली ज्यादातर आबादी आर्मेनियाई थी। 1991 में सोवियत संघ से टूटने के बाद दोनों देश आजाद हुए, मगर जंग बनी रही। 1990 के दशक में हुए युद्ध में 30,000 लोग मारे गए, और 2020 में 44 दिनों की लड़ाई में 6,700 लोग जान गंवा बैठे।

आतंकवाद को लेकर बोले नेतन्याहू- मुझे भारत की बहुत याद आती है मैं आना चाहता हूं

यरुशलम (ईएमएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि खुफिया जानकारी साझा करने, आतंकवाद से निपटने और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत-इजरायल सहयोग को और प्रगाढ़ करने की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत आना चाहूंगा। मुझे भारत की याद आती है। यह पूछे जाने पर कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत की मदद की थी, नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष से बहुत पहले उनके देश द्वारा भारतीय सेना को उपलब्ध कराए गए उपकरणों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

नेतन्याहू ने कहा, हम इन्हें प्रयोगशालाओं में नहीं, बल्कि युद्धक्षेत्र में विकसित करते हैं। इसलिए इनका युद्ध-परीक्षण किया जाता है। हमारे बीच मज़बूत रक्षा सहयोग है। इसकी बुनियाद काफ़ी मज़बूत है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इजरायल दोनों ही सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने प्रस्ताव किया कि इजराइल भारत की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर सकता है।नेतन्याहू ने इजरायल के दौरे पर आए भारतीय पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि वह 'शीघ्र ही' भारत की यात्रा करना चाहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में आए तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों को इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रंप से निपटने के बारे में कोई सलाह देंगे, इजरायली नेता ने मजाकिया लहजे में कहा कि वह ऐसा निजी तौर पर करेंगे। नेतन्याहू ने कहा, मोदी और ट्रंप मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हां, मैं मोदी को (ट्रंप से निपटने के बारे में) कुछ सलाह दूंगा, लेकिन निजी तौर पर। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में बुनियादी समझ है। संबंधों का आधार बहुत ठोस है। भारत और अमेरिका के हित में होगा कि वे एक आम सहमति पर पहुंचें और शुल्क मुद्दे को सुलझाएं। इजरायली प्रधानमंत्री कहा, ऐसा समाधान इजरायल के लिए भी अच्छा होगा क्योंकि दोनों देश हमारे मित्र हैं।

उन्होंने कहा, भारत एक विशाल देश है और हर जगह निगरानी रखना आसान नहीं है। हम हवाई निगरानी प्रणाली में भारत की मदद करने के लिए तैयार हैं। खुफिया जानकारी के अलावा, हमें आतंकवादियों को हमला करने से पहले ही पकड़ने के लिए भौतिक क्षमता की भी आवश्यकता है। नेतन्याहू ने कहा, आपको हमेशा आगे रहना होगा, उन्हें आपको तोड़ने की अनुमति नहीं देनी होगी, आपको उनके द्वारा रची जा रही साजिश से पहले ही कार्रवाई करनी होगी। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका देश बेंगलुरु और तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान शुरू करने का इच्छुक है।

पीएम नेतन्याहू ने बताया मकसद बोले- केवल हमास का खात्मा करना है

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि वो गाजा पर हुकूमत करना नहीं चाहते हैं, बल्कि हमास का नामोनिशान मिटाना चाहते हैं। इसके लिए वो पहले से संकल्पित हैं और हमास का समूल नष्ट करके ही रहेंगे। अमेरिकी मीडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि गाजा को हमास से मुक्त करने और वहां की आबादी को सुरक्षित करने के लिए इजरायल पूरे 26 मील के क्षेत्र पर नियंत्रण लेगा। उन्होंने कहा, हम इसे रखना नहीं चाहते। हम एक सुरक्षा परिधि बनाएंगे, लेकिन हम इसे शासकीय निकाय के रूप में नियंत्रित नहीं करना चाहते।

नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल गाजा को एक ऐसी अरब शक्ति को सौंपना चाहता है जो उचित शासन करे, इजरायल के लिए खतरा न बने और गाजा के लोगों को बेहतर जीवन प्रदान करे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि न तो हमास और न ही फिलिस्तीनी अथॉरिटी (पीए) को गाजा का नियंत्रण दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य गाजा पर कब्जा करना या उसे अपने साथ मिलाना नहीं है। हमारा उद्देश्य हमास को नष्ट करना, बंधकों को वापस लाना और फिर गाजा को एक अस्थायी सरकार के हवाले करना है जो न तो हमास हो और न ही कोई ऐसा समूह जो इजरायल के विनाश की वकालत करता हो। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल सुरक्षा प्रदान करेगा और एक सुरक्षा परिधि स्थापित करेगा। उन्होंने दावा किया कि अगर हमास हथियार डाल दे और बंधकों को रिहा कर दे, तो युद्ध कल ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा के कुछ फिलिस्तीनी भी हमास के खिलाफ लड़ रहे हैं। हालांकि, नेतन्याहू के बयानों को हमास ने पूरी तरह खारिज कर दिया। जॉर्डन ने भी कहा कि वह गाजा के भविष्य के लिए केवल वही फैसले स्वीकार करेगा जो फिलिस्तीनियों की सहमति से हों। अरब देशों ने गाजा के पुनर्निर्माण में मदद की इच्छा जताई है, लेकिन उन्होंने पीए की भागीदारी को अनिवार्य बताया है, क्योंकि वे वेस्ट बैंक और गाजा में एक ही शासकीय निकाय के जरिए दो-राज्य समाधान की दिशा में काम करना चाहते हैं। नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी की भूमिका को खारिज कर दिया है और हमास के लिए कोई व्यवहार्य विकल्प पेश करने से भी इनकार किया है, जिसके कारण आलोचकों का कहना है कि युद्ध अनावश्यक रूप से लंबा खिंच रहा है।

एशिया कप में भारत-पाक मैच रद्द होने की संभावना नहीं

मुम्बई (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बची आठ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टीम को 14 सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। इस मैच का विरोध भी हो रहा है और कहा जा रहा है कि पाक जिस प्रकार से आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है। उससे भारतीय टीम को इस मैच का बहिष्कार करना चाहिये हालांकि ये संभव नजर नहीं आता। वहीं इस मामले में अभी तक भारत सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये मैच रद्द होना इतना आसान नहीं है। वहीं अमीरात क्रिकेट बोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुभान अहमद ने कहा, 'जब एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में खेलने का फैसला इसमें शामिल सभी सरकारों की सहमति से होता है। उसके बाद ही कार्यक्रम जारी किया जाता है। ऐसे साफ है कि यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) जैसी स्थिति नहीं होगी। ' वहीं इससे पहले हुए पूर्व क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में इंडिया चैम्पियंस के खिलाड़ियों ने मैच का बहिष्कार कर दिया था। जिससे ये मैच नहीं हो पाया। इसी को लेकर मुख्य परिचालन अधिकारी ने कहा, 'हम कोई गारंटी नहीं दे सकते पर एशिया कप जैसे टूर्नामेंट की तुलना किसी निजी इवेंट से करना सही नहीं होगा।' एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है हालांकि सारे मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में मेजबान यूएई के खिलाफ होगा। भारत और पाक के बीच अंतिम बार मुकाबला 9 जून 2024

को न्यूयॉर्क में हुए टी20 विश्व कप के दौरान हुआ था।

ऋषभ एशिया कप से बाहर हुए

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण एशिया कप 2025 से बाहर हो गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड दौरे के चौथे टेस्ट मैच में पैर में एक गेंद लगी थी जिससे उनका अंगूठा फ्रैक्चर हो गया था इस कारण वह छह सप्ताह तक खेल से बाहर हो गये हैं। वहीं एशिया कप 9 सितंबर से शुरु हो रहा है और तब तक उनका फिट होना संभव नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ एशिया कप के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ अक्टूबर में होने वाली टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल पायेंगे।

गौरतलब है कि एशिया कप 2025 9 से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। इसके बाद भारत को अपनी धरती पर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैच की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्टूबर को खेला जाएगा। अगर ऋषभ इस सीरीज से भी बाहर हो जाते हैं तो उनकी वापसी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हो सकती है जहां भारतीय टीम को 3 मैच की एकदिवसीय और 5 मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। अगर इस सीरीज में भी उन्हें अवसर नहीं मिलता तो उन्हें नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैच की सीरीज में अवसर मिलेगा। मैनचेस्टर टेस्ट में तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप शॉट लगाने के प्रयास में ऋषभ के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। वोक्स की गेंद सीधे ही उनके पैर पर लगी थी जिसके बाद वह मैदान पर पैर भी नहीं रख पाये। उन्हें गोल्फ कार्ट में बिठाकर बाहर लाया गया। इसके बाद स्कैन में पता चला कि उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ है, हालांकि इसके बाद भी वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने अर्धशतक लगाकर मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

श्रेयस अय्यर की टी20 और टेस्ट टीम में वापसी होगी

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अब एक बार फिर टेस्ट और टी20 टीम में जगह मिलेगी। पिछले काफी समय से उन्हें इन दोनो प्रारुपों में जगह नहीं मिली है। श्रेयस ने अंतिम बार साल 2023 में आखिरी और 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम बार टेस्ट मैच खेला था। वहीं माना जा रहा है कि अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें टीम में जगह दे सकता है। हाल ही में हुए इंग्लैंड दौरे पर भी उन्हें नजर अंदाज किया गया था पर टीम प्रबंधन को मध्यक्रम में उनकी कमी का अनुभव हुआ है। इसका कारण है कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज हैं और उनकी जगह कोई भी बल्लेबाज भर नहीं पाया है। इंग्लैंड दौरे में करुण नायर को नंबर-3, 5 और 6 पर मौके मिले पर वह सफल नहीं हुए।

एक रिपोर्ट के अनुसार अय्यर को टी-20 और टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। चयनकर्ता इसी माह एशिया कप के लिए टीम चयन के समय ही उनके नाम पर विचार करेंगे। एशिया कप 9 सितंबर से टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इसके अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अक्टूबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। टीम प्रबंधन को सभी प्रारुपों के लिए मध्यक्रम में अय्यर जैसे ही अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है। इसकी टीम को इंग्लैंड दौरे में कमी महसूस हुई। चयनकर्ताओं को पता है कि अय्यर स्पिन को काफी अच्छे से खेलते हैं। घरेलू सत्र में वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो-दो टेस्ट मैचों की सीरीज में प्रभावी रहेंगे

अय्यर को दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन की टीम में रखा गया है। अय्यर पीठ की समस्या और खराब फॉर्म के कारण पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम से बाहर होने के बाद से ही टेस्ट मैचों में टीम से बाहर चल रहे हैं। चयनकर्ताओं का मानना है कि पिछले बार घरेलू क्रिकेट में खेलने से इंकार करने के अलावा अय्यर ने कोई गलती नहीं की। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी खेलने तैयार हो गये हैं। ऐसे में उन्हें शामिल करने में कोई गलती नहीं है।

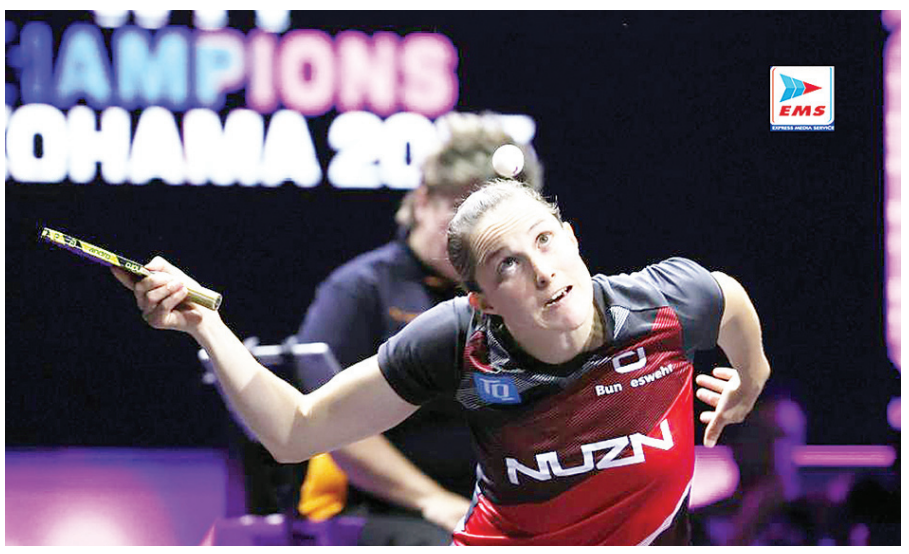

जापान में सबीना विंटर डब्ल्यूटीटी चैम्पियंस योकोहामा में खेलती हुई।

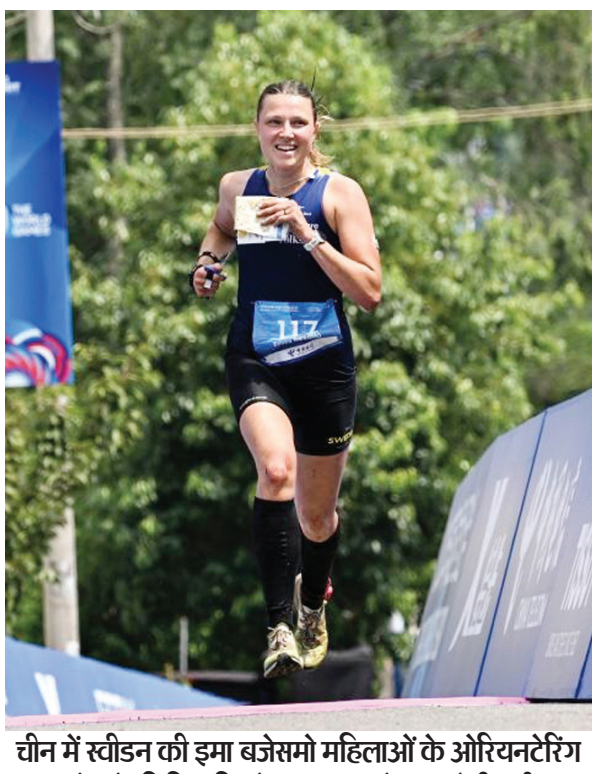

चीन में स्वीडन की इमा बजेसमो महिलाओं के ओरियनटेरिंग इवेंट के मिडिल डिसटेंस फाइनल में भाग लेती हुई।

28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरु होगी दलीप ट्रॉफी 2025, सभी छह टीमें घोषित हुईं

11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 28 अगस्त से बेंगलुरु में होगी। इस टूर्नामेंट में शामिल हो रही सभी 6 टीमें साउथ जोन, सेंट्रल जोन, वेस्ट जोन, ईस्ट जोन, नॉर्थ जोन और नॉर्थईस्ट जोन घोषित कर दी गयी हैं। टूर्नामेंट के सभी मैच सेंटर ऑफ एक्सेलेंस, बेंगलुरु में खेले जाएंगे। वहीं फाइनल मैच 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। 28 अगस्त से 31 अगस्त तक नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन, सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मैच खेला जाएगा। इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करने वाली टीमें 4 से 8 सितंबर के बीच वेस्ट जोन और साउथ जोन से खेलेंगी। फाइनल 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में शुभमन गिल, यशस्वी जायस्वाल और शार्दुल ठाकुर भी खेलते दिखेंगे।

नॉर्थ जोन टीम

शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

नॉर्थ ईस्ट जोन टीम की घोषणा फिलहाल नहीं की गई है।

वेस्ट जोन टीम

शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हरविक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, ऋतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवले, शम्स मुलानी, तनुश कोटियान, धर्मेंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, अरजान नागवासवाला।

साउथ जोन टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उप-कप्तान और विकेटकीपर), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), टी विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैशाख, एमडी निदीश, रिकी भुई, बेसिल एनपी, गुरजपनीत सिंह और स्नेहल कौठनकर।

सेंट्रल जोन टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान और विकेटकीपर), रजत पाटीदार (उपकप्तान), अर्यन जुरेल (विकेटकीपर), दिनेश मलवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभमन शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद।

ईस्ट जोन टीम

ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मोहम्मद शमी।

आईसीसी की 2 टियर डब्ल्यूटीसी प्रणाली अपनाने को तैयार नहीं इंग्लैंड

लंदन (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया जहां 2 टियर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्रणाली को अपनाने के लिए तैयार है। वहीं इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इसके लिए तैयार होता नजर नहीं आता दिख रहा है। आईसीसी ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज के नेतृत्व में एक वर्किंग ग्रुप बनाया था, जिसका लक्ष्य जुलाई 2027 में शुरू होने वाले अगले चक्र से पहले डब्ल्यूटीसी में सुधार करना था। जुलाई में आईसीसी के सालाना सम्मेलन में भी 2 टियर सिस्टम पर सबसे काफी महत्वपूर्ण चर्चाएं हुई थी। गौरतब है कि टू-टियर टेस्ट क्रिकेट पर पिछले 15 साल से भी ज्यादा समय से बहस चल रही है। आईसीसी ने साल 2009 में ही इसे लागू करने की अपनी इच्छा जताई थी। हालांकि कुछ पूर्ण सदस्य अलग-अगल कारणों से इससे सहमत नहीं हैं। इंग्लैंड और भारत के बीच ओवल टेस्ट के पहले दिन ईसीबी के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा कि टी20 लीगों के व्यस्त कैलेंडर के कारण द्विपक्षीय क्रिकेट का महत्व कम हो रहा है और ज्यादातर देशों में टेस्ट क्रिकेट को भारी नुकसान हुआ है। थॉम्पसन ने कहा था कि आईसीसी टेस्ट क्रिकेट के लिए 2 टियर मॉडल पर विचार कर रहा है हालांकि उन्हें भरोसा नहीं है कि यह सही होगा या नहीं।

उन्होंने कहा, हमें कई विकल्पों पर विचार करना होगा। 2-टियर सिस्टम उनमें से एक होगा। हम नहीं चाहेंगे कि इंग्लैंड के रूप में हम एक खाली दौर से गुजरें और इसका मतलब है कि हम डिवीजन दो में आ जाएं और ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ न खेलें? ऐसा नहीं हो सकता। यहां समझदारी से काम लेने की जरूरत है। थॉम्पसन का मानना था कि वर्तमान में डब्ल्यूटीसी में ही बदलाव करना एक बेहतर रहेगा। उन्होंने उदाहरण के तौर पर दक्षिण अफ्रीका द्वारा ऑस्ट्रेलिया को हराकर 2023-25 डब्ल्यूटीसी का विजेता बनने का उदाहरण दिया, जहां सही समर्थन से छोटे देश मजबूत दावेदार के रूप में उभर सकते हैं।

वहीं आईसीसी के लिए 2-टियर मॉडल पर स्पष्टता महत्वपूर्ण है, क्योंकि देशों ने अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2027-29) चक्र का हिस्सा बनने वाली द्विपक्षीय सीरीजों के लिए बातचीत शुरू कर दी है।

आईसीसी की योजना है कि बड़े और छोटे क्रिकेट बोर्ड मिलकर यह तय करें कि आगे से जो डब्ल्यूटीसी का चक्र शुरू हो तो उसमें 2-टियर सिस्टम लागू हो। इस समय 9 टीमें डब्ल्यूटीसी में खेल रही हैं, लेकिन आईसीसी चाहती है कि इसमें 12 टीमें हों, लेकिन 6-6 टीमें टियर 1 और टियर 2 में हों। टियर 1 वाली टीमें 5-5 दिवसीय मैच खेलें और टियर 2 वाली टीमें 4-4 दिवसीय टेस्ट खेलेंगे। जो टीम टियर 2 में अच्छा करे उसे टियर 1 में प्रमोट किया जाए और टियर 1 में खराब प्रदर्शन करने वाली टीम को डिमोट करके टियर 2 में भेजा जाए।

अब अगले साल जुलाई में फिर आमने-सामने होंगे भारत-इंग्लैंड

मुम्बई (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच अब अगले साल यानी जुलाई 2026 में एकबार फिर मुकाबले होंगे। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज अब 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच खेली जाएगी। इसमें पांच मैचों की टी-20 सीरीज भी खेली जाएगी। ये मुकाबले डरहम, मैनचेस्टर, नॉटिंघम, ब्रिस्टल और साउथेम्प्टन में खेले जाएंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज की घोषणा एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के बीच में ही कर दी थी। ईसीबी का लक्ष्य इस सीरीज से अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाना है।

टी20 सीरीज की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगी। टीम में हार्दिक पंड्या भी रहेंगे। पारी की शुरुआत संजू सैमसन और अभिषेक यादव करेंगे। रिंकू सिंह मैच फिनिशर के तौर पर उतरेंगे।

मांट्रियल में विक्टोरिया एमबोको टेनिस टूर्नामेंट में नओमी ओसाका को हराने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए।

शुभमन दिलीप ट्रॉफी में उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब दिलीप ट्रॉफी में उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करते दिखेंगे। शुभमन ने घरेलू क्रिकेट की शीर्ष स्पर्धा रणजी ट्रॉफी में पंजाब की कप्तानी भी की है। दलीप ट्रॉफी 2025 में उत्तरी क्षेत्र का मुकाबला पूर्व क्षेत्र से पहले क्वार्टरफाइनल मैच में बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। शुभमन ने पिछले साल भी दलीप ट्रॉफी में इंडिया ए टीम की कप्तानी की थी। नॉर्थ जोन की टीम में शुभमन के अलावा अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और अंशुल कंबोज का नाम भी शामिल है। ये सभी खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम का हिस्सा थे

वहीं बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पिछले सप्ताह ही पश्चिमी क्षेत्र की टीम में

शामिल किया गया था। इस टीम की कप्तानी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के पास है। यशस्वी के अलावा, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़ और सरफराज खान को भी पश्चिमी क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। वहीं मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा दक्षिणी क्षेत्र की कप्तानी करेंगे।

उत्तर क्षेत्र की टीम शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बदोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

कार्तिक ने शुभमन की प्रशंसा करते हुए उन्हें सुझाव भी दिया

भारतीय टीम के पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अपने पहले ही दौरे में उन्होंने सभी को प्रभावित किया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास के बाद शुभमन को कप्तानी सौंपी गयी थी और उन्होंने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। इंग्लैंड दौरे में टीम के अच्छे प्रदर्शन से उनका मनोबल भी आगे के मुकाबलों के लिए बढ़ा है। साथ ही कहा कि वह अपनी आक्रामकता पर कुछ नियंत्रण करें तो और भी बेहतर होगा। इसके अलावा शुभमन ने सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को भी करारा जवाव दिया है। सीरीज में उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए, जो किसी भारतीय कप्तान के किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन है। शुभमन ने अपनी कप्तानी से भी कई क्रिकेट विशेषज्ञ को प्रभावित किया है। कार्तिक ने उन्हें आगामी सीरीज के लिए कुछ सुझाव भी दिए है। कार्तिक ने कहा, वह कई बार आक्रामक रहे हैं। कभी कभी वह अधिक आक्रामक हो जाते हैं मेरा मानना है कि वह इसपर नियंत्रण करें। मुझे लगता है कि वह अपने बारे में यह बात कुछ हद तक बदलें। मुझे उम्मीद है कि वह इसे ज़्यादा नहीं बदलेंगे। कार्तिक ने आगे कहा, इस सीरीज में आते ही लोग पूछ रहे थे शुभमन, भारत से बाहर, उनका रिकॉर्ड बेहतर हो सकता है। और उन्होंने कहा, मैं दोनो टीमो में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनना चाहता हूं। आत्मविश्वास होना एक बात है, लेकिन आपको उसके साथ कौशल भी जोड़ना होगा। वह पूरी तैयारी के साथ आए थे। उनकी बल्लेबाजी में वापस आती गेंद के सामने थोड़ी कमजोरी थी। उन्होंने अपनी तकनीक पर काम करने और उसका सामना करने का तरीका निकाल लिया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई

बेंगलुरु (ईएमएस)। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई। भारतीय टीम को इस दौरे में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलनी है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि ये सीरीज इसलिए भी अहम है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई जैसी शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने से उसे एशिया कप की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को इससे अपने में सुधार करने के साथ ही अपनी कमजोरियों को दूस करने का अवसर मिलेगा। । हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'हम इस सीरीज को एशिया कप की तैयारी के एक अहम हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी क्षमता का आंकलन करने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने का है। हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिसमें हमें सुधार करने की जरुरत है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस सीरीज से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी सहायता मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम सीधे विश्व कप में प्रवेश मिलेगा।

टीम से बाहर होने के बाद भी चाहर की नेटवर्थ बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेज गेंदबाज दीपक चाहर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी उनकी नेटवर्थ बढ़ती जा रही है। चाहर ने भारतीय टीम के लिए एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 38 मैच खेलते हुए 47 विकेट लिए है। चाहर गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

उन्होंने अपना अंतिम मैच दिसंबर 2023 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध न मिलने के बाद भी उनकी नेटवर्थ कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसान चाहर की कुल संपत्ति तकरीबन 66 करोड़ रुपये रुपये है। इसमें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से हुई कमाई भी शामिल है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलमी में उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। दीपक चाहर ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करते हैं। चाहर ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था। इस दौरान 9 साल में उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 95 मैच खेले हैं। जिसमें 8.13 के इकॉनमी रेट से 88 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उनके नाम 95 मैचों में 117 रन हैं।

टेलर ने सबसे लंबे टेस्ट केरियर के मामले में एंडरसन को पीछे छोड़ा

बुलावाये (ईएममएस)। जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर ने साढ़े तीन साल के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए अपने पहले ही मैच में सबसे लंबे टेस्ट करियर (21 साल 93 दिन) के इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के रिकार्ड को तोड़ दिया है। टेलर ने ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में बनाया। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेलर पर जनवरी 2022 में प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के तहत 2019 की एक घटना से जुड़े चार आरोपों को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने भारत के व्यवसाइयों से 15,000 डॉलर स्वीकार किए थे, जिन्होंने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैच फिक्स करने के लिए लिए थे पर कोई मैच मैच फिक्स नहीं किया। उन्हें प्रतिबंधित स्टिमुलेंट बेंजॉयलकोग्नाइन की जांच में पॉजिटिव पाये जाने के कारा डोपिंग उल्लंघन का भी दोषी पाया गया था। ब्रेंडन टेलर करीब 3 साल 10 महीने बाद जिम्बाब्वे की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार सितंबर 2021 में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। जिम्बाब्वे इस साल अपना 9वां टेस्ट खेलने उतरा है। पिछली बार उन्होंने 9 से ज्यादा टेस्ट मैच 2001 में खेले थे, जब उन्होंने एक साल में 11 टेस्ट खेले थे। अपने 35वें टेस्ट में खेलते हुए टेलर ने 21वीं सदी में पदार्पण करने वाले सभी क्रिकेटरों में सबसे लंबे टेस्ट करियर के मामले में एंडरसन को पीछे छोड़ दिया। अब उनके आगे केवल भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही हैं। तेंदुलकर ने 24 साल तक अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था।

धवन को आई बेटे जोरावर की याद, पोस्ट भी साझा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय रहते हैं। धवन ने अब एक पोस्ट साझा की इसमें वह अपने बेट जोरावर सिंह को याद कर भावुक हो गये। धवन ने अपनी पोस्ट में बेटे जोरावर को लेकर एक संदेश भी लिखा है। धवन का अपनी पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक हो गया था। इसके बाद से उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया में अपनी मां आयशा के साथ रहता है। अदालत के आदेश के अनुसार, धवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में ज़ोरावर से मिलने की अनुमति है और वह निर्धारित वीडियो कॉल के जरिये भी उससे संपर्क कर सकते हैं। धवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ' डब्ल्यूसीएल में जब मैंने दोस्तों को अपने बच्चों के साथ खेलते देखा तब लगा कि काश जोरावर यहां होता। यह एक अलग तरह की खुशी होती। बाद में, मुझे उसके बचपन की कुछ तस्वीरें मिलीं जिससे कई यादें ताजा हो गयीं। कुछ पल वास्तव में दिल के सबसे करीब रहते हैं।' धवन ने जोरावर के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें धवन, रोहित शर्मा, उनकी बेटी समायरा और ज़ोरावर के साथ एक प्यार सी तस्वीर है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स समापत होने के बाद धवन की इस पोस्ट ने प्रशंसकों को भी भावकु कर दिया है।

रेप के आरोप में पाक क्रिकेट गिरफ्तार

लंदन (ईएमएस)। पाकिस्तान का एक क्रिकेटर इंग्लैंड दौरे में गिरफ्तार हुआ है। हैदर अली नाम के इस क्रिकेटर पर बलात्कार का आरोप लगा है। जिससे पाक टीम एक बार फिर विवादों में आ गयी है। हैदर अली को मैच के दौरान ही पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह पाक ए टीम शाहीन के साथ इंग्लैंड के दौरे पर था। पाक क्रिकेटर पर एक लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया था। इस मामले के सामने आने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उसे निलंबित कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार हैदर को ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बेकेनहम मैदान से पकड़ा। ग्राउंड से गिरफ्तार किया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार उसपर पाक मूल की ही एक लड़की ने बलात्कार का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने हैदर का पासपोर्ट जब्त कर लिया है हलांकि उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा। पीसीबी ने हैदर को तब तक निलंबित कर दिया है जब तक इस मामले में उनपर कोई फैसला नहीं आता। बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा, "हमें इस मामले और जांच के बारे में बताया गया। हमने जांच पूरी होने तक हैदर को निलंबित कर दिया है।" प्राप्त जानकारी के अनुसार हैदर गिरफ्तार के बाद रोने लगा था। उसका कहना था कि वह वह निर्दोष है। पाक शाहीन टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक यूके के दौरे पर थी। इस दौरान उसने दो तीन-दिवसीय मैच खेले, जो दोनों ड्रॉ रहे, और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज जीती। पाक के अधिकतर खिलाड़ी कप्तान स्वदेश लौट गये हैं। हैदर ने पाक के लिए दो एकदिवसीय और 35 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

मोइन ने सिराज को साहसी खिलाड़ी बताया

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली भी भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज से बेहद प्रभावित दिखे हैं। मोइन ने सिराज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह जूझारु है और कठिन हालातों में भी झुकता नहीं है। यही जुनून और जज्बा उसे दूसरे क्रिकेटरों से अलग करता है। इसलिए किसी भी बल्लेबाज के लिए उसका सामना करना आसान नहीं रहता।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाने वाले सिराज ने 23 विकेट लिए। मोईन ने कहा, 'सिराज का प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार रहा है। उसकी ऊर्जा, आक्रामकता और निरंतरता शानदार रही है। वह भारत के लिए मैच विजेता है और बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना हमेशा कठिन रहा है।

चैटजीपीटी-5 पर ऑल्टमैन बोले- हमने क्या बना दिया:परमाणु बम बनाने वाले मैनहट्टन प्रोजेक्ट से तुलना की; अगले महीने भारत आएंगे

वॉशिंगटनः चैटजीपीडी जैसे बॉट बनाने वाली कंपनी ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने अपनी कंपनी के नए एआई मॉडल चैटजीपीटी-5 की तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट से की है। इस प्रोजेक्ट में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान दुनिया का पहला परमाणु बम बनाया गया था। उन्होंने ये भी कहा कि चैटजीपीटी-5 को टेस्ट करते वक्त उन्हें ऐसा लगा जैसे वो खुद "बेकार" हो गए हों। सैम ऑल्टमैन की इस बात ने एआई के संभावित खतरों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मैनहट्टन प्रोजेक्ट से क्यों की तुलना?

मैनहट्टन प्रोजेक्ट में वैज्ञानिकों को बाद में एहसास हुआ था कि उनकी बनाई तकनीक कितनी खतरनाक हो सकती है। सैम ऑल्टमैन ने कहा- विज्ञान में कुछ ऐसे पल आते हैं जब लोग अपनी बनाई चीज को देखकर पूछते हैं, हमने क्या कर दिया। उनके लिए जीपीटी-5 ऐसा ही एक पल है। उन्होंने चिंता जताई कि एआई की रफ्तार इतनी तेज है कि दुनिया के नियम-कायदे और सरकारें इसके साथ कदम नहीं मिला पा रही हैं। सैम ने कहा, "ऐसा लगता है जैसे इस कमरे में कोई बड़ा-बुजुर्ग नहीं है।" यानी, एआई की इस रेस में निगरानी और नियंत्रण की भारी कमी है। सैम ऑल्टमैन के लिए जीपीटी-5 एक ऐसा पल है जो बहुत बड़ा है। ये सिर्फ कंप्यूटिंग पावर में छलांग नहीं है, बल्कि ये वो मौका है जब हमें इंसानी इनोवेशन की दिशा पर सोचने की जरूरत है। हमने एक भगवान जैसा टूल बना लिया है, लेकिन बिना किसी नैतिक दिशा-सूत्र के।

जीपीटी-5 ने वो सवाल हल किया जो सैम नहीं कर पाए

सैम ऑल्टमैन ने 'दिस पास्ट वीकेंड विद थियो वॉन' पॉडकास्ट में बताया कि चैटजीपीटी-5 की टेस्टिंग के दौरान एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। उन्होंने एक जटिल सवाल का जवाब ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वो खुद उसका हल नहीं निकाल पाए। फिर उन्होंने वही सवाल चैटजीपीटी-5 से पूछा और मॉडल ने पलक झपकते ही सटीक जवाब दे दिया। सैम ने कहा, "मैंने कुर्सी पर पीछे बैठकर सोचा, 'अरे, ये क्या हो गया!' मैं खुद को एआई के सामने बेकार महसूस करने लगा। ये एक अजीब एहसास था।"

चैटजीपीटी-5 के सामने काफी कमजोर है जीपीटी-4

सैम ने ये भी कहा कि जीपीटी-4 को अभी तक का सबसे एडवांस मॉडल माना जाता था, लेकिन चैटजीपीटी-5 के सामने ये "काफी कमजोर" लगता है। जीपीटी-5 में मल्टी-स्टेप रीजनिंग, लंबी मेमोरी और मल्टीमॉडल क्षमताएं (टेक्स्ट, इमेज, और डेटा प्रोसेसिंग) इतनी बेहतर हैं कि ये पुराने मॉडल्स को बहुत पीछे छोड़ देता है। सैम की चिंताओं का एक बड़ा हिस्सा ये है कि चैटजीपीटी-5 जैसे मॉडल्स का गलत इस्तेमाल हो सकता है। सैम ने कहा कि अगर इस तकनीक को सही ढंग से नियंत्रित नहीं किया गया, तो ये सामाजिक ढांचे को नुकसान पहुंचा सकती है। इंसानों की खासियत को चुनौती दे सकती है।

सैम ऑल्टमैन सितंबर में भारत भी आ सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत अमेरिका के बाद हमारा दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और ये जल्द ही हमारा सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। भारत के लोग AI का इस्तेमाल कर रहे हैं, वो वाकई में कमाल का है। सैम ने कहा, "हमें नहीं पता कि ये तकनीक हमें कहां ले जाएगी। ये शानदार हो सकती है, लेकिन इसके रिस्क भी उतने ही बड़े हैं।"

झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट

- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पालकों को नुकसान का खतरा

मुंबई (ईएमएस)। पिछले एक सप्ताह के दौरान झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। व्यापारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत से होने वाले झींगा निर्यात पर भारी शुल्क लगाने की आशंका के कारण यह गिरावट हुई है। खासतौर पर पिछले दो दिनों में कीमतों में तेज कमी आई है, जिससे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के झींगा पालकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ये दोनों राज्य झींगा पालन के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए यहां के किसान और व्यापारी इस गिरावट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं। भारत मुख्यतः अमेरिका को 50 काउंट या उससे कम काउंट वाले झींगे निर्यात करता है। 50 काउंट का अर्थ होता है कि एक किलोग्राम में 50 झींगे होते हैं, जिनका वजन लगभग 20 ग्राम होता है।

वहीं, बड़े काउंट (कम वजन वाले झींगे) जैसे 60, 70, 80, 90, 100 काउंट की झींगा मछली चीन, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान और अन्य एशियाई बाजारों को निर्यात की जाती है। इन सभी वर्गों की झींगा मछली की कीमतों में गिरावट देखी गई है। व्यापारियों के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सबसे आम 40 काउंट झींगा मछली की कीमत लगभग 19 प्रतिशत घटकर 365 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। इसके अलावा, झींगे से बने चारे और दानों की कीमतों में भी कमी आई है। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने इस प्रकार के चारे बेचने वाली कंपनियों से झींगा पालकों के हित में कीमतें कम करने की मांग की है।

अमेरिका का 50 फीसदी टैरिफ भारत की जीडीपी वृद्धि को कर सकता है धीमा

- जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारत की आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में 35 से 60 आधार अंक तक की कमी आ सकती है, जिससे देश की आर्थिक प्रगति धीमी पड़ सकती है। एचडीएफसी बैंक की एक प्रधान अर्थशास्त्री के अनुसार, यदि 50 फीसदी शुल्क लागू होता है तो 6.3 प्रतिशत के जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है। वहीं, मॉर्गन स्टैनली की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात पर लगाए गए इस टैरिफ का प्रत्यक्ष प्रभाव 60 आधार अंक तक हो सकता है, और अप्रत्यक्ष प्रभाव भी लगभग इतना ही रहेगा। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नकारात्मक प्रभाव जारी रहने पर सरकार को घरेलू वृद्धि को सहारा देने के लिए नीतिगत कदम उठाने पड़ सकते हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारत से अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था, जो देश के जीडीपी का लगभग 2.2 फीसदी है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह घोषणा स्थायी नहीं रहेगी और दोनों देशों के बीच जल्द ही समझौता हो सकता है। लेकिन फिलहाल, टैरिफ की वजह से भारत की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावी नीतिगत कदम उठाने की जरूरत होगी।

अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से भारत के वस्त्र निर्यात उद्योग संकट में

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका द्वारा भारत से वस्त्र एवं परिधान आयात पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निर्यात उद्योग में संकट पैदा हो गया है। अमेरिकी बड़ी कंपनियों जैसे वॉलमार्ट, टारगेट, एमेजॉन, गैप, एचएंडएम आदि ने भारत के आपूर्तिकर्ताओं को बताया है कि शुल्क स्थिति स्पष्ट होने तक नए ऑर्डर न भेजें। कंपनियां पहले से प्राप्त ऑर्डर को 27 अगस्त से पहले पूरा करने में जुट गई हैं, ताकि खरीदारों पर अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव न पड़े। बाइंग एजेंट्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि खरीदारों ने फिलहाल कोई नया बिल बनाने और ऑर्डर से जुड़ी पूछताछ पर रोक लगा दी है। भारत अमेरिका का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है, जनवरी-मई 2025 में 4.59 अरब डॉलर का निर्यात हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 फीसदी अधिक है। पूरे 2025 में भारत से अमेरिका को करीब 10.8 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश, वियतनाम, चीन जैसे देशों पर अमेरिका ने कम शुल्क लगाए हैं, जिससे ऑर्डर वहां जाने की संभावना बढ़ गई है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने बाजार को सुरक्षित रख सके।

भारत ने रूसी सस्ते कच्चे तेल की खरीद से बचाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने जनवरी 2022 से जून 2025 के बीच रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद से लगभग 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़) की बड़ी बचत की है। सूत्रों के आधार पर यह जानकारी मिली है। इस बचत का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसे इस साल की 1.2 लाख करोड़ की यूरिया सब्सिडी पूरी तरह चुकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। 2023 में सबसे अधिक बचत हुई, लगभग 7 अरब डॉलर, जब जी7 देशों ने रूस पर तेल की कीमत सीमा (प्राइस कैप) लगाई थी। इस कारण रूस ने भारत को तेल प्रति बैरल 15-20 डॉलर सस्ता बेचने का विकल्प दिया। हालांकि, अब यह छूट घटकर 2 डॉलर से भी कम रह गई है, जिससे जनवरी से जून 2025 के बीच बचत घटकर 1.8 अरब डॉलर रह गई। तेल विशेषज्ञ के मुताबिक, अमेरिकी टैक्स के प्रभाव का अंदाजा अभी लगाना मुश्किल है। आने वाले हफ्तों में ट्रैड टॉक्स, क्वाड बैठक, विदेश मंत्री की रूस यात्रा और एससीओ शिखर बैठक के बाद इस पर स्पष्टता आएगी। साबित हो रही है, खासकर वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता के बीच।दूसरी ओर, अगर भारत को खाड़ी देशों या अमेरिका से तेल खरीदना पड़ा, तो रिफाइनिंग मार्जिन 2-3 डालर प्रति बैरल तक कम हो सकता है, जिससे लागत बढ़ने की संभावना है।

रक्षाबंधन पर 17 हजार करोड़ के व्यापार की उम्मीद, पिछले साल 12,000 करोड़ था

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही देशभर के बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार राखी पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना है। 2024 में जहां 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था, वहीं इस बार 22.5 फीसदी की वृद्धि संभावित है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ-साथ भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ भी है, जिससे इस बार भाई-बहन के प्रेम के साथ देशभक्ति की भावना भी जुड़ गई है। उन्होंने बताया कि मिठाई, फल, गिफ्ट आदि के रूप में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार अनुमानित है। इस बार बाजार में इनोवेशन वाली राखियों की धूम है। 'वोकल फॉर लोकल', डिजिटल राखी, मोदी राखी, जय हिंद, वंदे मातरम और विकसित भारत जैसे थीम वाली राखियों को ग्राहकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली राखियां मिट्टी, बीज, बांस, खादी और कपास से बनी राखियां भी खूब बिक रही हैं। हर प्रदेश की अपनी थीम वाली राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मधुबनी राखी (बिहार), जूट राखी (कोलकाता), बांस राखी (झारखंड) जैसी राखियां न सिर्फ पारंपरिक कला को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि महिला उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का मौका दे रही हैं। इस रक्षाबंधन पर बाजारों में सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक भी देखने को मिलेगी।

जुलाई में घर की थाली हुई सस्तीः सब्जियों और दालों की कीमतें गिरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जुलाई 2025 में घरेलू शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः 14 और 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में आई नरमी के कारण हुई है। शाकाहारी थाली की लागत में कमी का सबसे बड़ा कारण टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज गिरावट है। टमाटर की कीमतें 36 फीसदी घटकर 66 से 42 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसी तरह प्याज और आलू की कीमतों में भी क्रमशः 36 और 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले वर्ष मौसम और बीमारियों के कारण आलू का उत्पादन घटा था, जिससे कीमतें बढ़ी थीं, लेकिन इस वर्ष उत्पादन बेहतर रहा। प्याज का उत्पादन भी 18-20 फीसदी अधिक होने से कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में भी 14 फीसदी की कमी देखी गई, जो अधिक उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक के चलते संभव हो सका। चावल की लागत में भी 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट का मुख्य कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 12 फीसदी की कमी है, जो मांसाहारी थाली की कुल लागत का लगभग आधा हिस्सा होता है। हालांकि, कुछ आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। वनस्पति तेल की कीमतें 20 फीसदी बढ़ीं, भले ही कच्चे खाद्य तेलों पर सीमा शुल्क घटाया गया हो। वहीं रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे थाली की लागत में गिरावट पर कुछ हद तक असर पड़ा। फिर भी, उपभोक्ताओं के लिए यह राहत की खबर है कि अधिकांश आवश्यक खाद्य वस्तुएं सस्ती हुई हैं।

दैनिक पंचांग

9 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

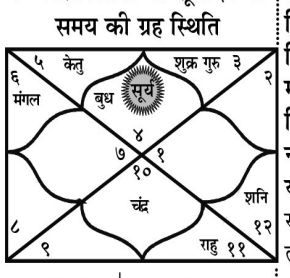

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.11 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	08.23 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.34 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.49 ब.से.
गुरु	मिथुन में	धनु	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.10 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.00 बजे से
		वृष	23.40 बजे से
		मिथुन	01.38 बजे से
		कर्क	03.51 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 221 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** पूर्णिमा 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 14.24 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 02.15 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.51 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 50' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872431 **जूलियन दिन** 2460896.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 14 **विशेष** श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबंधन, गायत्री जयंती, नारली पूर्णिमा, ऋग्वेद उपाकर्म, यजुर्वेद उपाकर्म, संस्कृत दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7372

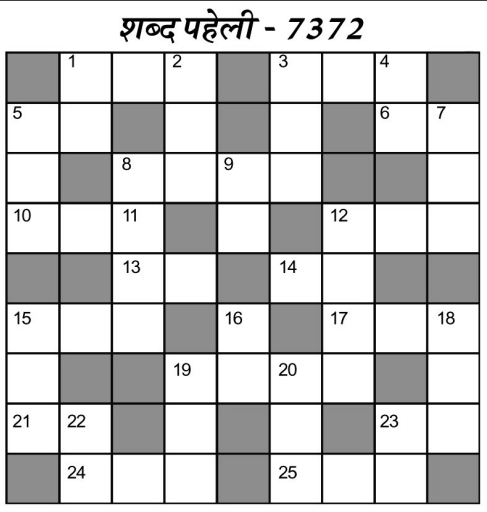

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7371 का हल

ना	क	■	जि	रा	फ	■	ब	ला
ज	■	बे	ब	स	■	स	हा	रा
■	प	ना	ह	■	क	री	ना	■
क	र	म	■	दा	स	ता	■	वि
ले	ख	■	का	म	ना	■	दु	ना
जा	■	व	ज	न	■	प	ला	श
■	म	ह	ल	■	प	ह	रा	■
स	न	म	■	न	ह	र	■	जा
जा	न	■	ह	म	ला	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6913

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	15	19	21	■	36	16	14	19	
14		7		■		5		9	26
15	7		3	■	8		7		20
12		2		■		9		7	26
21	2		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6	■	3		7	14
29	8		5		■		4		12
■	21	15	16	30	■	21	16	16	■

अंकजाल 6912 का हल

	19	24	21	■	20	20	18	16	
18	8	6	4	■	6	8	7	5	26
15	4	9	2	■	7	5	8	7	27
16	5	3	8	■	2	7	3	4	16
28	2	6	7	9	3	■	■	■	■
■	■	■	■	7	2	5	7	2	23
29	5	7	8	9	■	2	3	5	10
22	6	7	3	6	■	4	5	2	11
18	5	6	3	4	■	7	8	8	25
■	16	20	14	35	■	18	23	17	■

■Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 5857

		5	6			4
	32		29	2	32	
3			2		6	5
	38		29	1	29	3
		4	3	7		
4	35	2	35		30	6
7		3			2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5856 का हल

4	5	3	6	1	2	7
2	31	7	31	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	34	6	31	6	33	5
6	5	4	3	2	7	1
5	31	5	32	7	38	3
1	3	2	4	5	7	6

■Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5217

59		38		27		17	=	31
	■		■		■		■	
35		15		25		17	=	42
	■		■		■		■	
25		2		2		20	=	45
	■		■		■		■	
13		1		50		15	=	48
=	■	=	■	=	■	=	■	=
36		22		0		5	=	76 / 19

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5216

35	+	15	+	10	-	41	=	19
-	■	+	■	+	■	-	■	+
35	-	10	+	39	-	40	=	24
+	■	-	■	+	■	x	■	-
1	x	25	+	50	-	45	=	30
x	■	+	■	-	■	+	■	+
20	+	26	-	30	+	5	=	21
=	■	=	■	=	■	=	■	=
20	+	26	+	69	-	50	=	34 / 65

शब्दजाल- 6904

अ	चि	न्ना	स्वा	मी	शि	ज	ब	न	र	ट		
दा	रा	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	फि		
वा	व	ना	पू	ने	जी	थ	न	ग	क	रो		
न	ची	न	ते	श	ज	का	म	पा	त	ज		
खे	त	ई	ड	न	गा	र्ड	न	ग	र्क	शा		
ड़े	अ	म	सु	ल	अ	पू	न	मो	र	ह		
ती	जं	सी	मे	ता	प	नु	श	ह्या	ज	को		
क	ल	ग	रि	वि	ल	नी	प	ली	न	ट		
ब्रे	बो	र्न		य	या	चि	क	री	म	प	ला	
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	ठे	जी	र्य	त		
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	रा	त	थ		

शब्दजाल में 10 'खेल स्टेडियम' के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

ईडन गार्डन, शिवाजी, वानखेड़े, ग्रीनपार्क, फिरोजशाह कोटला, चिन्नास्वामी, मोहाली, नेशनल, ब्रेबोर्न, तालकटोरा

शब्दजाल - 6903 का हल

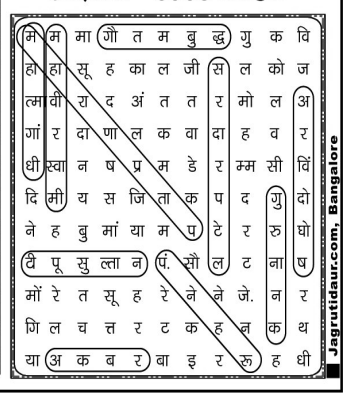

■Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1960 लाओस में सैनिक क्रांति हुई.

1964 राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम का निर्देश दिया.

1970 प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तैलोक्यनाथ चक्रवर्ती का निधन.

1971 भारत सोवियत संघ के बीच 20 वर्षीय शांति मैत्री और सहयोग संधि हुई थी.

1975 कैंटन चीन में दो नावों के टकराने से पांच सौ लोगों की मौत हो गई.

1990 सुरक्षा परिषद ने कुवैत पर इराकी कब्जे को अवैध करार दिया.

1995 ग्वाटेमाला का एक विमान एक ज्वालामुखी से टकराया, सभी 65 यात्री मारे गए.

1997 भारतीय ओडियो कैसेट के बादशाह और फिल्म निर्माता गुलशन कुमार की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई.

2004 भविष्य निधि पर 8.5 प्रतिशत की अंतरिम ब्याज दर घोषित.

संक्षिप्त खबरें

डूरंड कप टूर्नामेंट में जमशेदपुर एफसी ने लद्दाख एफसी पर आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

जमशेदपुरः जमशेदपुर एफसी ने शानदार और शानदार प्रदर्शन करते हुए 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप सी में लद्दाख एफसी को 2-0 से हराकर डूरंड कप के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। 28वें मिनट में सिजू के आत्मघाती गोल ने मेजबान टीम को बढ़त दिला दी, लेकिन डिफेंडर प्रफुल ने मैच दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद ही नजदीकी गोल करके जीत पक्की कर दी। 134 इंच के इंडियन ऑयल डूरंड कप के सभी 43 मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (सोनी टेन2 एचडी) पर और साथ ही सोनीलिव ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाइवस्ट्रीम किया जाएगा। जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच खालिद अहमद जमील ने अपनी शुरुआती लाइन-अप में दो बदलाव किए हैं। अनुभवी सौरव दास और आशुतोष मेहता की जगह फॉरवर्ड सुहैर वीपी और डिफेंडर सार्थक गोलौई को 4-4-2 फॉर्मेशन में शामिल किया गया है। जापानी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी री ताचिकावा बेंच पर बैठे रहेंगे। वहीं लद्दाख एफसी के मुख्य कोच राजन मणि ने पहले मैच की शुरुआती ग्यारह को ही 4-3-3 फॉर्मेशन में बरकरार रखा है।

नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया

जमशेदपुरः क्रांतिकारी,गरीबों के मसीहा वीर शहीद निर्मल महतो जी ,की पुण्यतिथि नारायण प्राइवेट आईटीआई के एडमिनिस्ट्रेटिव हेड एडवोकेट निखिल कुमार पांडेय तथा संस्थान के शिक्षक पवन महतो , कृष्ण पद महतो , भगत लाल , प्रकाश महतो, अजय कुमार मंडल , देवाशीष मंडल, गौरव महतो ,संजीत महतो आदि शिक्षक गणों की उपस्थिति में वीर शहीद निर्मल महतो की पुण्यतिथि मनाई गई और उनके द्वारा किए गए कार्यों और संघर्षों को याद किया गया । इस अवसर पर एडवोकेट निखिल कुमार पांडेय द्वारा छात्राओं को संबोधित करते हुए विशेष करके युवाओं को आवाहन करते हुए वीर शहीद निर्मल महतो के कार्य उनके संघर्षों को अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में व्यवहार अवलोकन और अमल करने के लिए प्रेरित करते हुए संबोधित किया और उनसे प्रेरणा लेने की बात कही ।

सीसीएल गिरिडीह क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर, 21 मामलों का हुआ निपटारा

गिरिडीहः निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल हर्षनाथ मिश्र के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सीसीएल के गिरिडीह क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लंबित मामलों का निपटारा एवं कर्मचारियों, आश्रितों, ठेका श्रमिकों तथा अन्य हितग्राहियों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना था। शिविर के दौरान कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश मामले सीएमपीएफ, पेंशन तथा सेवानिवृत्ति बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थे। इसके अलावा कुछ शिकायतें नौकरी एवं सेवा मामलों से जुड़ी हुई थीं। कई मामलों का मौके पर समाधान किया गया, जबकि शेष शिकायतों के समयबद्ध और पारदर्शी निपटारे का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन/समाधान) एवं HOD (CPIO), तेजविंदर सिंह, वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन/समाधान), अमित कुमार, वरीय प्रबंधक (E&M), राजवर्धन कुमार, प्रबंधक (कार्मिक), सुप्रिया भारती, उप-प्रबंधक (कार्मिक) तथा श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्राओं ने थाना में पुलिसकर्मियों को बाँधी राखी

जमशेदपुर। श्री साकची गुजराती इंग्लिश स्कूल के ज्योति क्लब की ओर से साकची थाना में रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की कुछ छात्राओं ने वहाँ के पुलिसकर्मियों को राखी बाँधी और मिठाई खिलाकर रक्षा-संबंध का भाव प्रकट किया। यह आयोजन ज्योति क्लब की प्रमुख शिक्षिका बी. निरूपमा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उनके साथ शिक्षक हाबिल जार्ज और शिक्षिका औनड्रिला भी उपस्थित रहीं। इस समारोह का उद्देश्य छात्राओं में देशभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना को जागृत करना था। थाना प्रभारी आनंद कुमार मिश्रा एवं अन्य अधिकारीगण ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज और पुलिस के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना प्रगाढ़ होती है। विद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों की समझ और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

कल्पना सोरेन का सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट

कहा- आप सिर्फ मेरे ससुर नहीं, झारखंड के बाबा भी थे

रांचीः झारखंड राज्य के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शबू सोरेन के निधन के पांच दिन बीत गए हैं, लेकिन उनके घर-परिवार वाले उन्हें भूल नहीं पा रहे हैं। परिजन उनके साथ बिताए पलों को याद कर रहे हैं। स्वर्गीय शिबू सोरेन की बहू, वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और राज्य के गांडेय विधानसभा क्षेत्र से विधायक कल्पना सोरेन भी उन्हीं में से एक हैं।

स्वर्गीय शिबू सोरेन की बहु और गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जब पूरा देश आपको (शिबू सोरेन को) अश्रुपूरित नेत्रों से विदा कर रहा है, मैंने एक कोना पकड़ लिया है। अपनी आधी जिंदगी जिस वटवृक्ष के साये में महफूज होकर काटी, आज आपके जाने से वह बेटी-सी बहू अपनी टूटी हुई हिम्मत बटोरने का साहस नहीं कर पा रही है।

उन्होंने लिखा, " मैं जानती हूं। आप सिर्फ मेरे ससुर नहीं थे, आप झारखंड के बाबा थे, हर उस बच्चे के, जिसने जंगलों की गोद में जन्म लिया और संघर्ष को पहली सांस में महसूस किया। जब मैं पहली बार इस परिवार में आई, तो आपके व्यक्तित्व पर गौरव हुआ। आपकी सादगी, आपकी आवाज में ठहराव और सबसे जरूरी आपका सुनना। आप सुनते थे हर किसान की चिंता, हर औरत का दर्द, हर माँ की खामोशी, हर झारखंडी के अरमान।"

कल्पना सोरेन ने आगे लिखा कि आपने राजनीति को घर की तरह जिया, जहां सत्ता नहीं, संबंधों का सम्मान होता है। आपके पास बड़ी डिग्रियां से भी बड़ी दूरदर्शी दृष्टि थी। आपने केवल झारखंड को खड़ा नहीं किया, हम सबको आत्मनिर्भर होने का हौसला दिया। जब आप "झारखंड" कहते थे, तो वो शब्द भूगोल नहीं, संवेदना बन जाता था।

कल्पना सोरेन ने अपने पोस्ट में लिखा, " मैंने आपको कभी पिता की तरह देखा, कभी एक संत की तरह और कभी एक तपस्वी की तरह, जो न सत्ता चाहता था, न वाहवाही, बस अपनी माटी की, अपने लोगों की इज्जत चाहता था। आज आप नहीं हैं, पर आपकी चाल की गूंज हर गांव के रास्ते पर है। आपकी चप्पलों की खामोशी विधानसभा में गूंज रही है। बाबा, आपने झारखंड को छोड़ा नहीं है, आप तो हर उस बेटी की आंखों में हैं, जो अपने जंगल, अपने खेत, अपने सपनों को बचाना चाहती है। आप हर उस माँ की सांसों में हैं, जो चाहती है कि उसके बेटे भी एक दिन आपकी तरह "गुरु" एवं सच्चे इंसान बने। आपका सपना, अब हमारी जिम्मेदारी है।"

सीएम हेमंत सोरेन खेतों में उतरे, धान रोपनी का किया अवलोकन

विधानसभा अध्यक्ष पहुंचे नेमरा, दिवंगत शिबू सोरेन के परिजनों को दी सांत्वना

रांचीः झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचकर दिवंगत शिबू सोरेन के परिजनों से मिले। शिबू सोरेन को याद करते हुए उन्होंने उनके परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। विधानसभा अध्यक्ष ने गुरुजी के सानिध्य में गुजारे पुराने दिनों को याद करते हुए बहुत सारी घटनाओं को भी उनके परिजनों के साथ साझा किया।उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद सामाजिक सरोकार से जुड़े आंदोलन का सूत्रपात का बड़ा दृष्टांत झारखंड से मिलता है, जो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नेतृत्व में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि भले ही आज गुरुजी हमारे बीच नहीं रहे। लेकिन उनका मार्गदर्शन समाज के लिये एक दर्शन के समान होगा।

कृषि मंत्री ने औचक निरीक्षण कर की किसान कॉल सेंटर की पडताल

रांचीः कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांके रोड स्थित कृषि निदेशालय में शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। इससे निदेशालय के अधिकारी और कर्मियों में हड़कंप मच गई। निरीक्षण के दौरान मंत्री सीधे किसान कॉल सेंटर पहुंचीं और फोन कर किसानों की समस्याएं और उनके समाधान की हकीकत का पड़ताल किया। कई किसान ने फोन पर मंत्री को बताया कि उसकी शिकायत का समाधान हो चुका है।

मंत्री ने किसान कॉल सेंटर को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश देते हुए राज्य के किसानों से अपील किया कि वे अपनी समस्याएं टॉल फ्री नंबर 18001231136 पर दर्ज कराएं। ताकि समय पर समाधान हो सके। इससे पहले मंत्री दोपहर जैसे ही निदेशालय पहुंची। मंत्री के दौरे की सूचना पर आनन फानन में सभी कर्मी और पदाधिकारी सचेत हो गए। वहीं मौके पर मंत्री ने किसानों की संबंधित समस्याओं को तत्काल दूर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

निरीक्षण के बाद विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए राहत उपायों पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि लेट खरीफ फसल के बीज 100 प्रतिशत अनुदान पर अगस्त के अंत तक वितरित कराएं इसमें सरगुजा, अरहर, कुलथी सहीत अन्य बीज शामिल हैं। बीज वितरण में फसल क्षति रिपोर्ट वाले किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मौके पर मंत्री ने बताया कि इस बार रबी फसल का बीज केवल लैम्पस-पैक्स से नहीं, बल्कि लाइसेंस प्राप्त बीज विक्रेताओं से भी मिलेगा। फसल सुरक्षा अभियान के तहत जिला स्तर पर एडवाइजरी जारी होगी और फसल बचाव के लिए दवा छिड़काव की ठोस व्यवस्था होगी। बैठक में मुख्य रूप से कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, सहित निदेशक विकास कुमार, भूमि संरक्षण निदेशक अशोक सम्राट, उद्यान के संयुक्त सचिव एस बी अग्रवाल मौजूद थे।

चाईबासाः सुरक्षाबलों ने तीन नक्सली बंकरों को किया ध्वस्त

चाईबासाः झारखंड के पश्चिम सिंहभूम में शुक्रवार को भी प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के खिलाफ झारखंड पुलिस की सघन कार्रवाई जारी रही। सुरक्षाबलों ने कोल्हान-सारंडा क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तीन नक्सली बंकरों को ध्वस्त कर भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की है।

पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीधक राकेश रंजन के अनुसार, भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा सहित अन्य नक्सली अपने दस्ता के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों की योजना बना रहे थे। इस बीच, पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सिंहभूम को छह अगस्त को गुप्त सूचना मिली कि जराईकेला थाना क्षेत्र के जंगल-पहाड़ी इलाकों में नक्सलियों ने सामग्री छिपा रखी है, जिसका इस्तेमाल वे सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों में कर सकते हैं।

एसपी ने बताया कि सूचना के आधार पर चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान जराईकेला थाना क्षेत्र के हंडेकुली के पास जंगल-पहाड़ी इलाके में तीन नक्सली बंकरों का पता लगाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। इन बंकरों से तार सहित बैटरी, नक्सली हरी व काली वर्दी, जंगली जूते, पिट्ठू, काला पटका, स्टील कंटेनर, काला पॉलिथीन सहित अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुईं।

उन्होंने बताया कि बरामद सामान की जांच की जा रही है और नक्सलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। संयुक्त अभियान क्षेत्र में फिलहाल जारी है और सुरक्षाबलों का लक्ष्य नक्सलियों की हर संभावित छिपने की जगह को नष्ट करना है।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में कोबरा के दो जवान घायल

चाईबासाः चाईबासा के सारंडा स्थित जंगली- पहाड़ी क्षेत्र में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान शुक्रवार को तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) विस्फोट में कोबरा 209 बटालियन के दो जवान घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए रांची लाया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अभियान सह पुलिस प्रवक्ता माइकल राज एस ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि झारखंड पुलिस (चाईबासा पुलिस) और कोबरा बटालियन की टीम नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चला रही थी। अभियान के क्रम में सारंडा के जंगली- पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों की ओर से सुरक्षा बलों को लक्षित करके आईईडी ब्लास्ट किया गया, जिसकी चपेट में आने से कोबरा 209 बटालियन के 02 (दो) जवान जख्मी हो गए हैं। दोनों को इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रांची लाया जा रहा है।

सरकार विद्यार्थियों को प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक दे रही सभी सुविधाएं : मंत्री दीपक बिरुवा

चाईबासाः राजकीयकृत उच्च विद्यालय हाटगम्हरिया में शुक्रवार को उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि झारखंड सरकार विद्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक हर स्तर पर सुविधाएं दे रही है। सरकार की ओर से छात्रों को किताब, कॉपी, स्कूल ड्रेस, स्कूल किट, छात्रवृत्ति और साइकिल दी जा रही है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा और विदेश में पढ़ाई के लिए शैक्षणिक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए लगातार नियुक्तियां कर रही है। साथ ही स्कूल भवनों का भी निर्माण कराया जा रहा है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षण माहौल मिल सके। मंत्री ने बताया कि उन्नति का पहिया कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान करना है, जिनका स्कूल घर से दूर है और जिन्हें आने-जाने में परेशानी होती है। इस योजना के तहत कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं को साइकिल दी जा रही है।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य प्रमिला पिंगुवा, प्रखंड विकास पदाधिकारी सालखु हेंब्रम, अंचल अधिकारी ऋषिदेव कमल, बलवंत गोप, गोपाल हेंब्रम, विकास गुप्ता समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

भाषा शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी

4991 पदों के लिए चयन प्रक्रिया, 1059 अभ्यर्थियों को मिली सफलता

रांचीः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के भाषा विषय का परिणाम जारी कर दिया है. राज्य के सरकारी मध्य विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में भाषा शिक्षक के 4991 रिक्त पदों को भरने के लिए आयोजित इस परीक्षा में कुल 1059 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है. जेएसएससी परीक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक वेबसाइट पर तमाम जानकारी उपलब्ध करा दी गई है. अभ्यर्थी जेएसएससी के ऑफिशियल वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं. परिणाम में 959 गैर-पारा शिक्षक और 100 पारा शिक्षक अभ्यर्थियों को सफलता मिली है. यह सूची जिलावार और श्रेणीवार प्रकाशित की गई है.

पलामू जिला सबसे आगे, साहिबगंज सबसे पीछेः जारी परिणाम के अनुसार पलामू जिला से सबसे ज्यादा 97 अभ्यर्थियों को सफलता मिली है, जबकि साहिबगंज में महज 15 उम्मीदवार ही पास हो सके. आंकड़े बताते हैं कि परीक्षा में पलामू, रांची और गिरिडीह के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा है.

1602 अभ्यर्थियों को सत्यापन के लिए बुलाया गया थाः भाषा विषय शिक्षक के 4991 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया के तहत JSSC ने कुल 1602 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए आमंत्रित किया था. इनमें से 1059 उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की है. यह परीक्षा राज्यभर में आयोजित की गई थी और इसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी.

बाबा धाम में 53.91 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

लगातार उमड़ रहा है श्रद्धालुओं का सैलाब

देवघरः देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब लगातार उमड़ रहा है। शुक्रवार तड़के 04:09 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। सभी श्रद्धालुओं को बीएड कॉलेज से तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए जिला प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा के बीच जलार्पण कराया जा रहा है। सभी कांवड़िए कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे है।

कांवड़िये सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 53 लाख 91 हजार 871 से अधिक

श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया है। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं।

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग मंदिर परिसर और रूट लाइन का जायजा ले रहे हैं। एसपी ने बताया कि मंदिर और मेला क्षेत्र में कुल 564 मजिस्ट्रेट और 9650 पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही सीआरपीएफ की चार कम्पनी, दो एसपी, एनडीआरएफ की टीम को लगाया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि मेला में 101 स्थानों पर श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था की गयी है। मेला में कुल 81चिकित्सकों और पारा 449 मेडिकल स्टाफ को लगाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए 50 एम्बुलेंस लगाए गए हैं।

अब तक मंदिर को 7,36,44,295 रूपये आय के रूप में प्राप्त हुए हैं। मंदिर और मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 765 सीसीटी कैमरा, 200 एआई कैमरा और 10 ड्रॉन कैमरा कार्यरत हैं। वहीं, इस श्रावणी मेला में ऑनलाईन चैट बोर्ड क्यूआर कोड से प्राप्त 782 शिकायतों का निष्पादन किया गया।

रक्षाबंधन पर शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाई पर बांधें राखी, नहीं रहेगा भद्रा का साया

रांचीः इस साल रक्षाबंधन 9 अगस्त, शनिवार को मनाया जाएगा और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से यह पर्व अत्यंत शुभ संयोग लेकर आ रहा है. इस बार भद्रा का साया नहीं रहेगा, जिससे दिनभर राखी बांधने के लिए शुभ समय उपलब्ध रहेगा. भद्रा रहित रक्षाबंधन का पर्व अत्यधिक फलदायी माना जाता है.

करीब 40 वर्षों के बाद रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा. शनिवार होने के बावजूद रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, सौभाग्य योग, बुधादित्य योग इसे खास बना रहा है. 9 अगस्त यानी शनिवार को मनाया जाने वाले राखी के त्योहार को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है. ऐसे में सभी के मन में यह आ रहा है कि शुभ मुहूर्त का वक्त क्या है? रांची के हरमू शिव मंदिर के पंडित मृत्युंजय कुमार पांडेय वाराणसी पंचांग का हवाला देते हुए कहते हैं कि पूर्णिमा शनिवार को 1 बजकर 23 मिनट तक है और भद्रा इस दिन नहीं पड़ रहा है इस वजह से, सुबह से दोपहर एक बजे तक रक्षाबंधन कार्य संपन्न करने का उपयुक्त समय है. उन्होंने कहा कि चूंकि पूर्णिमा शुक्रवार दोपहर 1 बजकर 41 मिनट से शुरू हो रही है जो शनिवार दोपहर 1 बजकर 23 मिनट तक रहेगी. भद्रा आज रात में ही खत्म हो रहा है. इस वजह से इस बार का रक्षाबंधन खास माना जा रहा है.

मिथिला पंचांग के अनुसार इस समय बांधें राखीः आमतौर पर झारखंड में रहने वाले लोग वाराणसी या मिथिला पंचांग का अनुसरण करते हैं. रक्षाबंधन के मुहूर्त को लेकर दोनों पंचांग ने लगभग एक ही समय उपयुक्त माना है. मिथिला पंचांग के अनुसार, रक्षाबंधन 9 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा. पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त को दोपहर 2:12 बजे शुरू होगी और 9 अगस्त को दोपहर 1:24 बजे समाप्त होगी.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।